हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

देशभर में शिवभक्ति की गूंज, रायपुर के शिवालयों में भी गूंजे हर-हर महादेव

काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी

काशी में मंगला आरती, उज्जैन में अभिषेक... सावन के पहले सोमवार पर हाटकेश्वर मंदिर में गूंजे हर-हर महादेव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली/रायपुर

खास खबर

सावन के पहले सोमवार के अवसर पर देशभर में शिवभक्ति की गूंज सुनाई दी। गुजरात में अरब सागर की लहरों के बीच स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ से लेकर मोक्षदायिनी नगरी काशी के काशी विश्वनाथ मंदिर तक, हर तरफ आस्था का माहौल दिखा। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शिवालयों में भी भक्तों की भीड़ रही। महादेव घाट स्थित हाटकेश्वर मंदिर में बड़ी संख्या में ▶▶|शेष पेज 6 पर

हाटकेश्वर मंदिर, महादेव घाट, रायपुर

पहले सोमवार का महत्व

सनातन परंपरा में सावन का महीना और विशेष रूप से इसका पहला सोमवार अत्यंत पावन माना गया है। शास्त्रों के मुताबिक सावन का महीना भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। मान्यता है कि इसी महीने में माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी।

बाबा बैद्यनाथ धाम में भक्तों का रेला

झारखंड के देवघर में सावन महीने के पहले सोमवार के मौके पर बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। यहां लगभग 2 से 3 लाख लोगों की भीड़ जुटी रही। बताया जा रहा है कि यहां लगभग 10 किलोमीटर तक भक्त लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे।1

महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन

बाबा महाकाल की सवारी

सावन माह के पहले सोमवार को बाबा महाकाल की सवारी धूमधाम से निकली। भगवान महाकाल 'चंद्रमौलेश्वर' रूप में पालकी में विराजमान होकर प्रजा को दर्शन देने निकले। बाबा महाकाल चांदी की पालकी में सवार होकर निकले। पालकी के पीछे हाथी पर भगवान मनमहेश की प्रतिमा विराजित है।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹107178/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹130900/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹142890/-
Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।
anand jewels Pandri, Raipur
*Conditions apply

उपचुनाव के नतीजे, दो हार के बाद बिहार में चुनाव जीते प्रशांत किशोर

बांकीपुर में 30 साल बाद ढहा भाजपा का किला, 'पंजे' के कब्जे में दतिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दतिया/पटना

खास खबर

मध्यप्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में सोमवार को कांग्रेस के उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार आशुतोष तिवारी को 6,016 मतों से पराजित कर दिया। जिला निर्वाचन अधिकारी और दतिया के जिलाधिकारी स्वप्निल वानखड़े ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कांग्रेस प्रत्याशी ने 6,016 मतों से जीत दर्ज कर ली है। उन्होंने बताया कि 15वें और आखिरी दौर की मतगणना के बाद घनश्याम सिंह को 66,757 मत मिले, जबकि तिवारी को 60,741 मत प्राप्त हुए। वानखड़े ने बताया कि आजाद समाज पार्टी के उम्मीदवार दामोदर यादव को 22,527 मत मिले हैं जो तीसरे स्थान पर हैं। ▶▶|शेष पेज 6 पर

बिहार
बांकीपुर से जन सुराज के प्रशांत किशोर **19,324** मतों से विजयी

मध्यप्रदेश
दतिया में कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने भाजपा प्रत्याशी को **6,016** मतों से हराया

गुजरात
भाजपा ने मांजलपुर सीट बरकरार रखी, सतीश पटेल **30,630** मतों से विजयी

तीन विधानसभा सीटों के लिए हुए उपचुनाव के नतीजे सोमवार को आ गए। बिहार में बांकेपुर सीट से प्रशांत किशोर की जीत हुई। यह सीट पिछले 30 सालों से भाजपा के पास थी। मप्र का दतिया फिर कांग्रेस के कब्जे में चला गया, यहां भाजपा की रणनीति काम नहीं आई। गुजरात के मांजलपुर सीट से भाजपा ने एक बार फिर जीत हासिल की। नतीजे के आने के बाद सियासी हलचल तेज हो गई।

दतिया में क्यों हुआ उपचुनाव

दतिया सीट से कांग्रेस विधायक रहे राजेंद्र भारती को धोखाधड़ी के एक मामले में दिल्ली की अदालत द्वारा इस वर्ष अप्रैल में तीन वर्ष की सजा सुनाई गई थी, जिसके बाद उनकी विधानसभा की सदस्यता समाप्त हो गई थी। उसके बाद इस सीट पर उपचुनाव कराना जरूरी हो गया था। दतिया उपचुनाव में कांग्रेस के घनश्याम सिंह और भाजपा के आशुतोष तिवारी सहित कुल 21 उम्मीदवार मैदान में थे। उपचुनाव के लिए 30 जुलाई को हुए मतदान में 71.44 प्रतिशत मतदान हुआ।

बिहार में जनसुराज का दिखा जलवा

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में सोमवार को भाजपा के उम्मीदवार नीरज कुमार को 19,324 मतों के अंतर से हराकर जीत दर्ज की। सभी 32 चरणों की मतगणना पूरी होने के बाद प्रशांत किशोर को 64,151 मत मिले जबकि भाजपा के नीरज कुमार को 44,827 मत प्राप्त हुए। राजद की उम्मीदवार रेखा कुमारी 14,273 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

दो उम्मीदवारों के बीच हुआ मुकाबला

भाजपा ने गुजरात के वडोदरा जिले की मांजलपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में सोमवार को जीत दर्ज कर यह सीट अपने पास बरकरार रखी। भाजपा उम्मीदवार सतीश गोविंदभाई पटेल ने कांग्रेस के उम्मीदवार एवं पूर्व मंत्री भीखाभाई रबारी को 30,630 मतों से हराया। मतगणना के सभी 20 दौर पूरे होने के बाद पटेल को 55,481 मत मिले।

रायपुर में जुटे एचआईवी संक्रमित, छलका दर्द

कहा-वेश्या की कॉलम में डाला, गोपनीयता भंग की

देशभर से रायपुर में जुटेंगे सैकड़ों एचआईवी संक्रमित
गोपनीय बैठक में दवा छोड़ने जैसा कड़ा फैसला संभव

छत्तीसगढ़ समेत अन्य राज्यों के संक्रमित भी पहुंचे, मांगे पूरी नहीं होने पर आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

सोमवार को छत्तीसगढ़ सहित देश के अन्य राज्यों से आए एचआईवी और एड्स संक्रमितों की गोपनीय बैठक हुई। बैठक में संक्रमितों के प्रति अफसर और प्रशासन के व्यवहार को लेकर विरोध जताया गया। संक्रमितों की संस्था सीजीएनपी प्लस ने आरोप लगाया कि कई महिलाओं को सामान्य होने के बाद भी उन्हें वैश्या, जिसे शॉर्ट फॉर्म में एफएसडब्ल्यू भी कहा जाता है, उस श्रेणी में डाल दिया गया है। बैठक में यह तय किया गया कि यदि छत्तीसगढ़ एड्स कंट्रोल सोसायटी यदि उनकी मांगे नहीं मानेगी, तो सरकार द्वारा दिए जाने वाली जीवन रक्षक एआरटी की दवा का सेवन पूरी ▶▶|शेष पेज 6 पर

जीना हो चुका है मुश्किल

सरकार की योजनाओ को एचआईवी/एड्स संक्रमित व्यक्तियों को पहले समुदाय के माध्यम से ही पहुंचाया जाता था। जिसके कारण हमारी गोपनीयता बनी रहती थी, लेकिन अब यह काम ऐसे लोगों को दिया जा रहा है जो कि एचआईवी की गंभीरता और संवेदनशीलता को नहीं समझ सकते। गैर एचआईवी समुदाय के लोग संक्रमितों के घर आकर बेवजह का हंगामा करते हैं। जिससे उनकी बीमारी की गोपनीयता भंग कर रहे हैं। जिसके कारण उनके घर और आसपास के लोगों को जानकारी मिल रही है, जिसके कारण उनकी जीना मुश्किल हो गया है।

खबर संक्षेप

केजरीवाल को नहीं मिलेगी मार्च की इजाजत

नयी दिल्ली। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के ई20 ईंधन के खिलाफ ज्ञापन सौंपने के लिए चार अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आवास तक प्रस्तावित मार्च की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस सूत्र ने कहा कि मार्च के लिए कोई अनुमति नहीं दी गई है और किसी भी अनधिकृत मार्च को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है।

कफ सिरप तस्करी, 2.5 करोड़ नकद बरामद

कोलकाता। प्रतिबंधित कफ सिरप की तस्करी से जुड़े एक मामले की जांच में एक फ्लैट से करीब 2.5 करोड़ रुपए नकद, थोड़ी मात्रा में सोना और कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए। यह बरामदगी मालदा और दक्षिण दिनाजपुर जिला पुलिस द्वारा राज्य पुलिस के विशेष अभियान दल की सहायता से मालदा थाना क्षेत्र के मंगलबाड़ी स्थित एक फ्लैट में अभियान के दौरान की गई।

मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री पारस जैन का निधन

उज्जैन। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री पारस चंद्र जैन का सोमवार को इंदौर के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 77 वर्ष के थे। जैन को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। जैन 2005 से राज्य में भाजपा सरकार के तीन कार्यकाल के दौरान मंत्री रहे।

1.49 लाख 384 रुपए की हेराफेरी

हेमंचद यादव विवि के कुलसचिव गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दैनिक वेतनभोगी महिला कर्मी के वेतन में गबन करने पर हेमचंद यादव विश्व विद्यालय के कुल सचिव को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। एएसपी मणीशंकर चंद्रा ने बताया कि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट, बैंक अभिलेख और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ▶▶|शेष पेज 6 पर

शिकायत के बाद विवि ने पुलिस को लिखा पत्र

महिला कर्मी की शिकायत मिलने पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने दुर्ग एसएसपी को कार्रवाई करने के लिए पत्र भेजा था। पत्र के आधार पर मोहन नगर पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर कुलसचिव को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने अपने प्रशासनिक पद का फायदा उठाते हुए ▶▶| शेष पेज 6 पर

लूट और हत्या से भिलाई में सनसनी उपसरपंच को लुटेरों ने मार डाला

दोस्त ने भागकर बचाई जान, भिलाई से अपने गांव लौट रहा था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाई में उपसरपंच की लूट और हत्या ने शहर से लेकर गांव तक सनसनी फैली दी। घटना रविवार देर रात करहीडीह से चिखली चौक के समीप की है। पुलिस बदमाशों को नहीं पकड़ पाई है। जिससे गुस्साए कांग्रेसियों ने जमकर प्रदर्शन किया। जेवरा सिरसा पुलिस के अनुसार ग्राम तुमाकला उपसरपंच प्रकाश सिंह कश्यप अपने दोस्त के साथ बाइक से भिलाई काम से आए थे। काम पूरा करने के बाद अपने गांव जाने के लिए निकले थे, तभी करहीडीह से चिखली चौक के बीच चार युवकों ने उन्हें रोक लिया। रुकने के बाद लूट की वारदात को अंजाम देते समय ▶▶|शेष पेज 6 पर

जांच की जा रही है

शुरुआती जांच में लूट के दौरान हत्या की बात सामने आई है। आरोपियों की पहचान की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस की अलग-अलग टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं।

-शमित मिश्रा
चौकी प्रभारी जेवरा पुलिस

जमाखोरी की आशंका के कारण केंद्र सरकार ने अब चार हजार क्विंटल के स्टॉक का नियम बनाया

लो, अब मिठास भी महंगी...शक्कर पहली बार थोक में 50 और चिल्हर में 55 रुपए किलो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

त्योहारी सीजन के ठीक पहले बाजार में शक्कर की कृत्रिम कमी पैदा करके इसके दाम बढ़ा दिए गए हैं। प्रदेश में पहली बार शक्कर के दाम थोक में 50 और चिल्हर में 55 रुपए हो गए हैं। केंद्र सरकार ने भी शक्कर की जमाखोरी की आशंका के बीच अब 1 अगस्त से कारोबारियों के लिए चार हजार क्विंटल के ▶▶|शेष पेज 6 पर

दाम बढ़ने का कारण जमाखोरी संभव

शक्कर की कीमत के ठीक त्योहारी सीजन के पहले बढ़ने को लेकर जानकारों का कहना है कि इसके पीछे जमाखोरी संभव है। त्योहारी सीजन से पहले कारोबारी स्टॉक कर लेते हैं ताकि त्योहारी सीजन में ज्यादा दाम पर इसको बेचा जा सके। शक्कर कारखानों से बाजार में भरपूर स्टॉक आने की बात की जा रही है, लेकिन बाजार में ▶▶| शेष पेज 6 पर

पहली बार इतने दाम

शक्कर के दाम थोक में इस समय 49 से 50 रुपए किलो हैं। पहली बार इतनी कीमत हुई है। प्रदेश में महाराष्ट्र और आंध्रप्रदेश से शक्कर आती है।

- प्रेम पाहूजा, अध्यक्ष
डूमरतराई थोक बाजार

एथेनाल के कारण शक्कर की कमी

कारोबारियों का कहना है कि शक्कर की कमी का कारण एथेनाल भी है। अब गन्नों से एथेनाल बनने के कारण गन्ने की कीमत में इजाफा हो गया है। सरकार ने गन्ने का समर्थन मूल्य भी बढ़ाकर 365 रुपए क्विंटल कर दिया है। ऐसे में खुले बाजार में गन्ने की कीमत और बढ़ गई है। खुले बाजार में चार सौ रुपए क्विंटल से ज्यादा दाम हो गए हैं। ऐसा होने से शक्कर का लागत मूल्य बढ़ने के कारण शक्कर की कीमत में इजाफा हो रहा है। किसान अपना ज्यादातर गन्ना एथेनाल बनाने के लिए दे रहे हैं तो शक्कर के कारखानों में गन्ने की कमी हो रही है।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री ने दी निशुल्क एम्बुलेंस की सौगात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास से धरसींवा विधानसभा क्षेत्र की जनता को निशुल्क एम्बुलेंस की सौगात दी है। मुख्यमंत्री ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने विधायक अनुज शर्मा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में एम्बुलेंस के चालक को चाबी सौंपी। इस अवसर पर उन्होंने कहा, राज्य सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक समय पर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। इसी सोच के अनुरूप प्रदेश में स्वास्थ्य अधोसंरचना को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में लोगों को त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह नई एम्बुलेंस गर्भवती महिलाओं, गंभीर रूप से बीमार मरीजों, बुजुर्गों तथा सड़क दुर्घटनाओं या अन्य आकस्मिक घटनाओं में घायल लोगों को शीघ्र स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

56 स्टेशनों पर 120 एटीवीएम मशीनों से आसान हुई टिकट बुकिंग

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों को पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने सूचना प्रौद्योगिकी आधारित व्यवस्थाओं का लगातार विस्तार कर रहा है। डिजिटल इंडिया मिशन के तहत रेलवे में टिकट बुकिंग से लेकर भुगतान तक की अधिकांश सेवाओं को ऑनलाइन और कैशलेस बनाया जा रहा है। इससे यात्रियों को टिकट लेने में कम समय लग रहा है और लंबी कतारों से भी राहत मिल रही है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यात्रियों की सुविधा के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 56 स्टेशनों पर 120 ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन व 12 स्टेशनों पर 26 मोबाइल यूटीएस प्रणाली संचालित की जा रही है। डिजिटल टिकटिंग में एटीवीएम सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाली माध्यम बन गई है। वर्तमान में जारी होने वाले कुल डिजिटल टिकटों में 37.07 प्रतिशत टिकट एटीवीएम के जरिए जारी किए जा रहे हैं।

अकबर की सीएस से मांग अफसरों का जनप्रतिनिधियों से हो उचित व्यवहार

रायपुर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर ने राज्य के मुख्य सचिव से आग्रह किया है कि वे जनप्रतिनिधियों से उचित व्यवहार के लिए अफसरों को निर्देशित करें। इस संबंध में श्री अकबर ने वर्ष 2010 में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देश की प्रति भी जारी की है। श्री अकबर ने इस संबंध में एक वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा है कि सांसदों और विधायकों के साथ अधिकारियों द्वारा अच्छे से पेश आने और तथ्यात्मक जानकारी देने के लिए राज्य सरकार ने समय-समय पर कई परिपत्र (सर्कुलर) जारी किए हैं। कुल 18 ऐसे आदेश मौजूद हैं, फिर भी इनका पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने मुख्य सचिव से आग्रह किया है कि वे खुद इस मामले में दखल दें और अफसरों से इन आदेशों का पालन कराएं।

बाल संप्रेक्षण गृह से 8 अपचारी बालक फरार

महासमुंद। चोरी, आबकारी एक्ट, एनडीपीएस और दुष्कर्म सहित कई अन्य मामलों में लिप्त अपचारी बालकों के लिए बरोंडाबाजार स्थित बाल संप्रेक्षण गृह से 8 अपचारी बालक सोमवार तड़के फरार हो गए। पुलिस गश्ती दल ने रात दो से ढाई बजे के बीच दौरा किया उस दौरान सब कुछ सामान्य पाया। इसके बाद ही अपचारी बालक फरार हुए। प्रदेशभर में लगातार हो रही इस प्रकार की घटनाओं ने इन संप्रेक्षण गृहों के सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। साथ ही यहां पर सुरक्षा में तैनाती की कमी भी उजागर होकर सामने आ रही है।

प्रवासी मजदूरों की छह घंटे पहचान परेड, प. बंगाल के छह संदिग्ध मिले

आधारकार्ड तथा अन्य दस्तावेजों का मिलान नहीं होने पर अलग से पूछताछ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राष्ट्रीय सुरक्षा और अपराधों की रोकथाम को लेकर रायपुर ग्रामीण पुलिस ने सोमवार तड़के तीन बजे से सिलतरा थाना क्षेत्र में बड़े स्तर पर विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान औद्योगिक क्षेत्र में रहने वाले करीब 600 प्रवासी मजदूरों का सत्यापन किया गया। व

हीं 6 संदिग्ध मजदूरों को चिन्हित कर उनसे पूछताछ की गई। उनके दस्तावेजों और पहचान संबंधी जानकारी का सत्यापन किया जा रहा है। जिन आधा दर्जन संदिग्ध मजदूरों की पहचान की गई है, उनमें से ज्यादातर पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश सीमा से सटे शहरों के हैं। पुलिस अफसरों के अनुसार, उक्त अभियान एसपी ग्रामीण श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) एवं एसटीएफ के नोडल अधिकारी अभिषेक झा और एसडीओपी (माना) लम्बोदर पटेल के मार्गदर्शन में चलाया गया। पुलिस टीम ने सांकरा स्थित जेके वीडियो हॉल परिसर में किराए पर रहने वाले लगभग 600 प्रवासी मजदूरों का भौतिक सत्यापन किया। इस दौरान उनके पहचान पत्र, निवास संबंधी दस्तावेज और अन्य आवश्यक रिकॉर्ड की जांच कर जानकारी एकत्र की गई। औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले राज्य के दूसरे शहरों के मजदूरों का भी सत्यापन किया गया।

- छह सौ मजदूरों से पूछताछ, दस्तावेजों की जांच

मकान मालिकों को हिदायत

अभियान के दौरान पुलिस ने मकान मालिकों और परिसर प्रबंधन को किराए पर देने से पहले उनका पुलिस सत्यापन, आईडी कार्ड की जांच किए बगैर मकान किराए पर नहीं देने हिदायत दी है। साथ ही बाहरी व्यक्तियों के आने-जाने की सूचना समय-समय पर पुलिस को उपलब्ध कराने कहा गया, ताकि कानून व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिल सके।

एक संदिग्ध यूएई के बाद मजदूरी करने रायपुर पहुंचा

पुलिस ने पश्चिम बंगाल के जिन आधा दर्जन संदिग्ध मजदूरों की पहचान की है, उनमें से एक मजदूर के पास उनके मोबाइल में आईएमओ नंबर मिला है। इस नंबर के माध्यम से मजदूर वीडियो कॉल के माध्यम से अन्य लोगों के संपर्क में रहता था। पूछताछ में उसने बताया कि वह पूर्व में सऊदी में मजदूरी करता था। इस वजह से उसके पास आईएमओ नंबर है। आईएमओ नंबर के आधार पर पुलिस उस मजदूर की अलग से जांच कर रही है।

आधारकार्ड के साथ अन्य दस्तावेजों में गड़बड़ी

शेष अन्य जो पांच संदिग्ध मजदूर मिले हैं, उनके आधारकार्ड के साथ अन्य दस्तावेजों में गड़बड़ी पाई गई है। कई के आधारकार्ड में जो मोबाइल नंबर दर्ज है, वह किसी दूसरे के नाम से रजिस्टर्ड होना पाया गया। पूछताछ करने पर मजदूरों ने बताया कि मोबाइल नंबर बदलने के बाद उन लोगों ने अपने मोबाइल नंबर आधार से लिंक नहीं कराया। इस वजह से आधारकार्ड में उनका मोबाइल नंबर नहीं होना बताया। ऐसे लोगों की विस्तृत जानकारी जुटाने पुलिस संबंधित राज्य के पुलिस से संपर्क कर उन मजदूरों की वेरिफिकेशन करने की बात कह रही है। संदिग्ध मजदूरों के संबंध में पुलिस ने टोल फ्री नंबर 1800-233-1905 पर जानकारी देने की अपील की है।

किसानों को अपनी ही जमीन पहचानना हुआ मुश्किल

पैरी की बाढ़ ने उजाड़ी किसानों की दुनिया लहलहाते धान के खेत बने रेगिस्तान

गोरेलाल सिन्हा ▶▶ गरियाबंद

29 और 30 जुलाई को हुई भीषण बारिश के बाद पैरी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ ने कोपरा और तर्रा गांव के किसानों की वर्षों की मेहनत पर पानी फेर दिया। बाढ़ का पानी उतरने के बाद जो तस्वीर सामने आई, उसने हर किसी को झकझोर दिया। जहां कुछ दिन पहले तक धान की लहलहाती फसलें किसानों के सुनहरे भविष्य की उम्मीद थीं, वहां आज चारों ओर केवल रेत ही रेत नजर आ रही है। हालात इतने भयावह हैं कि कई किसान अपनी ही कृषि भूमि की पहचान नहीं कर पा रहे हैं।

बताया जा रहा है कि भारी बारिश के बाद सिकासार जलाशय से पानी छोड़े जाने के पश्चात पैरी नदी उफान पर आ गई। तेज बहाव के कारण तटबंध टूट गए और बाढ़ का पानी सीधे खेतों में घुस गया। पानी उतरने के बाद खेतों पर मोटी रेत की परत जम गई, जिससे सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि खेती योग्य नहीं रह गई। पैरी नदी में आई बाढ़ ने 150 एकड़ कृषि जमीन को निगल गया है। जब हरिभूमि की टीम बाढ़ प्रभावित कोपरा और तर्रा गांव पहुंची तो किसानों की आंखों में बेबसी और दर्द साफ दिखाई दिया। खेतों में खड़ी फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी थी और उपजाऊ मिट्टी की जगह रेत का विशाल मैदान नजर आ रहा था। किसानों का कहना है कि उन्होंने अपने जीवन में कभी ऐसी तबाही नहीं देखी।

कोपरा और तर्रा के 150 एकड़ से अधिक खेत बाढ़ और रेत की चपेट में

किसानों की प्रमुख मांगें

- किसानों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि फसल क्षति का तत्काल सर्वे कर उचित मुआवजा दिया जाए।
- खेतों में जमी रेत हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।
- पैरी नदी के टूटे तटबंध का स्थायी निर्माण कराया जाए ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदी दोबारा न हो।
- प्रभावित किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज घोषित किया जाए।

किसान बोले- फसल गई, अब खेती की जमीन भी छिन गई

150 एकड़ से अधिक कृषि भूमि प्रभावित

ग्राम पंचायत तर्रा के सरपंच प्रतिनिधि टुकेश साहू ने बताया कि तर्रा और कोपरा की सरहद से लगे क्षेत्र में 150 एकड़ से अधिक कृषि भूमि बाढ़ से प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि पंचायत किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और शासन-प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों से किसानों को न्याय दिलाने की मांग करेगी। आवश्यकता पड़ने पर किसानों के हित में आंदोलन भी किया जाएगा।

खेतों से रेत हटाई जाए तटबंध करें मजबूत

किसान नागेश सेन ने बताया कि वे लगभग तीन एकड़ भूमि में धान की खेती करते हैं। इस वर्ष अच्छी फसल की उम्मीद थी, लेकिन बाढ़ ने सब कुछ खत्म कर दिया। अब खेत इतनी रेत से पट गए हैं कि वे स्वयं अपनी जमीन की सीमाएं नहीं पहचान पा रहे हैं।

किसान नंदू तारक ने कहा कि उनके परिवार की आजीविका पूरी तरह खेती पर निर्भर है। फसल के साथ-साथ उनकी कृषि भूमि भी रेत में दब गई है। उन्होंने शासन से फसल क्षति का उचित मुआवजा देने और खेतों से रेत हटाने की विशेष योजना बनाने की मांग की।

ग्राम तर्रा के किसान रिपुसुदन निर्मलकर ने कहा कि खेती ही उनके परिवार का एकमात्र सहारा है। अब जब खेत ही रेत में दब गया है, तो पूरा परिवार गहरे सदमे में है और भविष्य की चिंता सता रही है।

स्मार्ट सिटी का काम दिलाने केके ने लिए 15 करोड़, इनमें से 3.40 करोड़ ही लौटाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

दिल्ली के कारोबारी अर्जुन सिंह रावत को 500 करोड़ रुपए का ठेका दिलाने का झांसा देकर 15 करोड़ रुपए की ठगी करने वाले कृष्ण कुमार श्रीवास्तव को लेकर ईडी ने महत्वपूर्ण खुलासा किया है।

गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में खुलासा हुआ है कि उसने दिल्ली के कारोबारी को ठगी की रकम में से महज 3.40 करोड़ रुपए ही लौटाए हैं। शेष ठगी की रकम केके द्वारा शेल कंपनियों के माध्यम से दुबई (यूएई), हांगकांग, चीन तथा सिंगापुर में स्थित लाभार्थियों को भेजी गई। दिल्ली की कंपनी मेसर्स रावत एसोसिएट्स के संचालक अर्जुन सिंह द्वारा केके श्रीवास्तव तथा उनके बेटे के खिलाफ वर्ष 2023 में तेलीबांधा थाने में दर्ज कराई गई एफआईआर के आधार पर ईडी ने केके को 30 जुलाई को गिरफ्तार किया। उसे पीएमएलए की स्पेशल कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने 7 अगस्त तक की पुलिस रिमांड हासिल की है। पूछताछ के दौरान केंद्रीय जांच एजेंसी को कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं।

- लौटाई गई राशि भी दूषित एवं लेयरिंग किए गए धन से एकत्रित करने के साक्ष्य मिले
- कारोबारी को झांसे में लेने परियोजना से संबंधित जाली दस्तावेज प्रस्तुत किए

शेल कंपनियों के माध्यम से निवेश

आगे की जांच में यह भी उजागर हुआ कि अपराध से अर्जित आय को केके ने शेल एवं अन्य संस्थाओं के एक नेटवर्क के माध्यम से तीव्र गति से लेयरिंग किया। केके ने ठगी की रकम को मालभाड़ा एवं कंटेनर लीजिंग जैसे काल्पनिक वाणिज्यिक विवरणों के आधार पर दुबई (यूएई), हांगकांग, चीन तथा सिंगापुर भेजा। पीड़ित को लौटाई गई 3.40 करोड़ रुपए की आंशिक राशि भी दूषित एवं लेयरिंग किए गए धन से एकत्रित की गई थी तथा उसे वास्तविक पुनर्भुगतान के रूप में प्रदर्शित किया गया। धोखाधड़ी से प्राप्त 11.60 करोड़ रुपए की राशि अब तक वापस नहीं की गई है।

एक अन्य कारोबारी से ठगी के प्रमाण मिले

केंद्रीय जांच एजेंसी ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया है कि अप्रैल 2025 में पीएमएलए की धारा 17 के अंतर्गत ली गई तलाशी कार्रवाई के दौरान मौद्रिक लेन-देन से संबंधित हस्तलिखित अभिलेख, एक व्यक्तिगत डायरी, संपत्ति संबंधी दस्तावेज तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद एवं जब्त किए गए। जांच में यह भी सामने आया कि कृष्ण कुमार ने एक अन्य कारोबारी के साथ धोखाधड़ी करने के लिए इसी प्रकार की कार्यप्रणाली अपनाई थी। जांच के दौरान कृष्ण कुमार ने टालमटोल एवं असहयोगपूर्ण रवैया अपनाते हुए महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया तथा अपराध से अर्जित आय के शोधन से संबंधित तथ्यों का खुलासा नहीं किया।

कारोबारी को झांसे में लेने फर्जी दस्तावेज

ईडी की जांच में यह खुलासा हुआ कि जून 2023 में कृष्ण कुमार श्रीवास्तव ने रावत एसोसिएट्स के मालिक को यह झूठा विश्वास दिलाया कि 500 करोड़ रुपए की लागत से रायपुर स्मार्ट सिटी परियोजना में उप-ठेका उपलब्ध है। इसके लिए केके ने 15 करोड़ रुपए परफॉर्मेंस सिक्योरिटी के रूप में कारोबारी को जमा कराने का झांसा दिया। अपनी धोखाधड़ी को विश्वसनीय बनाने के लिए उसने परियोजना से संबंधित जाली दस्तावेज प्रस्तुत किए। यह धनराशि पांच बैंक खातों में हस्तांतरित की गई, जिनका विवरण उसके एक कर्मचारी के नाम पर प्राप्त मोबाइल कनेक्शन से व्हाट्स एप के माध्यम से भेजा गया था। जांच में पता चला कि ये बैंक खाते कथित खाताधारकों की जानकारी के बिना छलपूर्वक खोले गए थे तथा पांचों संस्थाएं अपने पंजीकृत पते पर अस्तित्व में नहीं पाई गईं।

प्रदेशभर के पटवारी हड़ताल पर, पदोन्नति और वेतन विसंगति दूर करने उठाई मांग

- राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ के आव्हान पर सभी जिला मुख्यालयों में एक दिवसीय प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेशभर के पटवारी पदोन्नति और वेतन विसंगति दूर करने की मांग को लेकर सोमवार को हड़ताल पर रहे।राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ के आव्हान पर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में पटवारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए कलेक्टर को मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा।

दो सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशभर के पटवारियों ने शासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए एक दिवसीय प्रदर्शन कर अपने हक की आवाज बुलंद की। राजधानी रायपुर में कलेक्टोरेट परिसर में जिले के पटवारियों ने राजस्व निरीक्षक और नायब तहसीलदार के पद पर पदोन्नति व परीक्षा के माध्यम से 50-50 फीसदी स्थान देने के साथ ही पदोन्नति की मांग प्रमुखता से उठाई।पटवारी संघ के सदस्यों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में राजस्व निरीक्षकों की बहुत कमी है, हमारी मांग है कि वरिष्ठता और विभागीय परीक्षा के आधार पर उन्हें प्राथमिकता दी जाए। वर्ष 2013 के बाद से आज तक उनका प्रमोशन नहीं हुआ है। राजस्व पटवारी संघ के प्रांताध्यक्ष भागवत कश्यप के मुताबिक, पदोन्नति की प्रक्रिया वर्षों से लंबित रहने तथा वेतन निर्धारण में गंभीर विसंगतियों के कारण प्रदेश के पटवारियों में व्यापक रूप से असंतोष व्याप्त है। इन समस्याओं का सीधा प्रभाव कर्मचारियों के मनोबल, उनकी कार्यकुशलता और प्रशासनिक व्यवस्था पर पड़ रहा है।

डिजिटल मोर्चा मजबूत करने में जुटी कांग्रेस सोशल मीडिया टीम के गठन की प्रक्रिया शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने सोशल मीडिया टीम के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इंटरव्यू के जरिए डिजिटल टीम का चयन किया जा रहा है। आगामी चुनावी रणनीति को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस पार्टी अब डिजिटल मोर्चे को मजबूत करने में जुट गई है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस ने सोशल मीडिया टीम के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में सोशल मीडिया टीम के लिए इच्छुक प्रतिभागियों का इंटरव्यू लिया जा रहा है। राजीव भवन में शुरू हुई चयन प्रक्रिया इंटरव्यू में रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर, बस्तर और सरगुजा संभाग के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

- पांचों संभाग में डिजिटल टीम के लिए इंटरव्यू, जल्द होगी नियुक्ति

चयन प्रक्रिया के माध्यम से पार्टी प्रदेशभर में एक मजबूत और सक्रिय सोशल मीडिया नेटवर्क तैयार करना चाहती है। कांग्रेस का लक्ष्य सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी मौजूदगी को पहले से अधिक प्रभावी बनाना है। इसके लिए पार्टी ऐसे युवाओं को जोड़ रही है, जो कंटेंट क्रिएशन, ग्राफिक डिजाइन, वीडियो एडिटिंग, लेखन, सोशल मीडिया मैनेजमेंट और डिजिटल कम्युनिकेशन में दक्ष हों। पार्टी का मानना है कि बदलते दौर में राजनीतिक संवाद का बड़ा माध्यम सोशल मीडिया बन चुका है। ऐसे में मजबूत डिजिटल टीम संगठन की बातों को तेजी से लोगों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगी।

स्थानीय मुद्दों पर रहेगा फोकस

नई टीम का उद्देश्य केवल पार्टी के कार्यक्रमों का प्रचार करना नहीं होगा, बल्कि स्थानीय जनसमस्याओं, सरकारी योजनाओं, राजनीतिक घटनाक्रम और जनता से जुड़े मुद्दों को भी सोशल मीडिया के माध्यम से प्रमुखता से उठाना होगा। कांग्रेस का मानना है कि मजबूत डिजिटल नेटवर्क के जरिए संगठन आम लोगों तक अपनी बात अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचा सकेगा और राजनीतिक संवाद को नई गति मिलेगी।

रियायती टिकट के लिए रेलवे कार्यालय जाने की जरूरत नहीं, पोर्टल पर आवेदन देकर डाउनलोड कर सकेंगे कार्ड

दिव्यांग यात्रियों के लिए राहत, अब घर बैठे बनेगा रेलवे का ऑनलाइन आईडी कार्ड, मिलेगी किराए में रियायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेलमंडल ने दिव्यांग यात्रियों की सुविधा के लिए रियायती रेल टिकट से जुड़ी प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया है।

अब दिव्यांग यात्रियों को रेलवे कार्यालय के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। वे घर बैठे भारतीय रेलवे के आधिकारिक पोर्टल पर आवेदन कर दिव्यांग आईडी कार्ड बनवा सकेंगे और रियायती टिकट का लाभ आसानी से ले सकेंगे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सुगम यात्रा रेलवे की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में दिव्यांग-अनुकूल सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। नई ऑनलाइन व्यवस्था से दिव्यांगजन सम्मानजनक और सुविधाजनक तरीके से यात्रा कर सकेंगे।

रायपुर मंडल में बढ़ रहा ऑनलाइन आईडी कार्ड का उपयोग

रायपुर रेलमंडल में ऑनलाइन दिव्यांग आईडी कार्ड की संख्या लगातार बढ़ रही है। रेलवे के अनुसार वर्ष 2025 में 410 ऑनलाइन दिव्यांग आईडी कार्ड जारी किए गए थे। वहीं जुलाई 2026 तक 236 नए ऑनलाइन कार्ड जारी किए जा चुके हैं। रेलवे का कहना है कि डिजिटल सुविधा से अधिक से अधिक दिव्यांग यात्री लाभान्वित हो रहे हैं और भविष्य में भी यात्री सुविधाओं का विस्तार लगातार जारी रहेगा।

दिव्यांग यात्रियों को मिलेगी यह किराया रियायत

75 प्रतिशत किराया छूट – द्वितीय श्रेणी, स्लीपर और 3एसी में।
50 प्रतिशत किराया छूट – प्रथम वातानुकूलित (1एसी) और द्वितीय वातानुकूलित (2एसी) श्रेणी में।
25 प्रतिशत किराया छूट – राजधानी और शताब्दी एक्सप्रेस की सभी श्रेणियों में।
पात्र दिव्यांग यात्रियों के साथ यात्रा करने वाले एक सहचर (एस्कॉर्ट) को भी नियमानुसार समान किराया रियायत मिलेगी।

ऑनलाइन व्यवस्था शुरू होने से समय की बचत होगी

रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट **divyangjanid.indianrail.gov.in** पर आवेदन करते समय आवेदक को नाम, जन्मतिथि, चिकित्सक का विवरण और अन्य आवश्यक जानकारी भरनी होगी। इसके साथ दिव्यांगता प्रमाणपत्र, रियायत प्रमाणपत्र, निवास प्रमाणपत्र, जन्म प्रमाणपत्र और पहचानपत्र जैसी स्वप्रमाणित प्रतियां भी अपलोड करनी होंगी। आवेदन की प्रत्येक प्रक्रिया की जानकारी पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजी जाएगी। आवेदन स्वीकृत होने के बाद दिव्यांगजन अपना आईडी कार्ड ऑनलाइन डाउनलोड और प्रिंट भी कर सकेंगे। रेलवे ने बताया कि दृष्टिबाधित और अन्य पात्र दिव्यांग यात्रियों के लिए आवश्यक नए प्रारूप का रियायत प्रमाणपत्र भी इसी पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है। इसे जिला चिकित्सालय से प्रमाणित कर दोबारा पोर्टल पर अपलोड करना होगा। ऑनलाइन व्यवस्था शुरू होने से समय की बचत होगी और रियायती टिकट प्राप्त करने की प्रक्रिया पहले से अधिक सरल हो जाएगी।

प्रोबेशनरी आईएफएस अधिकारियों की पोस्टिंग, 5 वनमंडलों में मिली जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राज्य शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने 2024 बैच के भारतीय वन सेवा के प्रोबेशनरी अधिकारियों की प्रशिक्षण अवधि के लिए पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार 5 अधिकारियों को प्रदेश के अलग-अलग वनमंडलों में उप वनमंडलाधिकारी के पद पर ट्रेनिंग के लिए तैनात किया गया है।

- सभी अधिकारी संबंधित वनमंडलों में विशेष अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे

जारी आदेश के मुताबिक वर्तमान में प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय, नया रायपुर में प्रशिक्षणरत भारतीय वन सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को क्षेत्रीय अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न वनमंडलों में भेजा गया है। विभाग का उद्देश्य अधिकारियों को जमीनी स्तर पर वन प्रबंधन, संरक्षण और प्रशासनिक कार्यों का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना है।

इन अधिकारियों की पदस्थापना

कुनाल मिश्रा को सरगुजा वनमंडल के अंबिकापुर में उप वनमंडलाधिकारी, मृगजा जालिंदर यादव को प्रशिक्षण के लिए कटघोरा वनमंडल के कटघोरा में उप वनमंडलाधिकारी, परख सारडा को सुकमा वनमंडल के सुकमा में उप वनमंडलाधिकारी, प्रीति यादव को नारायणपुर वनमंडल के उत्तर नारायणपुर में उप वनमंडलाधिकारी, यशस्वी मौर्या को राजनांदगांव वनमंडल के राजनांदगांव में बतौर उप वनमंडलाधिकारी पदस्थ किया गया है।

बिलासपुर
मंगलवार 4 अगस्त 2026
श्रावण, कृष्ण पक्ष षष्ठी
वर्ष : 26, अंक : 134
पृष्ठ : 10+6+8 = 24 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 29.0
न्यून. 17.1

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से ज्ञानेश्वरी यादव ने मुलाकात की। इस अवसर पर डॉ. रमन ने शुभकामनाएं दी।

दिव्यांगजनों को मिला सहारा, दिए गए आधुनिक उपकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, किसी भी संवेदनशील और विकसित समाज की पहचान इस बात से होती है कि वहां प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर, सम्मान और आगे बढ़ने का अधिकार मिले। दिव्यांगजन समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उनकी प्रतिभा, क्षमता तथा आत्मविश्वास को सही अवसर उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। राज्य सरकार इसी सोच के साथ दिव्यांगजनों के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक ▶▶|शेष पेज 6 पर

मुख्यमंत्री ने कहा कि कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे प्रोजेक्ट धड़कन, दधीचि एवं वंदन जैसे प्रोजेक्ट

सीएम ने इंडोर स्टेडियम की मरम्मत, साज-सज्जा के लिए सात करोड़ देने का किया ऐलान

दिव्यांगजनों को कौशल प्रशिक्षण भी : खुशवंत

तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा, प्रोजेक्ट 'सहारा' केवल सहायक उपकरण वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, स्वावलंबन और सामाजिक समावेशन का अभियान है। उन्होंने कहा, डिजिटल इंडिया के इस दौर में राज्य सरकार आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों के माध्यम से दिव्यांगजनों को ▶▶| शेष पेज 6 पर

कॉमनवेल्थ की पदक विजेता ज्ञानेश्वरी बनीं डीएसपी, मिलेंगे 30 लाख रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल-2026 में महिला वर्ग की 53 किलोग्राम भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाली राजनांदगांव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव का मुख्यमंत्री निवास में आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। ▶▶|शेष पेज 6 पर

राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव का मुख्यमंत्री निवास में भव्य स्वागत

प्रदेश सरकार को इस बेटी पर गर्व : साय

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, प्रदेश सरकार को अपनी इस बेटी पर गर्व है। इसी भावना के साथ राज्य सरकार ने उन्हें आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति देने का निर्णय लिया है, ताकि उनकी उपलब्धि का सम्मान हो और प्रदेश के अन्य खिलाड़ी भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित हों।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

मोदी वीडियो : जुकरबर्ग को माफी मांगें : दुबे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वीडियो फेसबुक से हटाने के मामले में, संसद की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने सोमवार को कहा कि मेटा प्रमुख मार्क जुकरबर्ग को इस घटना के लिए व्यक्तिगत रूप से माफी मांगनी चाहिए, जबकि समिति के कई अन्य सदस्यों ने जवाबदेही तय कर कानूनी कार्रवाई की भी मांग की। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, समिति में शामिल विपक्षी दलों के सांसदों ने कहा कि सोशल मीडिया पर असहमति के लिए पर्याप्त गुंजाइश होनी चाहिए।

घर की छत गिरने से दंपति की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में एक मंजिला मकान की छत गिरने से एक दंपति की मौत हो गई। हालांकि, हादसे में एक बच्चे को सुरक्षित बचा लिया गया।

मृतकों की पहचान टिंकू (32) और उसकी पत्नी उर्मिला (30) के रूप में हुई है। घटना रविवार रात करीब 10 बजे न्यू उस्मानपुर थाना क्षेत्र के जेपी नगर में हुई। दंपति किराए के मकान में था तभी घर की छत अचानक ढह गयी जिससे वे मलबे में फंस गए।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक-युवती की मौत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में ओखला और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों के बीच ट्रेन की चपेट में आने से 23 वर्षीय युवक और एक युवती की मौत हो गई।

पुलिस को संदेह है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है। तलाशी के दौरान पुलिस को उस व्यक्ति की जेब से आधार कार्ड मिला, जिससे उसकी पहचान उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के निवासी सागर (23) के रूप में हुई।

लाल किला, कई स्कूलों को बम की धमकियां

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में लाल किला, महापौर कार्यालय और कई स्कूलों को सोमवार सुबह ईमेल के जरिए बम रखे होने की धमकियां मिलीं, जिसके बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि अब तक ली गई तलाशी के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। सुबह 9.07 बजे एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ, जिसके बाद दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ते, श्वान दस्ते और अग्निशमन सेवा की टीमें स्कूलों और ईमेल में उल्लिखित अन्य स्थानों पर पहुंचीं।

नीट पेपर लीक मामले में प्रदर्शनकारी छात्रों को सुप्रीम कोर्ट ने दी बड़ी राहत

छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ले सकती हैं राज्य सरकारें

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को स्पष्ट किया कि दिल्ली और अन्य राज्य सरकारें नीट पेपर लीक के विरोध प्रदर्शन में शामिल छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर बंद या वापस ले सकती हैं। हालांकि, यह राहत केवल उन छात्रों के लिए होगी जिनके खिलाफ गंभीर और जघन्य अपराधों से जुड़े आपराधिक मामले नहीं हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को स्पष्ट किया कि दिल्ली और अन्य राज्यों की सरकारें राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को बंद कर सकती हैं या उन्हें वापस ले सकती हैं, बशर्ते उनका गंभीर और जघन्य अपराधों का कोई 'आपराधिक रिकॉर्ड' नहीं हो।

■ पुलिस पिटाई के करीब 300 वीडियो कोर्ट को सौंपे गए

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि 'आपराधिक रिकॉर्ड' से आशय सिर्फ गंभीर और जघन्य अपराधों से है। मामले की सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शुरुआत में शीर्ष अदालत को बताया कि केंद्र सरकार प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ प्राथमिकी पर आगे नहीं बढ़ने की अपनी प्रतिबद्धता को लेकर गंभीर है, सिवाय उन छात्रों के जिनका आपराधिक रिकॉर्ड ▶▶|शेष पेज 6 पर

गंभीर और जघन्य अपराध से जुड़े मामले नहीं होंगे वापस

कोर्ट ने पहले यह टिप्पणी की थी

शीर्ष अदालत ने इससे पहले कहा था कि सिर्फ इसलिए पुलिस की ज्यादती या 'लाठीचार्ज' को सही नहीं ठहराया जा सकता कि कोई आंदोलन हो रहा है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार पूरी तरह से सुनिश्चित है। दिल्ली में 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के नेतृत्व में निकाले गए मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़पें हुई थीं। संसद की ओर बढ़ने की कोशिश कर रही भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षाकर्मियों ने लाठियों और आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया था।

केंद्र सरकार ने कोर्ट में क्या कहा?

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि केंद्र सरकार अपने उस रुख पर कायम है कि नीट प्रदर्शन में शामिल छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर आगे नहीं बढ़ाई जाएंगी। हालांकि, जिन लोगों का संबंध गंभीर और जघन्य अपराधों से जुड़े आपराधिक मामलों से है, उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस नहीं ली जाएंगी।

2700 पर दर्ज एफआईआर वापस नहीं होगी?

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि जिन लोगों का संबंध गंभीर और जघन्य अपराधों से जुड़े आपराधिक मामलों से है, ऐसे 2700 से अधिक लोगों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस नहीं लेने का फैसला किया गया है।

लगभग 300 वीडियो सौंपे गए

वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने अदालत में कहा कि प्रदर्शन के दौरान वकीलों के बच्चों तक के साथ मारपीट की गई। उन्होंने अदालत को बताया कि इस संबंध में लगभग 300 वीडियो सौंपे गए हैं। उन्होंने मांग की कि दिल्ली पुलिस आयुक्त और रैपिड एक्शन फोर्स के निदेशक से पूछा जाए कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज और पैलेट गन जैसे उपायों का इस्तेमाल क्यों किया। उनका यह भी कहना था कि कई ऐसे लोगों की पहचान की गई है जो वर्दी में नहीं थे, लेकिन पुलिस कार्रवाई में शामिल दिखाई दिए। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त को तय की है। इसी दिन मामले में आगे की सुनवाई होगी।

पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने की थी सख्त टिप्पणी

इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि केवल प्रदर्शन होने के आधार पर पुलिस की ज्यादती या लाठीचार्ज को उचित नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने यह भी दोहराया था कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का अधिकार पूरी तरह से संवैधानिक रूप से संरक्षित है।

हरिभूमि-आईएनएच का जिला संवाद 6 अगस्त को सक्ती में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सक्ती

छत्तीसगढ़ सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर हरिभूमि एवं आईएनएच के संयुक्त तत्वावधान में जिला संवाद का आयोजन 6 अगस्त गुरुवार को दोपहर 12 बजे से राधा कृष्ण मंदिर, सक्ती में किया जाएगा। आयोजन में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब सहित जनप्रतिनिधियों से प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी संवाद करेंगे। कार्यक्रम में जांजगीर लोकसभा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, पूर्व भाजपा प्रत्याशी चंद्रपुर श्रीमती संयोगिता सिंह जुदेव, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा कृष्णकांत चंद्रा, शक्ति जिलाध्यक्ष भाजपा टिकेश्वर गबेल, सभापति जिला पंचायत शक्ति आयुष शर्मा, पूर्व विधायक जैजैपुर केशव चंद्रा, पूर्व विधायक मालखरौदा निर्मल सिन्हा, प्रवक्ता कांग्रेस पं. दिगम्बर प्रसाद चौबे, जिला अध्यक्ष कांग्रेस शक्ति रश्मि गबेल, नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, पूर्व मंत्री नोबेल वर्मा, जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू, विधायक चंद्रपुर रामकुमार यादव, कलेक्टर अमृत विकास तोपनो, एसपी प्रफुल ठाकुर, सीईओ वाशु जैन, डा.श्याम चंद्रा, मुकेश बंसल, मांगेराम अग्रवाल, कंवलधर साहू, से जिले के विकास से जुड़े मुद्दों, ▶▶|शेष पेज 6 पर

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब सहित जनप्रतिनिधि होंगे शामिल

यूपीआई ने बनाया रिकॉर्ड

23.66 अरब के लेनदेन के साथ 29.88 लाख करोड़ का भुगतान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत के डिजिटल भुगतान तंत्र ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस ने जुलाई 2026 में अपने इतिहास का सर्वाधिक मासिक लेनदेन दर्ज किया। इस दौरान यूपीआई के माध्यम से 23.66 अरब डिजिटल लेनदेन हुए, जिनका कुल मूल्य 29.88 लाख करोड़ रुपये रहा। पीएमओ ने इसे भारत के डिजिटल भुगतान के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया।

दस वर्षों में डिजिटल क्रांति

11 अप्रैल 2016 को शुरू किया गया यूपीआई शुरुआती दौर में एक प्रयोग के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन दस वर्षों के भीतर इसने भारत की भुगतान प्रणाली को पूरी तरह बदल दिया। आज यह देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुका है। यूपीआई ने नकदी पर निर्भरता कम की है।

मंत्रियों को निशाना बनाने के पाक नेटवर्क का भंडाफोड़

जैश का तीसरा संदिग्ध गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल पुलिस ने सोमवार को जैश-ए-मोहम्मद के कथित गुर्गे हमीम मंडल के एक कथित सहयोगी को सोमवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने राज्य में मंत्रियों, उनके रिश्तेदारों तथा अन्य रसूखदार लोगों को निशाना बनाने वाले पाकिस्तान से जुड़े 'हनीट्रैप' नेटवर्क का खुलासा किया है। हावड़ा के बेलिलियस रोड से आदित्य सिंह की गिरफ्तारी के साथ इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। इस मामले में जांच जारी है।

मंत्री से मांगी थी रंगदारी

शहरी विकास राज्य मंत्री उमेश राय ने हाल में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि एक व्यक्ति ने उन्हें फोन करके पाकिस्तानी एजेंसी से संबंध होने का दावा करते हुए रंगदारी मांगी थी और उनके बेटे के अपहरण की धमकी दी थी। मंत्री ने पुलिस को यह भी बताया था कि कॉल करने वाले व्यक्ति ने उन्हें भाजपा कार्यालय की तस्वीरें भेजी थीं और परिसर पर हमले की चेतावनी दी थी। जांच आगे बढ़ने के दौरान जांचकर्ताओं को एक ऐसे सीमा पार 'हनीट्रैप' मॉड्यूल का पता चला, जिसके पाकिस्तान में मौजूद गैंगस्टर शहजाद भट्टी के सिंडिकेट और कथित आतंकी सहयोगियों से जुड़े होने का संदेह है।

कैटरिंग कंपनियों पर 5.13 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। ट्रेनों में भोजन की खराब गुणवत्ता और अस्वच्छ पेंट्री कार से जुड़ी शिकायतों की जांच के बाद सेवा प्रदाताओं पर पिछले तीन वर्षों में 5.13 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा को यह जानकारी दी। कांग्रेस सांसद चंद्रकांत हंडोरे ने प्रीमियम ट्रेनों में परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता का मुद्दा उठाते हुए पूछा था कि पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रीमियम और एक्सप्रेस ट्रेनों में खराब भोजन, अस्वच्छ पेंट्री कार और आतिथ्य सेवाओं में कमी से संबंधित कितनी शिकायतें मिलीं? हंडोरे ने यह भी जानना चाहा था कि संस्थागत रूप से अधिक शुल्क वसूलने आदि के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई?

राम मंदिर ट्रस्ट में बड़ा बदलाव

भैयाजी पालक पद से मुक्त नए संरक्षक की तलाश

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

अयोध्या के राम मंदिर में दाना चोरी की घटना के बाद से मची उथल-पुथल थम नहीं रही है। चंपतराय, डॉ. अनिल मिश्र और गोपाल राव के हटने के बाद अब संगठन संरक्षक के तौर पर राम मंदिर के पालक नियुक्त राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय पदाधिकारी भैयाजी जोशी भी दायित्व से मुक्त कर दिए गए हैं। सूत्रों की मानें तो पालक की जिम्मेदारी के लिए दूसरे बड़े और कद्दावर चेहरे की तलाश शुरू हो चुकी है।

ट्रस्ट की बैठकों में हमेशा शामिल होते रहे

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गठन और जमीन खरीद फरोख्त को लेकर हुए विवाद के बाद संघ नेतृत्व ने सर कार्यवाह पद से स्वास्थ्य कारणों से सेवामुक्त हुए भैयाजी जोशी को राम मंदिर का पालक नियुक्त कर उनका केंद्र लखनऊ तय किया था। इसके कारण वह प्रायः ट्रस्ट की बैठकों में शामिल होते थे।

ईपीएस-95 के दायरे में आने वाले पेंशनधारकों का ऐलान

न्यूनतम मासिक पेंशन 7500 की मांग पर कल देशभर में प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की पेंशन योजना ईपीएस-95 के दायरे में आने वाले पेंशनधारकों ने न्यूनतम पेंशन 7,500 रुपए मासिक किए जाने की मांग को लेकर पांच अगस्त को देशव्यापी प्रदर्शन का सोमवार को आह्वान किया। वर्तमान में कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत न्यूनतम मासिक पेंशन 1,000 रुपए है। यह व्यवस्था एक सितंबर, 2014 से लागू है। ईपीएस-95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति ने कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत न्यूनतम मासिक पेंशन 7,500 रुपए किए जाने, महंगाई भत्ता (डीए) देने के समर्थन में प्रदर्शन का आह्वान किया है।

देश में 81 लाख पेंशनधारक

समिति का कहना है कि कई साल से ज्ञापन देने, शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने और सरकार से अपील करने के बावजूद इस संबंध में कोई सार्थक नीतिगत फैसला नहीं लिया गया है। राउत ने कहा कि ईपीएस-95 के करीब 81 लाख पेंशनधारक पिछले एक दशक से अधिक समय से इन मांगों को उठा रहे हैं।

केवल 1,171 रुपए मासिक पेंशन

बड़ी संख्या में ईपीएस-95 पेंशनधारकों को औसतन केवल 1,171 रुपए मासिक पेंशन मिलती है, जो मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों में जीवन-यापन के लिए अपर्याप्त है। देश के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास में दशकों तक योगदान देने वाले श्रमिक ऐसी सेवानिवृत्ति आय के हकदार हैं जिससे उन्हें आर्थिक सुरक्षा तथा सम्मानजनक जीवन मिल सके।

महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में पूर्व सांसद बृजभूषण बरी

कुश्ती संघ की कुर्सी गई, राजनीति में हाशिए पर, अब राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न के मामले में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और सह-आरोपी विनोद तोमर को बरी कर दिया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) अश्विनी पंवार ने इस मामले में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह और

■ दिल्ली की अदालत का फैसला

बंद कमरे में हुई सुनवाई

मामले की सुनवाई बंद कमरे में हुई और मीडिया को अदालत कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं थी। आदेश सुनाए जाने के तुरंत बाद सिंह के वकील ने अदालत के बाहर पत्रकारों को संबोधित करते हुए उनको बरी किए जाने की पुष्टि की।

क्या है मामला

यह मामला अप्रैल 2023 का है, जब ओलंपियन खिलाड़ियों सहित कई महिला पहलवानों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन शुरू किया था। उन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ के तत्कालीन अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सात महिला पहलवानों की याचिका पर संज्ञान लिया, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज कीं।

डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव तोमर को बरी कर दिया। पत्रकारों से बातचीत में बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि अदालत ने उन्हें और विनोद तोमर को 'बाइज्जत बरी' किया है। उन्होंने कहा, पहले ही दिन मैंने कहा था कि यदि मेरे खिलाफ लगाया गया कोई भी आरोप साबित हो जाए तो मैं खुद फांसी पर लटक जाऊंगा। अब अदालत ने मुझे बाइज्जत बरी कर दिया है। मैं खुश हूं और अपने वकीलों का आभारी हूं। भाजपा सांसद रह चुके सिंह ने कहा, फिलहाल मैं इतना ही कह सकता हूं।

चिंतन

उपचुनाव में हार भाजपा के लिए आत्ममंथन का समय

उपचुनाव के नतीजे भले ही तीन विधानसभा सीटों तक सीमित हों, लेकिन इनके राजनीतिक संकेत इससे कहीं बड़े हैं। बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन सीटों में से भाजपा को दो पर हार का सामना करना पड़ा है। गुजरात के मंजलपुर में पार्टी की जीत जरूर राहत देने वाली है, लेकिन बिहार की बांकीपुर और मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर मिली हार पर भाजपा को आत्ममंथन की जरूरत है। बिहार की बांकीपुर सीट भाजपा के लिए लंबे समय से मजबूत गढ़ रही है। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन यहां से लगातार पांच बार विधायक रहे। उनके राज्यसभा जाने के बाद हुए उपचुनाव में पार्टी को पूरी उम्मीद थी कि उसका यह किला सुरक्षित रहेगा। खुद नवीन का यह कहना कि बांकीपुर से किसी को भी खड़ा कर दिया जाए, जीत तय है, पार्टी के आत्मविश्वास को दिखाता था, लेकिन जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने इस किले में सेंध लगा दी। इससे भी बड़ी बात यह है कि राष्ट्रीय जनता दल की उम्मीदवार रेखा गुप्ता तीसरे स्थान पर रहीं। यानी मुकाबले ने परंपरागत भाजपा बनाम आरजेडी समीकरण से बाहर निकलकर एक नया राजनीतिक संदेश दिया है। सवाल केवल बांकीपुर हारने का नहीं है। सवाल यह है कि क्या भाजपा अपने पुराने संगठनात्मक प्रभाव और पारंपरिक वोट बैंक के भरोसे जरूरत से ज्यादा आश्वस्त हो गई थी? बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार लंबे समय तक प्रशासनिक अनुभव और राज्य के बारीक समीकरणों को साधने वाले नेता रहे हैं। अब सत्ता के समीकरण बदलने के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सामने अपनी राजनीतिक पकड़ और प्रशासनिक स्वीकार्यता साबित करने की चुनौती है। बांकीपुर का परिणाम इस चुनौती की ओर संकेत करता है। वहीं, मध्य प्रदेश की दतिया सीट का परिणाम तो भाजपा के लिए और भी असहज करने वाला है। पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा इस सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी में थे और टिकट के दावेदार भी थे। इसके बावजूद पार्टी ने उन्हें मैदान में नहीं उतारा और आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया। नतीजा यह रहा कि कांग्रेस ने सीट जीत ली। यहां एक और सवाल मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व से जुड़ता है। शिवराज सिंह चौहान के लंबे कार्यकाल में भाजपा ने जिस तरह संगठन, सरकार और जनता के बीच संवाद का तंत्र विकसित किया था, उसे बनाए रखना अब मोहन यादव सरकार की बड़ी चुनौती है। नेतृत्व बदलने के बाद जनता का मूड और संगठन की जमीन समझना आसान नहीं होता। उपचुनाव अक्सर इसी परीक्षा का पहला परिणाम देते हैं। इन नतीजों के बीच जेन जी आंदोलन के संभावित प्रभाव को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नई पीढ़ी के मतदाताओं के मुद्दे, बेरोजगारी, अवसर, शासन और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे सवाल अब चुनावी विमर्श को तेजी से प्रभावित कर रहे हैं। भाजपा को यह समझना होगा कि युवा मतदाता केवल पुराने राजनीतिक समीकरणों के आधार पर वोट नहीं करता। चुनाव में संगठन जितना महत्वपूर्ण है, सही उम्मीदवार उतना ही निर्णायक होता है। दतिया में टिकट चयन पर उठे सवाल भाजपा को यह सोचने पर मजबूर करेंगे कि जमीनी लोकप्रियता और संगठन की पसंद के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। उपचुनाव सत्ता बदलने का जनादेश नहीं होते, लेकिन वे जनता के बदलते मिजाज की घंटी जरूर बजाते हैं। भाजपा के लिए संदेश साफ है गढ़ हमेशा के लिए गढ़ नहीं रहते, संगठन हमेशा चुनाव नहीं जिताता और पुराना समीकरण हमेशा काम नहीं करता।

जेन-जी आंदोलन की दशा और दिशा

विचार
डॉ. संजय शुक्ला

युवा ही किसी देश और समाज के राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक बदलाव के ध्वज वाहक होते हैं। इन दिनों देश में जेन- जी यानि वह पीढ़ी जिनका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ है वह चर्चा के केंद्र में है। डिजिटल मीडिया के संग पली-बढ़ी इस पीढ़ी की रफ्तार काफी तेज है लेकिन इस दौड़ में उनका काफी कुछ पीछे छूट रहा है। दो मिनट में फटाफट 'मैगी' वाली इस पीढ़ी को किसी जानकारी के लिए किताब के पन्ने उलटने या दिमाग पर जोर लगाने की बजाय 'गूगल' करना सुकून पहुंचाता है। आज की पीढ़ी किसी उलझन से उबरने के लिए तरकीब सोचने की जगह तुरंत 'चैटबॉट' को अपनी समस्या सौंप देता है। इस इंस्टेंट पीढ़ी के लाइफ में रिलेशनशिप और ब्रेकअप भी फटाफट है।यह वह जेनरेशन है जो सड़कों पर लंबा संघर्ष की बजाय सोशल मीडिया पर रील्स और मीम्स के जरिए अपनी आवाज को सत्ता प्रतिष्ठान तक पहुंचाने का माद्दा रखता है। सत्ता से सवाल पूछने का जेन - जी की अपनी भाषा और अपना नजरिया है जिसने आंदोलनों के स्वरूप को बदल कर रख दिया है।

गौरतलब है कि डिजिटल मीडिया पर कुछ दिनों पहले बनी कॉकरोच जनता पार्टी 'सीजेपी' के अगुवाई में दिल्ली में हाल में नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए हालिया प्रोटेस्ट को लेकर राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में बहस- मुबाहिसों का दौर जारी है। जेन- जी के इस आंदोलन में मीम्स और कार्टून की रफ्तार इतनी तेज थी कि इसने तमाम मर्यादाओं को रौंद डाला। प्रोटेस्ट में शामिल अनेक गर्ल्स प्रोटेस्टर्स ने प्रधानमंत्री और शिक्षामंत्री के खिलाफ अत्यंत अश्लील और अभद्र भाषाओं का इस्तेमाल किया जिसे सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस प्रोटेस्ट में धार्मिक और जातिगत नारे भी लगे जिसके चलते विवाद की स्थितियां बनी। कुछ प्रदर्शनकारियों ने भारत में बांग्लादेश और नेपाल जैसे हालात पैदा करने की चेतावनी दी जो अराजकता का परिचायक था। कुछेक प्रोटेस्टर्स को देश के टुकड़े - टुकड़े करने की दंभोक्ति करते हुए भी देखा गया। बेशक चंद युवाओं के इस बदजुबानी के लिए कुछ लोग जिम्मेदार हैं जो देश के जेन ज़ी को लगातार नेपाल और बांग्लादेश की तरह सड़कों पर उतरने के लिए उकसाते रहे हैं। इधर सोशल मीडिया पर कुछ यूट्यूबर्स, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, पत्रकार, लेखक - लेखिका और एक्टिविस्ट इन बदजुबान प्रोटेस्टर्स की भाषा और हरकतों को 'जस्टिफाई' करने में जुटे हैं लेकिन यह हर लिहाज से अस्वीकार्य है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता से असहमति और आंदोलन लोगों का मौलिक अधिकार है लेकिन प्रतिरोध की भाषा कभी भी अभद्र और हिंसात्मक नहीं हो सकती।

बहरहाल 'सीजेपी' का एक महीने से ज्यादा चला यह आंदोलन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खत्म हो चुका है लेकिन इस प्रोटेस्ट ने जहां सत्ता की जड़ता को खत्म किया है वहीं सरकार को नयी पीढ़ी के साथ संवाद के लिए भी मजबूर किया है। दरअसल यह आंदोलन सिर्फ पेपर लीक को ही लेकर नहीं था बल्कि युवाओं के उन सवालों को लेकर भी था जिस पर सरकार और विपक्ष लगातार आंखें मूंदे हुए थी। जंतर-मंतर पर हुए इस प्रोटेस्ट के बाद सोशल मीडिया में यह भी बहस छिड़ी कि जिस आंदोलन को विपक्षी दलों को बहुत पहले करना था उसे सोशल मीडिया पर कुछ हफ्ते पहले पैदा हुई एक व्यंग्यात्मक पार्टी ने कर दिखाया। यह एक ऐसा आंदोलन था जिससे लोग स्व-स्फूर्त जुड़ते गए और सफलता के मुकाम तक पहुंच गया। बेशक यह सदियों पुरानी बनी राजनीतिक पार्टियों के लिए चिंतन का विषय है। हालिया परिदृश्य को देखें तो इसमें दोराय नहीं है कि आम छात्र और युवा दाखिला परीक्षाओं से लेकर नौकरी के लिए ली जाने वाली भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और धांधलियों से बहुत ज्यादा आक्रोशित हैं। विडंबना है कि बीते सात सालों के दौरान 15 राज्यों में 70 से अधिक परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं फलस्वरूप 41 भर्ती परीक्षाओं को रद्द करना पड़ा है। पर्चे फूटने की घटनाओं में नौकरी भर्ती परीक्षाओं के साथ ही बोर्ड परीक्षाएं भी शामिल हैं जिसका असर 1.7 करोड़ अभ्यर्थियों पर पड़ा।

अलबत्ता छात्रों और युवाओं के गुस्से का ही नतीजा था कि केंद्र सरकार ने चालू संसद सत्र में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 2024 में आवश्यक संशोधन करते हुए जहां लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 2024 में आवश्यक संशोधन करते हुए पेपर लीक मामलों की त्वरित और समयबद्ध सुनवाई के फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का फैसला लिया है वहीं इसमें दोषियों को अधिकतम 10 साल की सजा और 10 करोड़ जुर्माने का प्रावधान है। फास्ट ट्रैक कोर्ट में चार्जशीट दाखिल होने के तीन महीने के भीतर फैसला होना अनिवार्य किया गया है। राष्ट्रपति के मंजूरी के बाद यह कानून लागू हो गया है। इसके अलावा सरकार ने शिक्षा और परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में छह सदस्यीय उच्च स्तरीय टास्क फोर्स कमेटी का गठन किया है। इस समिति का मुख्य उद्देश्य परीक्षा प्रणाली को फूल प्रूफ बनाने के साथ ही परीक्षाओं को पारदर्शी व तकनीक आधारित बनाने की है।

विचारणीय है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले देश में कोई भी आंदोलन गैर राजनीतिक नहीं हो सकता। बात हालिया 'सीजेपी' के प्रोटेस्ट की करें तो पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने गैर राजनीतिक बताया था लेकिन बाद में आंदोलन की दिशा राजनीतिक हो गई। सत्ता प्रतिष्ठान ने शुरुआत में इस प्रदर्शन को काफी हल्के में लिया लेकिन पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के भूख हड़ताल और पुलिस द्वारा उन्हें जबरिया अस्पताल में भर्ती करने के बाद यह आंदोलन देश के हर हिस्से में पहुंच गया। 'सीजेपी' के 20 जुलाई को दिल्ली में छात्रों और युवाओं के 'चलो संसद मार्च ' के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिसिया लाठी चार्ज और अश्रुगैस छोड़ने की घटना ने आग में घी का काम किया।

बहरहाल यह आंदोलन इक्कीसवीं सदी में हुए 2011और 2012 में हुए अन्ना आंदोलन और निर्भया आंदोलन के लिहाज से अलग तेवर लिए हुए था। भारत में सोशल मीडिया ने राजनीति और आंदोलन के क्षेत्र में पहली बार दस्तक 2009 के आम चुनाव के आसपास दी लेकिन 2011 और 2012 में हुए अन्ना और निर्भया आंदोलन में इसने अपना असर दिखाना शुरू किया। इन दोनों आंदोलन को अंजाम तक पहुंचाने में मुख्य भूमिका छात्रों और युवाओं की रही तथा उन्होंने सोशल मीडिया का सफल प्रयोग आंदोलनों में किया। युवाओं ने फेसबुक और ट्विटर के जरिए अन्ना के अनशन और निर्भया के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के आक्रोश और पीड़ा को देश और दुनिया तक पहुंचाया। युवाओं के नवाचार का ही प्रभाव था कि लोगों ने पहली बार सरकारी नीतियों और राजनेताओं की सार्वजनिक आलोचना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर की जिसने एक मजबूत राजनीतिक नरेटिव तैयार किया। सोशल मीडिया से बने इस नरेटिव का ही असर था कि साल 2014 के आम चुनाव में यूपीए को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। देश ने इसी तरह का आंदोलन 1974 में सुप्रसिद्ध सर्वोदय नेता जयप्रकाश नारायण 'जेपी' के अगुवाई में हुए छात्रों और युवाओं के आंदोलन के दौर में भी देखा था।

आंकड़ों के मुताबिक अगले आम चुनाव में 18 से 32 वर्ष की पीढ़ी की भागीदारी 25 फीसदी होगी यानी हर चौथा वोटर जेन-जी होगा। राजनीतिक पंडितों की मानें तो अगला चुनाव अब धर्म, जाति और लैंगिक तुष्टिकरण के आधार पर नहीं बल्कि शिक्षा, रोजगार, भर्ती परीक्षाओं की पारदर्शिता और सरकार के प्रदर्शन और जवाबदेही पर निर्भर करेगी। नयी पीढ़ी के वोटर्स को अब पारंपरिक रैलियों और लच्छेदार भाषणों से लुभाया नहीं जा सकता बल्कि अब सोशल मीडिया, शार्ट वीडियो, पॉडकास्ट, इन्फ्लुएंसर्स नेटवर्क के जरिए संवाद करना होगा। सियासत में डिजिटल क्रांति के चलते ही अब तमाम राजनीतिक दलों ने सोशल मीडिया में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' के जरिए युवाओं से संवाद कर रहे हैं वहीं राजनीतिक दल भी युवाओं के लिए डिजिटल टीम, सोशल मीडिया कंटेंट और पॉडकास्ट इन्फ्लुएंसर्स बनाने में जुट गए हैं। सियासी दलों को इन तरकीबों के अलावा जेन - जी को राजनीति में भी हिस्सेदारी देनी होगी क्योंकि अब उन्हें केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

आर्थिकी

ऋषभ मिश्रा

भविष्य की मुद्रा व्यवस्था और भारत का पॉलीमर प्रयोग

भारत की अर्थव्यवस्था आज एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जहां एक ओर डिजिटल भुगतान क्रांति अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर नकदी का महत्व भी कम नहीं हुआ है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने भुगतान प्रणाली को सरल, त्वरित और सर्वसुलभ बनाया है, लेकिन इसके बावजूद देश में नकदी की मांग लगातार बढ़ रही है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2026 तक प्रचलन में मुद्रा का मूल्य लगभग 41.23 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 12 प्रतिशत अधिक है। मुद्रा-से-जीडीपी अनुपात भी बढ़कर 12.1 प्रतिशत हो गया है। यह तथ्य स्पष्ट संकेत देता है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार के बावजूद नकदी भारतीय आर्थिक व्यवस्था की एक मजबूत आवश्यकता बनी हुई है। ऐसे समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पॉलीमर अथवा प्लास्टिक नोटों को अपनाने की दिशा में बढ़ाया गया कदम अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल) ने ओपेसिफाइड पॉलीमर सब्सट्रेट शीटों की आपूर्ति के लिए वैश्विक निविदाएं आमंत्रित की हैं। यह केवल एक तकनीकी प्रक्रिया नहीं, बल्कि भारतीय मुद्रा व्यवस्था में संभावित ऐतिहासिक परिवर्तन का संकेत है। यदि यह योजना सफल होती है तो आने वाले वर्षों में भारतीय मुद्रा की संरचना, सुरक्षा और टिकाऊपन में व्यापक बदलाव देखने को मिल सकता है। वस्तुतः भारत में नकदी का उपयोग केवल भुगतान का माध्यम नहीं है, बल्कि आर्थिक विश्वास और सामाजिक व्यवहार का हिस्सा भी है। ग्रामीण क्षेत्रों, छोटे व्यापारियों, कृषि क्षेत्र तथा असंगठित अर्थव्यवस्था में आज भी नकदी प्रमुख भूमिका निभाती है। देश की विशाल आबादी का एक बड़ा वर्ग अभी भी नकद लेन-देन को अधिक सहज और विश्वसनीय मानता है। नकदी की बढ़ती मांग के साथ नोटों की छपाई और रख-रखाव पर होने वाला व्यय भी लगातार बढ़ता रहा है। हर वर्ष बड़ी संख्या में नोट फटने, गंदे होने, नमी से खराब होने तथा अत्यधिक उपयोग के कारण अनुपयोगी हो जाते हैं। इन नोटों को बदलने के लिए नए नोट छापने पड़ते हैं, जिससे सरकार और आरबीआई पर भारी वित्तीय बोझ पड़ता है। भारत जैसे विशाल देश में जहां अरबों नोट प्रचलन में हैं, वहां मुद्रा की टिकाऊपन बढ़ाना आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण विषय बन जाता है। इसी संदर्भ में पॉलीमर नोट एक प्रभावी विकल्प के रूप में सामने आए हैं। गौरतलब है कि पॉलीमर नोट विशेष प्रकार के प्लास्टिक आधारित पदार्थ से निर्मित किए जाते हैं। सामान्य कागजी नोट जहां कपास आधारित विशेष कागज से बनाए जाते हैं, वहीं पॉलीमर नोट अत्यधिक मजबूत और लचीले प्लास्टिक सब्सट्रेट पर मुद्रित होते हैं। इनकी सबसे बड़ी विशेषता इनकी दीर्घायु है। विशेषज्ञों के अनुसार पॉलीमर नोटों की आयु पारंपरिक कागजी नोटों की तुलना में दो से चार गुना अधिक होती है। ये पानी, नमी, धूल, तेल, पसीने तथा बार-बार मोड़े जाने से अपेक्षाकृत कम प्रभावित होते हैं। भारत की जलवायु परिस्थितियों को देखते हुए यह विशेषता और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। देश के अधिकांश हिस्सों में गर्मी, आर्द्रता, मानसून और धूल जैसी परिस्थितियां सामान्य हैं। ऐसे वातावरण में कागजी नोट अपेक्षाकृत जल्दी खराब हो जाते हैं। पॉलीमर नोट इस समस्या का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके साथ ही पॉलीमर नोटों का दूसरा महत्वपूर्ण लाभ सुरक्षा से जुड़ा है। नकली मुद्रा भारत की आर्थिक सुरक्षा के लिए लंबे समय से एक चुनौती रही है। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025-26 के दौरान बैंकिंग प्रणाली में लगभग 2.3 लाख नकली नोटों की पहचान की गई थी। यद्यपि यह संख्या कुल प्रचलित नोटों की तुलना में बहुत कम है, फिर भी इसका राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय सुरक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। पॉलीमर नोटों में ऐसे कई उन्नत सुरक्षा फीचर जोड़े जा सकते हैं जिनकी नकल करना अत्यंत कठिन होता है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम जैसे देशों के अनुभव बताते हैं कि पॉलीमर नोटों के प्रचलन से नकली मुद्रा के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है। यदि आरबीआई और सरकार चरणबद्ध तरीके से इस योजना को लागू करते हैं, तो भारत भी उन अग्रणी देशों की श्रेणी में शामिल हो सकता है जिन्होंने अपनी मुद्रा प्रणाली को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सफलतापूर्वक रूपांतरित किया है। निस्संदेह, प्लास्टिक नोट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए केवल एक नया प्रयोग नहीं, बल्कि वित्तीय आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध हो सकते हैं

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश को मिला है देवता का दर्जा

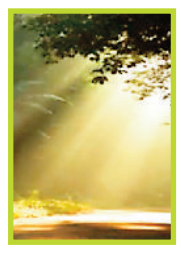

संकलित
दर्शन

प्रदूषण की विनाशलीला को देखते हुए भारतीय ऋषियों ने कदम-कदम पर मानव को सजग किया है। चूंकि मनुष्य पंचमहाभूतों का समन्वय रूप है इसलिए सबसे पहले आध्यात्मिक महापुरुषों ने इसे जन्म से लेकर मृत्यु तक के अलग-अलग संस्कारों के साथ जोड़ दिया, ताकि मां के गर्भ में आने से लेकर सौ वर्ष तक वह अदैन्य भाव में जी सके। सबसे पहले भारतीय ऋषियों ने वसुधैव कुटुंबकम की जो परिकल्पना की, उसमें नख से लेकर शिख तक पूरा शरीर एक वसुधा (धरती) के समान है। शरीर के किसी भी हिस्से में तकलीफ है तो यह शरीर रूपी विश्व को प्रभावित करेगी। इसके अलावा मनुष्य के जीने के जितने भी स्नेत हैं, वे सभी कुटुंब के सदस्यों की तरह हैं। जिसे 'क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा, पंच रचित यह अधम शरीरा' से समझा जा सकता है। शरीर का आंतरिक हिस्सा चूंकि अधम है इसलिए वाह्य प्रकृति से उत्तमोत्तम पदार्थ ग्रहण कर उसके स्वरूप को और अधिक विकृत होने से बचाया जाना नितांत जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश सबको देवता का दर्जा दिया गया। द्वापर युग के महानायक भगवान श्रीकृष्ण का पूरा जीवन ही प्रदूषण के खिलाफ संघर्ष और जन जागरण का है। उम्र की परवाह न कर वह यमुना के प्रदूषित तत्व कालिया नाग का वध, प्रदूषित अग्नि लगाने वाले प्रलंबासुर का वध, अंतरिक्ष को शुद्ध करने के लिए व्योमासुर का वध, धरती की शुद्धता के लिए गो पालन करते हैं। त्रेता युग में रावण ने भी खर और दूषण नामक पर्यावरण-शत्रु तैनात किया था।

जगत में सबसे सुंदर कौन

संकलित
प्रेरणा

एक कौआ सोचने लगा कि पंछियों में मैं सबसे ज्यादा कुरूप हूं। न तो मेरी आवाज ही अच्छी है, न ही मेरे पंख सुंदर हैं। मैं काला-कलूटा हूँ। ऐसा सोचने से उसके अंदर हीन भावना भरने लगी और वह दुःखी रहने लगा। एक दिन एक बगुले ने उसे उदास देखा तो उसकी उदासी का कारण पूछा। कौवे ने कहाः तुम कितने सुंदर हो, गोरे-चिट्टे हो, मैं तो बिल्कुल स्याह वर्ण का हूँ। मेरा तो जीना ही बेकार है। बगुला बोला- दोस्त मैं कहां सुंदर हूं। मैं जब तोते को देखता हूं, तो यही सोचता हूं कि मेरे पास हरे पंख और लाल चोंच क्यों नहीं है। अब कौए में सुन्दरता को जानने की उत्सुकता बढ़ी। वह तोते के पास गया। बोला- तुम इतने सुन्दर हो, तुम तो बहुत खुश होते होगे? तोता बोला- खुश तो था लेकिन जब मैंने मोर को देखा, तब से बहुत दुःखी हूं, क्योंकि वह बहुत सुन्दर होता है। कौआ मोर को ढूंढने लगा, लेकिन जंगल में कहीं मोर नहीं मिला। जंगल के पक्षियों ने बताया कि सारे मोर चिड़ियाघर वाले पकड़ कर ले गए हैं। कौआ चिड़ियाघर गया, वहां एक पिंजरे में बंद मोर से जब उसकी सुंदरता की बात की, तो मोर रोने लगा। मोर बोला- शुक्र मनाओ कि तुम सुंदर नहीं हो, तभी आजादी से घूम रहे हो वरना मेरी तरह किसी पिंजरे में बंद होते। दूसरों से तुलना करके दुःखी होना बुद्धिमानी नहीं, असली सुन्दरता हमारे अच्छे कार्यों से आती है।

अंतर्मन

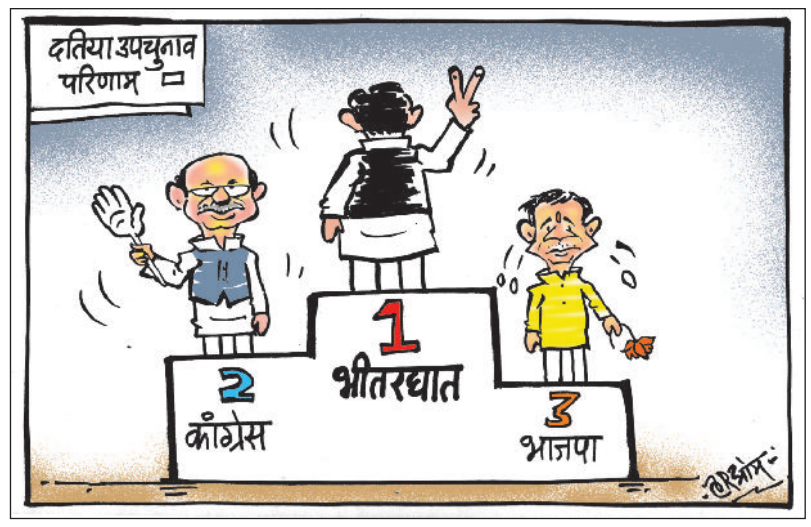

आज की पाती

साइबर सुरक्षा के लिए जनचेतना जरूरी

आज हमारे देश में साइबर फ्रॉड के मामले बहुत बढ़ गए हैं। इसके लिए जागरूकता अभियान बहुत जरूरी है। साइबर सुरक्षा के लिए इन बातों पर ध्यान रखना जरूरी है। एसएमएस या व्हाट्सएप पर आए किसी भी अनजान लिंक को न खोलें। किसी को भी ओटीपी या अपने इंटरनेट बैंकिंग की डिटेल न दें। केवाईसी के नाम पर भी साइबर फ्रॉड हो सकता है। इसके लिए बैंक से संपर्क करें। आजकल तो ई-चालान, बिजली बिल भरने के नाम पर धोखाधड़ी के मैसेज आ रहे हैं, इनसे भी सावधान रहें। अपने नेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग के पासवर्ड और पिन बदलते रहें। हालांकि सरकार ने साइबर धोखाधड़ी से बचने के अनेक उपाय किए हैं, लेकिन समूह समाज को भी सचेत रहना होगा।

- प्रशांत शुक्ला, भिलाई

नशामुक्त यूथ, नशामुक्त विकसित भारत

युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। यदि युवा स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त होंगे, तभी भारत एक सशक्त, समृद्ध और विकसित राष्ट्र बन सकेगा।' आज भारत विश्व का सबसे युवा देशों में से एक है। करोड़ों युवा अपने सपनों को साकार करने के लिए शिक्षा, रोजगार, खेल, विज्ञान और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। लेकिन दूसरी ओर नशे की बढ़ती प्रवृत्ति समाज और राष्ट्र के सामने एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। नशा केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, समाज और पूरे देश को प्रभावित करता है। सिगरेट, तंबाकू, शराब, गुटखा, ई-सिगरेट तथा अन्य नशीले पदार्थ धीरे-धीरे शरीर को कमजोर करते हैं, मानसिक क्षमता को कम करते हैं और व्यक्ति के आत्मविश्वास तथा निर्णय लेने की शक्ति को प्रभावित करते हैं। 'हमारे पास संगी मितान नशा मुक्ति केंद्र' में ऐसे गंभीर नशे से पीड़ित बच्चे युवा आतें हैं कि नशे की लत उनकी पढ़ाई छूटने, बेरोजगारी, आर्थिक संकट, अपराध और पारिवारिक विघटन का कारण भी बन जाती है। इस प्रक्रिया में प्रभावित मरीजों के नजरों में जो उसे नशा छोड़ने की बात करते है वहीं उनके सबसे बड़े दुश्मन बन जाते हैं।

कॉलेज और युवा अवस्था जीवन का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। इसी समय भविष्य की नींव रखी जाती है। दुर्भाग्य से कुछ युवा फैशन, जिज्ञासा, तनाव या दोस्तों के दबाव में नशे की शुरुआत कर देते हैं। यह एक छोटी-सी गलती जीवनभर का पछतावा बन सकती है। इसलिए हर युवा को यह समझना होगा कि नशा आधुनिकता नहीं, बल्कि आत्मविनाश की शुरुआत है। अपने परिजनों एवं अन्य माननीय जो आपके शुभचिंतक हैं उनकी बातों पर शांति से सोच समझकर अपनी गलतियों पर तत्काल रोक लगायें अन्यथा वर्तमान आपका भविष्य बर्बाद कर देगा। नशामुक्त जीवन का अर्थ केवल नशे से दूर रहना नहीं है, बल्कि सकारात्मक सोच, अनुशासन, स्वस्थ जीवनशैली और जिम्मेदार नागरिक बनना भी है। नियमित व्यायाम, खेल, योग, ध्यान, पुस्तक पढ़ना, सामाजिक सेवा, परिवार के साथ समय बिताना और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना युवाओं को सही दिशा देता है। नशामुक्त भारत का सपना केवल सरकार या किसी एक संस्था का नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। परिवार, विद्यालय, महाविद्यालय, शिक्षक, सामाजिक संगठन और स्वयं युवा-सभी को मिलकर जागरूक होकर सामाजिक विकास और सुधार की प्रक्रिया में निरंतर शामिल रहकर जीवन का मूलमंत्र बनाए "दूसरों को भी इस जहर की जद से बचाएँ'

-ममता शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अध्यक्ष
संगी मितान सेवा संस्थान नशा मुक्ति केंद्र

करंट अफेयर

आंग सान सू ची से रेड क्रॉस के प्रतिनिधि ने मुलाकात की

म्यांमा की पूर्व नेता आंग सान सू ची से अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति (आईसीआरसी) के प्रतिनिधि ने सोमवार को राजधानी में मुलाकात की। सैन्य समर्थित सरकार ने यह जानकारी दी। वर्ष 2021 में सेना द्वारा सत्ता अपने हाथ में लिये जाने के बाद से सू ची 'नजरबंद' हैं, ऐसे में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता के लिए बाहरी दुनिया से संपर्क का यह एक दुर्लभ अवसर रहा। घोषणा के साथ जारी दो तस्वीरों में सू ची म्यांमा में आईसीआरसी के प्रतिनिधि अरनॉड डी बैक से हाथ मिलाती तथा लकड़ी की आंतरिक सज्जा वाले कक्ष में उनके साथ बातचीत करती दिखाई दे रही हैं। तस्वीरें जारी करने वाले राष्ट्रपति प्रेस एवं सूचना ब्यूरो ने बताया कि यह बैठक सोमवार सुबह हुई। हालांकि, ब्यूरो ने बैठक के स्थान और बातचीत के विषय में कोई जानकारी नहीं दी। जारी की गई दो अन्य तस्वीरों में सू ची केक काटती नजर आ रही हैं। केक पर 'हेपी बर्थ डे आंटी सू, 19-6-2026' लिखा है। इससे संकेत मिलता है कि ये तस्वीरें जून में उनके 81वें जन्मदिन के अवसर पर ली गई होंगी। तस्वीरों में सू ची सहज और मुस्कुराती दिखाई दे रही हैं। वे किसी प्रकार से अस्वस्थ भी नहीं लग रही हैं। हालांकि, केवल तस्वीरों के आधार पर उनकी वास्तविक शारीरिक स्थिति का स्वतंत्र रूप से आकलन नहीं किया जा सकता।

ऑफ बीट

बच्चों को जेब खर्च देने का नफा-नुकसान

जब मैं छोटा था, तब मेरे साथ के कई बच्चे जेब खर्च निकालने के लिए पड़ोसियों के शिशुओं की देखभाल करने, उनके बगीचे में घास काटने, कुत्तों को टहलाने या गाड़ियां धोने जैसे काम किया करते थे। मगर आज बच्चों के लिए भुगतान ऐप, खर्च पर नजर रखने वाले साधनों और ऐसी अन्य सुविधाओं की उपलब्धता के चलते तस्वीर काफी बदल गई है। इसके बावजूद बच्चों को जेब खर्च दिए जाने के मामले में आज भी कुछ ऐसे पुराने सवाल शामिल हैं, जिनमें मुझ जैसे व्यवहारिक अर्थशास्त्रियों को दिलचस्पी है। क्या बच्चों को पैसे कमाने के वास्ते मेहनत करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए, जैसे कि पड़ोसियों के घर का कोई काम? या फिर घर के कामों में मदद के बदले भी उन्हें पैसे दिए जाने चाहिए? अगर हम बच्चों को उनके घरेलू कामों के बदले पैसे देते हैं, तो क्या इससे उनमें बिना किसी स्वार्थ के मदद करने के बजाय पैसे को ज्यादा अहमियत देने की आदत विकसित होने का खतरा है। यह धारणा नयी नहीं है कि किसी काम के लिए पैसे देने से व्यक्ति में उस काम को करने की अंदरूनी (स्वतंत्र और स्वाभाविक) प्रेरणा कम या खत्म हो सकती है। इस बात के मिले-जुले प्रमाण हैं कि क्या पैसे देने से व्यक्ति की अंदरूनी प्रेरणा कम हो जाती है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

जंतर-मंतर पर धरनों पर लग सकती है रोक, विरोध-प्रदर्शन पर बदल सकते हैं नियम!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

संसद मार्च के दौरान हुई झड़पों और जंतर-मंतर पर लगातार हो रहे प्रदर्शनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अहम टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शनों और 20 जुलाई को कथित नीट पेपर लीक के विरोध में निकाले गए संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा से जुड़े मामलों पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से जवाब मांगा। अदालत ने कहा कि वह यह भी जांच करेगी कि क्या जंतर-मंतर अब प्रदर्शन के लिए उपयुक्त स्थान है। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई, जिसमें 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान दिल्ली पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों के लिए आयोजकों की जवाबदेही तय करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता रिजवान अहमद ने अदालत को बताया कि सरकार के सकारात्मक रुख के बावजूद प्रदर्शन के आयोजक लोगों को लगातार उकसा रहे हैं और समाज में तनाव का माहौल बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक भाषा वाले वीडियो और रील्स शेयर किए जा रहे हैं, जिससे माहौल और खराब हो रहा है।

झड़पों के लिए आयोजकों की जवाबदेही तय करने की भी मांग

प्रदर्शन से चिकित्सा सेवाओं की आपूर्ति और आसपास के निवासियों को होती परेशानी

एफआईआर की जगह सामुदायिक सेवा का सुझाव

अहमद ने अदालत से कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने वाले युवाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बजाय उन्हें कम से कम सात दिन की सामुदायिक सेवा (कम्युनिटी सर्विस) करने का निर्देश दिया जाना चाहिए। उनका तर्क था कि इससे समाज में कड़वाहट कम होगी। उन्होंने यह भी कहा कि अलग-अलग राज्य सरकारों द्वारा गिरफ्तारी और एफआईआर को लेकर अलग-अलग निर्देश जारी किए जा रहे हैं, जबकि यह राष्ट्रीय स्तर का मुद्दा है। ऐसे में पूरे देश के लिए एक समान नीति बनाई जानी चाहिए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले की जल्द सुनवाई की जाएगी और मुमकिन है बुधवार को इस पर विचार होगा।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन को लेकर केंद्र को नोटिस : इसी दौरान अदालत ने एक जनहित याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया, जिसमें मांग की गई है कि जंतर-मंतर के बजाय विरोध-प्रदर्शनों के लिए कोई वैकल्पिक स्थान तय किया जाए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि याचिका में यह मुद्दा उठाया गया है कि जंतर-मंतर पर लगातार प्रदर्शन होने से लोगों की आवाजाही, चिकित्सा सेवाओं की आपूर्ति और आसपास के निवासियों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अदालत ने इसे एक महत्वपूर्ण मुद्दा बताया।

मामला अलग से सूचीबद्ध

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि याचिका में कहा गया है कि जंतर-मंतर अब ऐसे प्रदर्शनों के लिए उचित स्थान नहीं है। इससे वहां आने-जाने की व्यवस्था और मेडिकल आवश्यकताओं की आपूर्ति जैसे मुद्दे प्रभावित होते है। चीफ जस्टिस ने कहा कि हमें लगता है कि यह महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने सॉलिसिटर जनरल से इस मामले में निर्देश लेने को कहा और केंद्र सरकार को नोटिस जारी करते हुए मामले को अलग से सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

केजरीवाल की घोषणा का भी हुआ जिक्र

याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता सतीश चंद कौशिक ने अदालत को बताया कि आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री आवास तक मार्च करने पर फैसला लेने के लिए टाउन हॉल बैठक बुलाने की घोषणा की है। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि 20 जुलाई जैसी स्थिति दोबारा न बनने दी जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी संबंधित प्रशासन और पुलिस की है और वे इस संबंध में उचित कार्रवाई करेंगे।

यह है मामला

20 जुलाई को कथित नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर संसद मार्च निकाला गया था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और दिल्ली पुलिस के बीच झड़प हुई थी। इसके बाद आयोजकों की भूमिका, प्रदर्शन के तौर-तरीकों और जंतर-मंतर जैसे स्थायी प्रदर्शन स्थल की उपयुक्तता को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं दायर की गईं। अब सर्वोच्च अदालत इन सभी पहलुओं पर सुनवाई करेगी।

खबर संक्षेप

भागवत 6 को करेंगे जेन जेड से बातचीत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत 6 अगस्त को मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर (एनएमएसीसी) में जेन जेड और जेन अल्फा के साथ सेशन करेंगे। यह कार्यक्रम भारत के 'इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस' (आईआईएमयूएन) की 15वीं वर्षगांठ और इसके सालाना चैंपियनशिप कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन समारोह के मौके पर आयोजित किया जा रहा है।

जंग के बीच भारत ने ईरान में बदला राजदूत

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव, होर्मुज स्ट्रेट पर संकट और पश्चिम एशिया में बदलते हालात के बीच भारत ने तेहरान में अपना नया राजदूत नियुक्त किया है। भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के सीनियर अफसर विश्वेश नेगी अब ईरान में भारत की नई जिम्मेदारी संभालेंगे। वह मौजूदा राजदूत रुद्र गौरव श्रेष्ठ की जगह लेंगे, जिन्हें तुर्किये भेजा गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि विश्वेश नेगी जल्द ही अपना कार्यभार संभालेंगे।

लोकसभा में बिना किसी बहस के पास कर दिया गया यह विधेयक

सुप्रीम कोर्ट में अब जजों की संख्या बढ़कर होगी 38, संशोधन बिल पास

सुप्रीम कोर्ट संशोधन बिल 2026 को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। लोकसभा में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट संशोधन बिल बिना किसी बहस के पास कर दिया गया है। इस नए कानून के लागू होने के बाद मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सहित जजों की कुल संख्या 34 से बढ़कर 38 हो जाएगी। दोपहर 2 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने यह बिल पेश किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

विपक्षी दलों के भारी हंगामे के कारण इस विधेयक पर कोई चर्चा नहीं हो सकी। सदन ने शोर-शराबे के बीच ही इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया। सरकार का मानना है कि जजों की संख्या बढ़ने से मुकदमों की सुनवाई तेजी से हो सकेगी। सदन में विपक्षी दलों के सांसद राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े मुद्दों और छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई के खिलाफ लगातार नारेबाजी कर रहे थे। पीठासीन सभापति ने सांसदों से अपनी सीटों पर लौटकर चर्चा में शामिल होने की अपील की, लेकिन नारेबाजी जारी रही. इसके बाद विधेयक को बिना किसी बहस के ही पास कर दिया गया। कानून मंत्री ने बताया कि सरकार मई में ही इस संबंध में अध्यादेश लेकर आई थी। उसी अध्यादेश के आधार पर शीर्ष अदालत में पांच नए जजों की नियुक्ति भी की जा चुकी है। अब इस नए बिल से उस अध्यादेश को स्थायी कानूनी रूप मिल गया है।

विपक्षी दलों के हंगामे के चलते इस पर नहीं हो सकी कोई चर्चा

2019 के बाद दूसरी बार बढ़ी जजों की संख्या

सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या में 2019 के बाद यह दूसरी बार बढ़ोतरी की गई है। साल 2019 में जजों की संख्या 30 से बढ़ाकर 33 की गई थी। कानून मंत्री ने इतिहास का जिक्र करते हुए बताया कि आजादी के बाद 1956 में पहली बार जजों की संख्या बढ़ाकर 11 की गई थी। समय बीतने के साथ मुकदमों का बोझ लगातार बढ़ता गया, जिसे देखते हुए अब जजों की संख्या 38 करने का फैसला लिया गया है। सरकार का तर्क है कि इससे लंबित मामलों को निपटाने में काफी मदद मिलेगी और आम जनता को जल्दी न्याय मिल सकेगा।

बिल में यह है प्रावधान

सदन की बैठक जब अपराह्न दो बजे शुरू हुई तो कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीश संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 को चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया। इसमें उच्चतम न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश समेत न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने का प्रावधान है। इस दौरान कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों के सदस्य राम मंदिर चढ़ावा चोरी और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर नारेबाजी कर रहे थे। बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 का मकसद सुप्रीम कोर्ट में जजों की कुल संख्या बढ़ाना, पेंडिंग मामलों को कम करना और तेजी से न्याय सुनिश्चित करना है।

दो अन्य बिल भी पेश

शोर-शराबा जारी रहने पर अध्यक्ष ने बैठक दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर स्थिति ज्यों की त्यों बनी रही। इसी दरम्यान विपक्ष के हंगामे के बीच ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंककार बही साक्ष्य विधेयक, 2026 और सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने भारतीय सांख्यिकी संस्थान विधेयक, 2026 पेश किए। सदन में हंगामा नहीं थमने पर पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने कुछ मिनट बाद ही कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

11वें दिन भी प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं

पीठासीन सभापति तेन्नेटी ने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपनी सीटों पर बैठने का आग्रह करते हुए उनसे विधेयक पर चर्चा में भाग लेने को कहा, लेकिन सदन में हंगामा नहीं थमा। सदन ने विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के बीच ही ध्वनिमत से बिना चर्चा के विधेयक को पारित कर दिया। इसके बाद हंगामा नहीं थमने पर तेन्नेटी ने कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी। संसद के मॉनसून सत्र की शुरुआत 20 जुलाई को हुई थी और तब से सदन में विभिन्न मुद्दों पर हंगामे की स्थिति के कारण आज लगातार 11वें दिन भी प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं चल सके।

सूडान की घटना

अदालत परिसर पर सेना का ड्रोन हमला, 35 की मौत

एजेंसी ▶▶| काहिरा

सूडान के दारफुर इलाके में एक दीवानी अदालत पर सेना के ड्रोन हमले में कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई। एक मानवाधिकार समूह ने यह जानकारी दी। सूडान में मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों का रिकॉर्ड रखने वाले स्वतंत्र समूह 'इमरजेंसी लॉयर्स' ने रविवार दोपहर बताया कि सूडानी सेना के ड्रोन ने उत्तर दारफुर के अल-जविया गारा गांव में दिवानी अदालत के मुख्यालय को निशाना बनाया, 'जो इलाके में अहम न्यायिक और सामाजिक सेवा प्रदान करता है।' 'इमरजेंसी लॉयर्स' ने हमले की जांच की मांग की।

अब तक 59 हजार लोगों की मौत

सूडान में अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज और सूडानी सेना के बीच जारी संघर्ष अप्रैल 2023 में भीषण युद्ध में बदल गया। संघर्ष पर नजर रखने वाले समूह 'आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट लोकेशन एंड इवेंट डेटा' के मुताबिक, इस युद्ध में अब तक कम से कम 59,000 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा वास्तविक संख्या से काफी कम है और मरने वालों की असली संख्या कई गुना अधिक हो सकती है।

बांग्लादेश के 21 संदिग्ध को लिया गया हिरासत में

एजेंसी ▶▶| जम्मू

जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में तीन महिलाओं और सात बच्चों सहित बांग्लादेश के कम से कम 21 संदिग्ध नागरिकों को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, यह समूह दो वाहनों में सवार होकर जम्मू से कश्मीर की ओर जा रहा था। रविवार को रामबन में नियमित जांच के दौरान एक जांच चौकी पर वाहनों को रोका गया। जांच के दौरान ये लोग देश में अपने प्रवास को साबित करने के लिए कोई वैध पहचान पत्र या यात्रा संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। अधिकारियों ने बताया कि मौके पर प्रारंभिक पूछताछ के बाद सभी 21 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए थाने भेज दिया गया।

असम के रास्ते हुए थे दाखिल

अधिकारियों के अनुसार, हिरासत में लिये गए लोगों के बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत आए होने का संदेह है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि वे असम के रास्ते भारत में दाखिल हुए और ट्रेन से जम्मू पहुंचे थे। अधिकारियों ने बताया कि यह समूह कथित तौर पर काम की तलाश में कश्मीर घाटी जा रहा था।

महाराष्ट्र में धर्मांतरण रोधी कानून लागू

मुंबई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने और सरकारी गजट में प्रकाशित होने के बाद महाराष्ट्र में धर्मांतरण-रोधी कानून लागू हो गया है। इससे जबरदस्ती, धोखाधड़ी, लालच या शादी के जरिए किए जाने वाले धर्मांतरण के खिलाफ कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है। मार्च में बजट सत्र के दौरान राज्य विधानसभा के दोनों सदनों से पारित 'महाराष्ट्र धर्म की स्वतंत्रता विधेयक, 2026' को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई और 30 जुलाई को इसे राज्य के राजपत्र में अधिसूचित किया गया। नए कानून के तहत, जो व्यक्ति दूसरा धर्म अपनाना चाहता है, उसे कम से कम 60 दिन पहलेज जिला मजिस्ट्रेट को सूचित करना होगा। धर्मांतरण के बाद की तय प्रक्रियाओं का भी पालन करना होगा।

सीजेपी नहीं बनाएगी राजनीतिक दल, युवाओं के लिए करेगी टूर

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) 5 अगस्त से छत्रपति संभाजीनगर में दो दिन की रणनीति बैठक करेगी। इस बैठक में पार्टी के संस्थापक, प्रवक्ता और संगठन से जुड़े लोग शामिल होंगे। पार्टी ने कहा कि वह राजनीतिक दल नहीं बनाएगी। बैठक के बाद सीजेपी देशभर में अपने युवाओं की जरूरतों को समझने के लिए लिसनिंग टूर करेगी। पार्टी फाउंडर अभिजीत दीपके ने यह जानकारी देने के बाद आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण छात्र विरोध प्रदर्शन में बाहरी लोगों ने घुसपैठ की थी, जिसके कारण 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान हिंसा हुई। उन्होंने दावा किया कि विरोध-प्रदर्शन को बदनाम करने के लिए

बाहर से लोग भेजे गए थे। इन लोगों की दिल्ली पुलिस के साथ मिलीभगत थी। कॉकरोच जनता पार्टी ने 27 जुलाई को पेपर लीक आंदोलन के बाद आपराधिक मामलों का सामना कर रहे छात्रों की कानूनी सहायता के लिए लीगल डिफेंस फंड बनाने की घोषणा की थी। सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने इस फंड में 1 करोड़ रुपए देने का ऐलान किया था। उन्होंने देशभर के वकीलों से भी इस कोष में योगदान देने की अपील की थी। सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा था कि केंद्र सरकार के आश्वासन के बावजूद देशभर में छात्रों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की आशंका है।

न्यायालय श्रीमान प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, बिलासपुर (छ.ग.)

नोटिस

उत्तराधिकार प्र.क्र 42/2026
आदेश दिनांक/07/2026
पेशी दिनांक 03/09/2026
प्रोसेस क्र :- 107/26

ललित कुमार भारत .....**आवेदक**

//विरूद्ध //

विजय कुमार भारत वगै. ..**अनावेदकगण**

प्रति,
आम जनता,

इस न्यायालय में आवेदक ने स्व. श्रीमती यशोदा भारत की मृत्यु दिनांक 08/06/2026 को हो गई है, जिसका पंजाब नेशनल बैंक शाखा दयालबंद बिलासपुर छ.ग. में खाता संचालित है। उक्त खाते में जमा राशि को प्राप्त करने के संबंध में आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम का आवेदन पत्र पेश किया है। जिसकी पेशी दिनांक 03/09/2026 को नियत है।

अत: आपको इस समाचार पत्र के प्रकाशन के द्वारा वाद का नोटिस प्रेषित किया जा रहा है कि इस प्रकरण में पेशी दिनांक 03/09/2026 को न्यायालय में प्रात: 11:00 बजे स्वत: उपस्थित होकर दावा आपत्ति जवाब पेश कर प्रकरण की कार्यवाही में भाग लेवें अन्यथा आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

यदि किसी कारणवश पेशी दिनांक 03/09/2026 को इस न्यायालय में अवकाश घोषित होता है, या सार्वजनिक अवकाश हो जाता है, या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर रहते है, तो अगले दिन अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

अत: आज दिनांक 03/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

दिनांक 03/08/2026
स्थान: बिलासपुर (छ.ग.)

(असलम खान)
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश
वरिष्ठ श्रेणी
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
(सेन्ट्रल प्रोसेस फीस सेक्शन के उपयोग हेतु)

पोत में लगी भीषण आग लापता की हो रही तलाश

सुराबाया। इंडोनेशिया में जावा द्वीप के पास एक पोत में आग लगने के बाद बचावकर्मी सोमवार को संभावित लापता यात्रियों की तलाश में जुटे रहे। इस हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है, जबकि 229 लोगों को बचा लिया गया। 'मुतियारा सेंटोसा-2' पोत पूर्वी जावा के इंडोनेशिया के दूसरे सबसे बड़े शहर सुराबाया से दक्षिण सुलावेसी के मकास्सर शहर जा रहा था। शुरुआती जानकारी के अनुसार, पोत में आग लगने के समय इसमें 232 यात्री और 39 चालक दल के सदस्य सवार थे। अधिकारियों के मुताबिक, सुमेनेप जिले के समुद्री क्षेत्र में सुबह करीब छह से सात बजे के बीच पोत में आग लगी। सोमवार सुबह अधिकारियों ने बताया कि पोत में दर्ज संख्या से कहीं अधिक लोग सवार थे। अब तक 229 लोगों को बचाए जाने तथा पांच शव मिलने के बाद भी लापता लोगों की सही संख्या स्पष्ट नहीं हो सकी है। अधिकारियों ने बताया कि लापता लोगों की संख्या का पता लगाने के लिए वे पीड़ितों के परिजनों और जीवित बचे यात्रियों से मिली जानकारी पर निर्भर हैं। आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है और इसकी जांच जारी है। अधिकारियों के अनुसार, इस पोत पर 180 वाहन भी लदे हुए थे।

महाराष्ट्र के जालसाजों ने की कारोबारी से ठगी

45 करोड़ के नकली नोट देने का झांसा कारोबारी से 1.13 करोड़ की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

तेलीबांधा थाना क्षेत्र में ट्रेडिंग के कारोबार से जुड़े एक कारोबारी को महाराष्ट्र के जालसाजों ने 1.13 करोड़ रुपए असली नोट की जगह 45 करोड़ रुपए के नकली नोट देने का झांसा देकर ठगी का शिकार बनाया है। कारोबारी की शिकायत पर पुलिस अज्ञात जालसाजों के खिलाफ अपराध दर्ज कर आरोपियों की पतासाजी में जुटी है।

जालसाजों ने किसी उमेश गुप्ता नाम के कारोबारी को ठगी का शिकार बनाया है। बताया जा रहा है, महाराष्ट्र का जालसाज कारोबारी के साथ लेन-देन के बहाने लंबे अरसे से जुड़ा रहा। इस दौरान उन्होंने कारोबारी को असली नोट थमाकर नकली नोट होना बताया। जालसाजों के झांसे में आकर कारोबारी ने जालसाज से नकली नोट उपलब्ध कराने व्यवस्था करने की बात कही। इस पर जालसाज ने कारोबारी को जो असल में नकली नोट का काम करता है, उससे संपर्क का झांसा देकर एक होटल में दोनों की मीटिंग फिक्स की।

रकम लेकर रायपुर नागपुर में ट्रांसफर

जानकारी के मुताबिक, जालसाजों ने कारोबारी को असली नोट लेने के बाद नकली नोट देने की बात कही। रकम लेने के बाद जालसाजों ने उक्त रकम का कुछ हिस्सा रायपुर में तथा शेष रकम नागपुर भेजी। कारोबारी ने पैसों की मांग की तो जालसाजों ने उन्हें नकली नोट के कारोबार करने के आरोप में फंसाने की धमकी देते हुए रकम लौटाने से इंकार कर दिया। बाद में कारोबारी को अपने साथ ठगी होने की जानकारी मिली। इसके बाद वह जालसाजों के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचा। पुलिस आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा करने की बात कह रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट के साथ तेलीबांधा पुलिस की टीम लगी हुई है।

कई बैठकों के बाद दी रकम

नकली नोट के सौदे को अंतिम रूप देने के लिए तेलीबांधा थाना क्षेत्र के अलग-अलग होटलों में कई दौर की बैठकें हुईं। जालसाजों ने खुद को ऐसे नेटवर्क से जुड़ा बताया, जो बड़ी मात्रा में नकली नोट उपलब्ध करा सकता है। विश्वास जीतने के लिए जालसाज कारोबारी के लगातार संपर्क में रहे। रकम मिलने के बाद जालसाज कारोबारी को नकली नोटों की खेप आने, सुरक्षा व्यवस्था और डिलीवरी का अनेक तरह से झांसा देते रहे। कारोबारी द्वारा दबाव बनाए जाने पर जालसाजों ने उसे नकली नोट के कारोबार करने के आरोप में फंसाने की धमकी दी। इसके बाद उन्हें अपने साथ धोखाधड़ी होने का एहसास हुआ।

इन पहलुओं पर पुलिस कर रही जांच

पुलिस अब इस मामले की अलग-अलग एंगल से जांच कर रही है। पहला एंगल शिकायत में दर्ज 1 करोड़ 13 लाख रुपए की ठगी, दूसरा, एफआईआर में लगाए गए उस आरोप की जांच, कि कथित तौर पर नकली नोटों के लेन-देन और उन्हें बाजार में खपाने की योजना बनाई गई। जांच के दौरान होटल में हुई बैठकों के रिकार्ड, सीसीटीवी फूटेज, मोबाइल कॉल डिटेल, बैंक एवं नकद लेन-देन, यात्रा संबंधी दस्तावेज और महाराष्ट्र में हुई मुलाकातों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं और क्या इस तरह के अन्य मामले भी सामने आए हैं?

नगरीय निकास प्लेसमेंट कर्मियों की 6 से संभाग स्तरीय हड़ताल, रैली-प्रदर्शन भी

रायपुर। प्रदेशभर के 20 हजार नगरीय निकाय कर्मचारी अपनी 3 सूत्रीय मांगों को लेकर 6 और 7 अगस्त को संभाग स्तरीय आंदोलन कर शासन का ध्यान आकर्षित कराएंगे। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ के आव्हान पर प्रदेशभर के 14 नगर निगम, 54 नगरपालिकाओं और 124 नगर पंचायतों में काम करने वाले प्लेसमेंट, आउटसोर्स और ठेका कर्मचारी दो दिवसीय संभाग स्तरीय हड़ताल में शामिल होंगे।

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ ने वर्षों से लंबित मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिए जाने पर संभाग स्तरीय आंदोलन का ऐलान किया है। लामबंद नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी 6 और 7 अगस्त को संभाग स्तर पर रैली निकालकर नारेबाजी करेंगे। इस आंदोलन में बड़ी संख्या में नगरीय निकायों के प्लेसमेंट कर्मचारी शामिल होंगे। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष खेमूलाल निषाद, कार्यकारी अध्यक्ष संजय ऐडे ने हरिभूमि को बताया कि संचालनालय नगरीय प्रशासन में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों की भांति नगरीय निकायों में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों को संविदा दर पर वेतन भुगतान, 4 नए श्रम कानूनों का लाभ नगरीय निकायों के प्लेसमेंट कर्मचारियों को देने सहित नगरीय निकायों से सीधे वेतन भुगतान करने की मांग प्रमुख रूप से शामिल है।

State Urban Development Agency, Chhattisgarh
4th Floor, D Block, Indrawati Bhavan (HOD Building),
Nava Raipur Atal Nagar, Chhattisgarh, 492002
Phone 0771-2222401 Fax 0771/2222409, Email: osd.suda@yahoo.com

Notice Inviting Tender

PROJ-201/241/2026-SUDA (TMP F) SECTION / 449189-1 Dated 31/07/2026

The State Urban Development Agency (SUDA), Chhattisgarh hereby invites proposals in conformity with the RFP document from registered and authorized agencies having experience and expertise in the similar field of work as per the criteria mentioned in the RFP document as below:

System Tender No.	Name of the Work	EMD	RFP Document Fee	Last date to download the RFP
196561	Request for Proposal for Appointment of agency for providing manpower for establishment of State Level Technical Cell (SLTC)/City Level Technical Cell (CLTC) for implementation Pradhan Mantri Awas Yojana-Urban 2.0 Housing for All Mission in the State of Chhattisgarh.	INR 5,00,000/-	INR 10,000/-	24/08/2026

The details regarding conditions stipulated in the RFP, EMD, Key dates for submission, detailed RFP, RFP document and all the information related to the RFP can be viewed and downloaded from e-procurement portal https://eproc.cgstate.gov.in or departmental website https://uad.cg.gov.in.

SD/-
Chief Executive Officer
State Urban Development Agency,
Nava Raipur Atal Nagar

S. 48637

HIGH COURT OF CHHATTISGARH, BILASPUR

Tender Notice

No. 13286/CPC/2026 Bilaspur, dated 31/07/2026

The High Court of Chhattisgarh, Bilaspur invites its bids in closed envelopes from eligible bidders for Purchasing/Supply/Testing and Installation of 47 nos. of Smart Mobile Phones (Handheld Devices) for the use in all the Courts under the District Judiciary of Chhattisgarh State (Including District and Taluka Courts and Family Courts).

Interested Parties may view and download the detailed Tender (terms and conditions and Technical Specification) of aforementioned articles on the website viz. https://highcourt.cg.gov.in

1) - Documents Download start Date - 31/07/2026
II) - Last Date of Submission of Physical documents - 21/08/26 (till 04:30 PM)

Registrar General
High Court of Chhattisgarh,
Bilaspur (C.G.)

G. 262702509/1

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

NIT No: 1546/1545/1537/1540/1541/1551/WS/2026 Korba, Date 28.07.2026

Sr No.	System Tender No.	Name of Work/Description of Work	Probable Amount of Contract (PAC)
1	196356 (1st call)	Interconnection & Extension of DI K-7 Main Pipe Line to 150mm Dia Distribution Pipe Line at Ward No. 10 Baishno Darbar Railway Line Basti	रू 24.07 Lakhs
2	195841 (1st call)	Providing, Laying & Extension of Distribution Network DI Pipe Line at Ward No. 37 Bhaiskhatal Basti, Dingapur, Satnam Nagar Basti, Singapur Basti Risdi near ESIC Hospital	रू 78.47 Lakhs
3	195842 (1st call)	Interconnection, Providing & Laying and Jointing of Distribution Pipe Line to 450mm Dia Main DI Pipe Line due to Low Pressure problem from behind Korba OHT to Ward No. 14 Amraiyapara and Railway Colony Korba	रू 42.24 Lakhs
4	195843 (1st call)	Extension, Providing & Laying and Jointing of DI K-7 Pipe Line at Ward No. 33 Manikpur Diprapara niche basti Sandeep netam house to dewangan house	रू 33.39 Lakhs
5	195844 (1st call)	Extension, Providing & Laying and Jointing of DI K-7 Pipe Line at Ward No. 24 Budhwari Basti near Sabji Mandi Korba	रू 21.36 Lakhs
6	195852 (1st call)	Providing and Laying work of Distribution pipe line Bhatapara 01 No. Dafai Ward No. 65	रू 16.95 Lakhs

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc.cgstate.gov.in from 28.07.2026at 15:00 Hours. (IST) onwards.

Superintending Engineer
Municipal Corporation Korba (C.G.)

गुजरात का गिफ्ट सिटी बना वैश्विक वित्त का नया केंद्र छत्तीसगढ़ में भी विकास और निवेश की संभावनाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

गुजरात की इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) भारत के वैश्विक वित्तीय सेवा क्षेत्र की सबसे तेजी से विकसित होने वाली केंद्र बनकर उभर रही है। बैंकिंग, पूंजी बाजार, बीमा, फंड मैनेजमेंट, विमान एवं पोत लीजिंग, ट्रेजरी सेवाओं और सतत वित्त जैसे क्षेत्रों में लगातार हो रहे विस्तार ने गिफ्ट सिटी को अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों और वित्तीय संस्थानों के लिए आकर्षण का केंद्र बना दिया है। वर्तमान में यहां 1200 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं सक्रिय हैं, जबकि बैंकिंग परिसंपत्तियां 111 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर चुकी हैं। गिफ्ट सिटी से जुड़े अधिकारियों ने गिफ्ट सिटी की तर्ज पर छत्तीसगढ़ की राजधानी, नया रायपुर सहित अन्य क्षेत्रों में भी निवेश एवं विकास की काफी संभावनाएं जताई हैं।

- पीआईबी के अध्ययन दौरे में मीडिया प्रतिनिधियों को मिली जानकारी

पत्र सूचना कार्यालय रायपुर द्वारा आयोजित गुजरात अध्ययन दौरे के दौरान छत्तीसगढ़ के मीडिया प्रतिनिधिमंडल में शामिल हरिभूमि संवाददाता ने भी गिफ्ट सिटी का भ्रमण किया। इस दौरान यहां बैंकिंग, फंड मैनेजमेंट, पूंजी बाजार, बीमा, ट्रेजरी, विमान एवं पोत लीजिंग, व्यापार वित्त और सतत वित्त से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। गिफ्ट सिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अविचल खेरा और महाप्रबंधक जया चतुर्वेदी ने बताया कि यहां का वित्तीय इकोसिस्टम लगातार मजबूत हो रहा है। मार्च 2026 तक बैंकिंग परिसंपत्तियां 111 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गईं। इसी अवधि में ग्राहक ऋण 76.14 अरब अमेरिकी डॉलर और बाहरी वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) का एक्सपोजर 41.18 अरब अमेरिकी डॉलर दर्ज किया गया, जो अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय गतिविधियों में बढ़ती भागीदारी का संकेत है।

217 फंड मैनेजमेंट इकाईयां पंजीकृत

फंड मैनेजमेंट सेक्टर में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मार्च 2026 तक गिफ्ट सिटी में 217 फंड मैनेजमेंट इकाईयां और 360 फंड एवं योजनाएं पंजीकृत हो चुकी हैं। कुल फंड प्रतिबद्धताएं 39.09 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गई हैं। इससे निवेशकों को वैश्विक स्तर की निवेश सुविधाएं भारत में ही उपलब्ध हो रही हैं। अधिकारियों के अनुसार पूंजी बाजार में भी गिफ्ट सिटी का विस्तार तेजी से हुआ है। सूचीबद्ध ऋण प्रतिभूतियों का मूल्य 70.31 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है, जबकि औसत मासिक कारोबार 112.49 अरब अमेरिकी डॉलर दर्ज किया गया। यह उपलब्धि भारत के अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय बाजार में बढ़ते प्रभाव को दर्शाती है। इसी प्रकार बीमा क्षेत्र में भी लगातार वृद्धि देखने को मिली है। दिसंबर 2025 में जहां 24 बीमा कार्यालय संचालित थे, वहीं मार्च 2026 तक उनकी संख्या बढ़कर 36 हो गई। इसी अवधि में बीमा मध्यस्थों की संख्या भी 31 से बढ़कर 34 हो गई, जिससे इस क्षेत्र में सेवाओं का दायरा और मजबूत हुआ है।

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय रायगढ़, छत्तीसगढ़
Bendrachuwa, Raigarh, Chhattisgarh, e-mail: gmcraigarhhospital@gmail.com

क्रमांक / 4693 / चिकि. / खाद्य शाखा/2026/... रायगढ़, दिनांक: 31/07/2026

// निविदा सूचना //

चिकित्सा महाविद्यालय सम्बद्ध संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय, रायगढ़ (छ.ग.) परिसर में चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में कार्यरत अधिकारियों, चिकित्सकों एवं कर्मचारियों एवं मरीजों के परिजनों को को उच्च गुणवत्ता का भोजन एवं जलपान उपलब्ध कराने हेतु चिकित्सालय भवन के भीतर 24x7 कैंटीन संचालन के लिए प्रतिष्ठित, अनुभवी एवं सक्षम फर्मों/एजेंसियों से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन प्रस्तुत कर राशि रु. 2000.00 (दो हजार रूपये मात्र) का डीमांड ड्राफ्ट (राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा जारी) ₹संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक, संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय, रायगढ़₹ के नाम से तैयार कर कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किये जा सकते हैं अथवा चिकित्सा महाविद्यालय के वेबसाईट gmcraigarh.edu.in से निविदा प्रपत्र डाउनलोड कर उपरोक्तानुसार डीमांड ड्राफ्ट तैयार कर निविदा के अंतर्गत तकनीकी दस्तावेज के साथ प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निविदा प्रपत्र विक्रय की तिथि : दिनांक 01-08-2026 से 10-08-2026 को सायं 02:00 बजे तक
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि : दिनांक 10-08-2026 को समय 03:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि : दिनांक दिनांक 10-08-2026 को समय 04:00 बजे

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय, रायगढ़ (छ0ग0)

जी. 262702518/1

कार्यालय प्रबंध संचालक जिला लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित, बलरामपुर, जिला-बलरामपुर (छ.ग.)
Phone: 07831-299166 Email: mdeastsurguja@gmail.com

क्रमांक / वनो./स्था./2026/3069 बलरामपुर दिनाँक 29/07/2026

प्रबन्धक की नियुक्ति हेतु विज्ञापन

जिला लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित बलरामपुर के प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों में प्रबन्धक के रिक्त पद के भर्ती हेतु योग्य उम्मीदवारों से दिनांक 03/09/2026 समय 5:00 बजे सायं तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में प्रबंध संचालक जिला लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित बलरामपुर के नाम से संबोधित हो आवेदन व्यक्तिगत / रजिस्टर्ड डाक/स्पीड पोस्ट से प्रेषित किया जावें।

क्र.	प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति का नाम	पदनाम	कुल रिक्त पद	आरक्षित वर्ग	वेतन एक मुश्त प्रतिमाह	प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति के कार्यक्षेत्र में आने वाले तेन्दूपत्ता फड़/गांव का नाम जहां के निवासी से आवेदन पत्र प्राप्त होना है	कार्यालय जहां आवेदन पत्र प्रेषित किया जाना है।
1	महाबीरगंज	प्रबन्धक	01	अनारक्षित	20675.00	महाबीरगंज 'अ' महाबीरगंज 'ब' महाबीरगंज 'स' गम्हरिया 'अ' गम्हरिया 'ब' चिनिया, मेघुली 'अ' मेघुली 'ब' केवली, चाकी 'अ' चाकी 'ब'	प्रबन्ध संचालक जिला लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित, बलरामपुर जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
2	कुसमी	प्रबन्धक	01	अनारक्षित	20675.00	सेमरा, निलकण्ठपुर, हंसपुर, लरिमा, गोविन्दपुर, शाहपुर, धनेशपुर 'अ' धनेशपुर 'ब' सिविलदाग एवं प्रेमनगर	
3	बसन्तपुर	प्रबन्धक	01	अनारक्षित	20675.00	धनवार, कुन्दी, लमोरी, मिथलापुर, बसन्तपुर 'अ' बसन्तपुर 'ब' एवं जमई	
4	बासेन	प्रबन्धक	01	अनारक्षित	20675.00	बासेन, पस्ता, परती, पहाड़खडुआ, अलखडीहा, कबडू, लदकुड़, गोविन्दपुर, लिलौटी, कोटसरी, अतौरी, गोपालपुर, मुरका, कर्रा, उलिया, करवा, तोनी एवं भेण्डरी	
5	डिण्डो	प्रबन्धक	01	अनारक्षित	20675.00	डिण्डो, टाटीयाथर, डुमरपान, कुर्लडिह 'अ'कुर्लुडिह 'ब' बराहनगर, सलवाही, चुनापाथर, चैनपुर, विमलापुर 'अ' विमलापुर 'ब', चेरा महादेवपुर 'अ' एवं महादेवपुर 'ब'	

1. आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 03/09/2026 सायं 5:00 बजे तक आवेदन पत्रों की जॉच 25/09/2026 तक
3. वरीयता सूची का प्रकाशन की तिथि 30/09/2026 (जिसे वनमण्डल/जिला लघु वनोपज सहकारी संघ मर्या. बलरामपुर कार्यालय के सूचना पटल पर, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ मर्या. रायपुर के वेबसाइट www.cgmfpfed.org एवं कलेक्टर बलरामपुर के वेबसाइट www.balrampur.gov.in पर देखा जा सकेगा।
4. दावा आपत्ति की तिथि 15/10/2026 दोपहर 3:00 बजे तक (जिला लघु वनोपज सहकारी संघ बलरामपुर कार्यालय में)
5. आवेदन पत्र का प्रारूप एवं नियुक्ति हेतु निर्धारित योग्यताएं आयु सीमा, अन्य अर्हताएं, चयन प्रक्रिया तथा वेतन भत्ते संबंधित जानकारी जिला लघु वनोपज सहकारी संघ मर्या. बलरामपुर वनमण्डल बलरामपुर से निःशुल्क प्राप्त की जा सकती है या छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ रायपुर के वेबसाइट www.cgmfpfed.org एवं कलेक्टर बलरामपुर के वेबसाइट www.balrampur.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

प्रबंध संचालक
जिला वनोपज सहकारी संघ मर्यादित
बलरामपुर, जिला-बलरामपुर

संवाद-48636

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट होगा।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला — मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर — क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

गुरु खुशवंत ने किया कार्यकर्ताओं की समस्याओं का निराकरण

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में सोमवार को सहयोग केंद्र में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने उपस्थित रहकर कार्यकर्ताओं की समस्याओं का निराकरण किया। प्रदेशभर से लगभग 300 कार्यकर्ता पहुंचे। इस दौरान 100 के करीब आवेदन प्राप्त हुए। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने संबंधित अधिकारियों को इन आवेदनों के त्वरित व पारदर्शी निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र कुमार वर्मा एवं सहयोग केंद्र प्रभारी सच्चिदानंद उपासने विशेष रूप से मौजूद रहे। गुरु खुशवंत साहेब ने कहा, सहयोग केंद्र का मुख्य उद्देश्य शासन और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है, ताकि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं और राहत का लाभ पहुंच सके।

कार्यालय, प्रबंध संचालक,
छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड
"सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन" सेक्टर-24,
कयाबांधा, अटल नगर, नवा रायपुर-492018
फोन-0771-2990592, email-mdcgmandiboard@gmail.com,
website-www.agriportal.cg.nic.in

क्र./बी-6/मंडी जैजैपुर/49-02/2026-27/2587 रायपुर, दिनांक 31/07/2026,

ई-प्रावयूरमेंट द्वितीय आमंत्रण सूचना
Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in

कृषि उपज मंडी समिति जैजैपुर जिला सक्ती अंतर्गत छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड द्वारा ऑनलाईन निविदाएँ छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत, सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारो से प्रपत्र 'अ' प्रतिशत दर पर अधोलिखित निर्माण कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 17.08.2026
फिजिकल सबमिशन की अंतिम तिथि - 24.08.2026

क्र.	कार्य का नाम/स्थल	अनुमानित लागत (लाख में)	एस.ओ.आर विवरण
1	कृषि उपज मंडी समिति जैजैपुर क्षेत्रातंर्गत ग्राम पंचातय चिस्दा, हसौद, रायपुरा, हरेठीखुर्द (घोराडीपा), जमड़ी, परसाडीह, परसदा, मुक्ता एवं कांशीगढ़ में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	139.50	लो.नि.वि. भवन कार्य हेतु दिनांक 01.01. 2015 एवं विद्युत कार्य हेतु दिनांक 01.07. 2015 से प्रभावशील एस.ओ.आर.पर।

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्ते, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर निर्धारित तिथि तक देखे जा सकते है।

सही/- सचिव कृषि उपज मंडी समिति जैजैपुर जिला सक्ती
सही/- भारसाधक अधिकारी कृषि उपज मंडी समिति जैजैपुर जिला सक्ती

संवाद-48633

शब्द पहेली - 6307

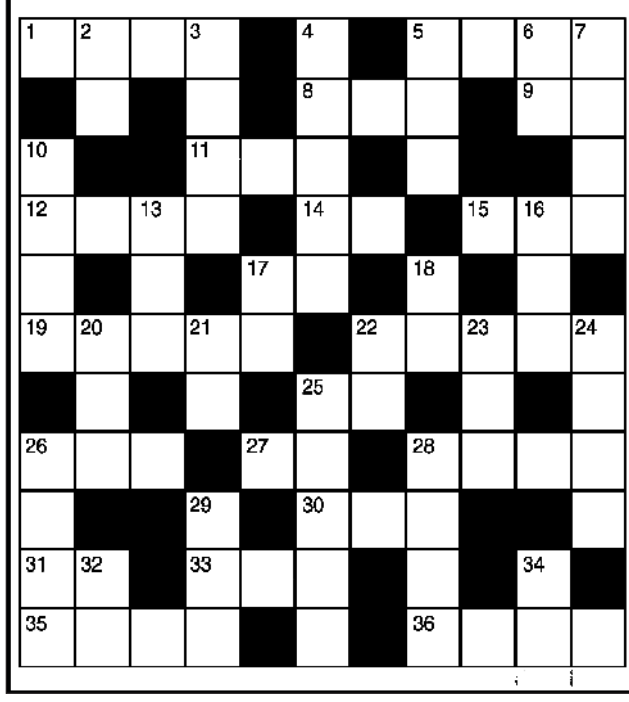

बाएँ से दाए
1. चिकित्सा, इलाज-4
5. पैतृक संपत्ति-4
8. बलवा, क्रांति-3
9. निम्न-2
11. सुअर, शूकर-3
12. चौबीसवें तीर्थंकर-4
14. केश-2
15. मुनाफा, अर्जित-3
17. मैदे की रोटी-2
19. मनोहर, आकर्षक-5
22. अनासक्ति, निर्विकारता-5
25. पानी, नीर-2
26. सूखा, दुष्काल-3
27. कांटा, कंटक-2
28. शांति, ध्वनिहीनता-4
30. तीक्ष्ण, तेजस्वी-3
31. लाख, गोंद-2
33. मधुक, महुआ-3
35. हृदयगति, स्पंदन-4
36. अनुक्रम, निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे
2. पंख, पराया-2
3. राम का एक नाम-4
4. संरक्षक, देखरेख करने वाला, मुहाफिज-5
5. वियोग, जुदाई-3
6. गलत का विलोम-2
7. एकांतता, अकेलापन-4
10. मरियल, निर्बल-4
13. 'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16. मक्खन-3
17. रिश्ता-2
18. लाश-3
20. माला का मोती-3
21. यमराज-2
22. ललाट-2
23. ताप वर्धक-3
24. विदिर्ण-2.2
25. पानी का बहना-5
26. जुर्म, गुनाह-4
28. रसहीनता-4
29. प्रणाम, नमस्कार-3
32. लड़ी, श्रृंखला-2
34. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली- 6306 का हल

सूडोकु नवताल- 6317

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6316 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

खबर संक्षेप

ट्राई ने 'माईकॉल' मोबाइल ऐप को फिर से किया पेश

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को 'माईकॉल' मोबाइल ऐप को नए अंदाज में पेश किया। इसकी मदद से उपभोक्ता अपने वॉयस-कॉलिंग अनुभव और गुणवत्ता का मूल्यांकन कर सकेंगे तथा इसके बारे में जानकारी दे सकेंगे। यह ऐप 1 से 5 स्टार तक फीडबैक के जरिये वॉयस कॉल की रेटिंग करने जैसी सुविधाएं देता है।

सारदा एनर्जी के लाभ में 10 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। सारदा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड (एसईएमएल) का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ लगभग 10 प्रतिशत बढ़कर 478 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 437 करोड़ रुपये था।

एनबीसीसी को सेशेल्स में मिला आवास बनाने का बड़ा ठेका

नई दिल्ली। एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने सेशेल्स में 1,008 किफायती आवास विकसित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। सेशेल्स गणराज्य की सरकार के साथ 'इले ऑरोर हाउसिंग परियोजना' के निर्माण के लिए समझौता किया है। परियोजना में संबंधित बुनियादी ढांचे के साथ 1,008 किफायती आवासीय इकाइयों का निर्माण किया जाएगा।

रुपया 12 पैसे चढ़कर 95.31 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया सोमवार को लगातार छठे कारोबारी सत्र में मजबूत बने रहने के साथ ही 12 पैसे की बढ़त के साथ 95.31 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमले टालने के फैसले के बाद डॉलर के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला।

वन मोबिक्विक ने 7.6 करोड़ रुपए का लाभ कमाया

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन मोबिक्विक सिस्टम्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 7.6 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी को 419.2 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। तिमाही आधार पर कंपनी का शुद्ध लाभ 73.7 प्रतिशत बढ़ा जबकि राजस्व 2.5 प्रतिशत घटा।

रुपए में मजबूती से सोने में 900 रुपए की गिरावट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोमवार को रुपये की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सुस्त हलचल के कारण सोने की कीमतें 900 रुपये गिरकर 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 900 रुपये टूटकर 1,47,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 1,48,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

वाहनों के बीच 'आपसी संवाद' से टलेंगे सड़क हादसे, वी2वी का प्रस्ताव

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए वाहन-से-वाहन (वी2वी) संचार प्रणाली को चरणबद्ध ढंग से लागू करने का प्रस्ताव रखा है। यह उन्नत प्रौद्योगिकी वाहनों के बीच सीधा संवाद स्थापित करती है, जिससे संभावित खतरों की समय रहते जानकारी मिल सके और दुर्घटनाओं को कम करने में मदद मिल सकती है।

- आसपास चल रहे वाहन आपस में वास्तविक-समय में जानकारी साझा करेंगे

मंत्रालय की मसौदा अधिसूचना के मुताबिक, वी2वी प्रणाली के तहत आसपास चल रहे वाहन आपस में वास्तविक-समय में जानकारी साझा करेंगे। इसमें वाहन की गति, स्थिति, दिशा और ब्रेक लगाने या गति बढ़ाने जैसी गतिविधियां शामिल होंगी। इन आंकड़ों के आधार पर वाहन या चालक को संभावित खतरे के बारे में पहले ही चेतावनी मिल सकेगी।

उन्नत प्रौद्योगिकी से दुर्घटना को कम करने में मदद मिल सकती है

सड़क सुरक्षा में बड़ा बदलाव ला सकती है

विशेषज्ञों के मुताबिक, वी2वी संचार प्रणाली भारत में सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला सकती है, खासकर उन स्थितियों में जहां ड्राइवर को खतरे का अंदाजा देर से होता है। हालांकि, इसके व्यापक उपयोग के लिए वाहनों में जरूरी हार्डवेयर, मानकीकरण और डेटा सुरक्षा जैसे पहलुओं पर भी ध्यान देना होगा।

प्रणाली समय रहते सावधान करेगी

उदाहरण के तौर पर, यदि आगे चल रहा वाहन अचानक ब्रेक लगाता है या किसी वाहन के साथ टक्कर का खतरा बनता है, तो पीछे आ रहे वाहन को तुरंत अलर्ट मिल जाएगा। इसी तरह, असुरक्षित ढंग से लेन बदलने, ड्राइवर को नजर न आने वाले ब्लाइंड स्पॉट या एंबुलेंस/फायर ब्रिगेड जैसे आपातकालीन वाहनों के पास आने पर भी यह प्रणाली समय रहते सावधान कर सकती है।

बैंड के इस्तेमाल को पहले ही छूट मिल चुकी : मसौदे में वी2वी और अन्य बुद्धिमान परिवहन प्रणाली (आईटीएस) के लिए 5.875 गीगाहर्ट्ज से 5.925 गीगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी बैंड के उपयोग का प्रस्ताव किया गया है। दूरसंचार विभाग पहले ही इस बैंड के इस्तेमाल को लाइसेंस की जरूरत से छूट दे चुका है, जिससे इस प्रौद्योगिकी को लागू करना आसान होगा।

प्रणाली को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा : परिवहन मंत्रालय ने केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में संशोधन के जरिये इस प्रणाली को चरणबद्ध तरीके से लागू करने की रूपरेखा भी पेश की है। इसके तहत अलग-अलग श्रेणी के वाहनों में इस प्रौद्योगिकी को समय के साथ अनिवार्य किया जा सकता है।

प्रणाली लगाया जाना होगा अनिवार्य

मसौदा अधिसूचना के तहत प्रस्तावित समय-सीमा के मुताबिक, एक अक्टूबर, 2027 या उसके बाद निर्मित एल, एम और एन श्रेणी के वे वाहन जिनमें वी2वी संचार प्रणाली लगी है तो उन्हें वी2वी संचार प्रणाली के लिए निर्धारित मानदंड एआईएस-230 का अनुपालन करना होगा। वहीं, एक अक्टूबर, 2028 या उसके बाद निर्मित एल, एम और एन श्रेणी के सभी वाहनों में एआईएस-230 मानक के अनुरूप वी2वी संचार प्रणाली का लगाया जाना अनिवार्य होगा।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में घटकर निचले स्तर पर

देश में विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि जुलाई में पांच साल के निचले स्तर पर

नए कारोबारी ऑर्डर की रफ्तार धीमी पड़ने से वृद्धि कम

पीएमआई जुलाई में घटकर 53.5 पर आ गया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि जुलाई में घटकर पांच साल के निचले स्तर पर आ गई। मुख्य रूप से चुनौतीपूर्ण बाजार परिस्थितियों के बीच नए कारोबारी ऑर्डर की रफ्तार धीमा पड़ने से वृद्धि कम रही। यह जानकारी सोमवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जुलाई में घटकर 53.5 पर आ गया जो जून में 54.2 था। यह अगस्त, 2021 के बाद का सबसे निचला स्तर है और दीर्घकालिक औसत 54.2 से भी कम है। एचएसबीसी इंडिया क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) नए ऑर्डर, उत्पादन, रोजगार, आपूर्तिकर्ताओं की डिलिवरी अवधि और खरीदे गए माल भंडार जैसे संकेतकों के आधार पर स्थिति का आकलन करता है।

प्रमुख उत्पादों में घट रही ग्राहकों की रूचि

क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) में 50 से ऊपर का स्तर गतिविधियों में विस्तार और 50 से नीचे का स्तर गिरावट को दर्शाता है। नए ऑर्डर में वृद्धि की दर जुलाई में चार वर्षों से अधिक समय में दूसरी सबसे कमजोर रही। सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने बताया कि विज्ञापन और मांग में मजबूती से बिक्री को कुछ सहारा मिला, लेकिन चुनौतीपूर्ण बाजार परिस्थितियों और प्रमुख उत्पादों में ग्राहकों की घटती रुचि ने इसे प्रभावित किया।

विज्ञापन और मांग में मजबूती से बिक्री को कुछ सहारा मिला

रोजगार सृजन लगातार तीसरे महीने कमजोर रहा

सर्वेक्षण में रोजगार के मोर्चे पर कहा गया कि भारत के विनिर्माण उद्योग में रोजगार सृजन लगातार तीसरे महीने कमजोर रहा। रोजगार वृद्धि की दर मौजूदा 29 महीने की निरंतर वृद्धि अवधि में सबसे धीमी रही। जुलाई में कंपनियों ने आपूर्ति श्रृंखला की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखा। वास्तव में कच्चे माल की डिलिवरी में लगने वाला समय सर्वेक्षण के इतिहास में लगभग रिकॉर्ड तेजी से घटा। इससे आपूर्ति श्रृंखला में उल्लेखनीय सुधार का संकेत मिला।

कच्चे माल व तैयार माल का भंडार बढ़ा

भंडारी ने कहा कि विनिर्माता कंपनियां संभावित व्यवधानों से बचाव के लिए तैयारी कर रही हैं। कच्चे माल और तैयार माल दोनों का भंडार बढ़ा है और खरीदारी की मात्रा में भी वृद्धि हुई है। इससे संकेत मिलता है कि कंपनियां आपूर्ति सुनिश्चित कर संभावित जोखिम को सीमित करने का प्रयास कर रही हैं।

मूल्य दबाव के रुख में भी बदलाव आया

भंडारी ने कहा, ''इस बीच उत्पादन और नए निर्यात ऑर्डर में मजबूती आई है। यह विशेष रूप से विदेशी बाजारों से मजबूत मांग का संकेत देती है। मूल्य दबाव के रुख में भी बदलाव आया है। कच्चे माल की मुद्रास्फीति कम हुई, लेकिन उत्पादों की बिक्री कीमतों के मामले में महंगाई तेज हुई। इससे संकेत मिलता है कि कंपनियां अपने मार्जिन की सुरक्षा के लिए लागत वृद्धि ग्राहकों पर डाल रही हैं।'

कंपनियों ने परिवहन लागत में वृद्धि की जानकारी दी

इस बीच, लागत का दबाव घटकर पांच महीने के सबसे निचले स्तर पर आ गया। हालांकि, कंपनियों ने विशेष रूप से परिवहन लागत में वृद्धि की जानकारी दी। वहीं बिक्री कीमतों में मध्यम स्तर की वृद्धि दर्ज की गई, जो जून के स्तर के लगभग समान रही। सर्वेक्षण में कहा गया, ''नए निर्यात ऑर्डर में तेज वृद्धि एक सकारात्मक संकेत है। साथ ही कारोबारी भरोसे में भी हल्का सुधार देखने को मिला।''

कारोबारी भरोसा मजबूत हुआ

विदेशी ऑर्डर में उल्लेखनीय और तेज वृद्धि दर्ज की गई। कंपनियों ने कनाडा, मिस्र, इंडोनेशिया, केन्या, नेपाल, दक्षिण अफ्रीका, थाइलैंड और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देशों से ऑर्डर बढ़ने की जानकारी दी। जून के हाल के निचले स्तर की तुलना में कारोबारी भरोसा मजबूत हुआ। कंपनियों ने मांग, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और नए ग्राहकों की पूछताछ को लेकर सकारात्मक रुख जताया।

महाराष्ट्र एफडीए लैब जांच में मशरूम-एड सूप पाउडर स्टेरॉयड-मुक्त प्रमाणित

नागपुर। मशरूम-एड सूप पाउडर को महाराष्ट्र राज्य के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) की अधिकृत प्रयोगशाला की जांच में स्टेरॉयड-मुक्त पाया गया है। कंपनी ने इसे उत्पाद की गुणवत्ता, शुद्धता और उपभोक्ता सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया है।

कंपनी के अनुसार, यह प्राकृतिक औषधीय मशरूम तथा चयनित आयुर्वेदिक एवं हर्बल घटकों से तैयार फूड सप्लीमेंट है। जांच में किसी भी प्रकार के स्टेरॉयड की मौजूदगी नहीं मिली, जिससे उपभोक्ताओं, विक्रेताओं और वितरकों का भरोसा और मजबूत हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार मशरूम-एड सूप पाउडर हाई प्रोटीन, हाई फाइबर तथा विटामिन और मिनरल्स का अच्छा स्रोत है। इसमें प्रयुक्त ऑयस्टर मशरूम एंटीऑक्सीडेंट और जैव-सक्रिय तत्वों से भरपूर होता है। संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली के साथ इसका सेवन सामान्य प्रतिरक्षा, ऊर्जा और समग्र स्वास्थ्य को सहयोग दे सकता है। कंपनी ने कहा कि गुणवत्ता और उपभोक्ताओं का विश्वास उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक हुई शुरू

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक सोमवार को शुरू हो गई। एमपीसी अपने फैसले की घोषणा पांच अगस्त यानी बुधवार को करेगी। वैश्विक अनिश्चितताओं और मुद्रास्फीति से जुड़े जोखिमों के बने रहने के बीच अधिकतर विशेषज्ञों का मानना है कि छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति के बावजूद सतर्क रुख अपनाएगी।

जुलाई अंत तक खरीफ बुवाई का रकबा घटा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चालू सत्र में जुलाई के आखिर तक धान जैसी खरीफ फसलों की बुवाई का रकबा तीन प्रतिशत घटकर 894.22 लाख हेक्टेयर रह गया है। हालांकि, सामान्य क्षेत्र के 81 प्रतिशत हिस्से में बुवाई का काम पूरा हो चुका है।

पिछले साल इसी अवधि में बुवाई का रकबा 920.71 लाख हेक्टेयर था। पूरे 2025-26 सत्र में खरीफ का कुल रकबा 1,143.27 लाख हेक्टेयर था। खरीफ की बुवाई जून में दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत के साथ होती है और कटाई अक्टूबर से शुरू होती है। मुख्य खरीफ फसल धान की बुवाई 31 जुलाई तक 301.49 लाख हेक्टेयर में हुई, जो एक साल पहले 308.39 लाख हेक्टेयर थी। इसमें कमी मुख्य रूप से मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, ओडिशा,

- रकबा तीन प्रतिशत घटकर 894 लाख हेक्टेयर पर
- सामान्य क्षेत्र के 81 प्रतिशत हिस्से में बुवाई का काम पूरा

हरियाणा, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश में देखी गई। दलहन का रकबा भी पहले के 101.60 लाख हेक्टेयर से घटकर 95.18 लाख हेक्टेयर रह गया। अरहर की बुवाई पहले के 38.44 लाख हेक्टेयर के मुकाबले घटकर 34.91 लाख हेक्टेयर और मूंग की बुवाई पहले के 32.23 लाख हेक्टेयर के मुकाबले घटकर 29.22 लाख हेक्टेयर रह गई।

नकदी फसलों में गन्ने का रकबा बढ़ा

नकदी फसलों में, गन्ने का रकबा 56.72 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 57.58 लाख हेक्टेयर हो गया, जबकि कपास का रकबा 106.06 लाख हेक्टेयर से घटकर 103.54 लाख हेक्टेयर रह गया। जूट या मेस्टा का रकबा पहले के 6.21 लाख हेक्टेयर से थोड़ा बढ़कर 6.33 लाख हेक्टेयर हो गया। कपास के रकबे में कमी महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, कर्नाटक और पंजाब में देखी गई।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा ने 385.93 करोड़ रुपए का लाभ कमाया

नई दिल्ली। कृषि और निर्माण उपकरण बनाने वाली प्रमुख कंपनी एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड ने सोमवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 385.93 करोड़ रुपये रहा है। एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 1,397.1 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया था। 2025-26 की पहली तिमाही में बंद किए गए परिचालन से कंपनी का शुद्ध लाभ 1,027.63 करोड़ रुपये था। ऐसे में बंद किए गए परिचालन सहित वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के साथ सीधे तौर पर तुलना योग्य नहीं है।

शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन तेजी से सेंसेक्स 544 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही और दोनों मानक सूचकांक लाभ में रहे। वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने के बीच कच्चे तेल के दाम में नरमी से बीएसई सेंसेक्स 544 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी 391 अंक के लाभ में रहा।

- वैश्विक तनाव कम होने से कच्चे तेल के दाम में नरमी
- विदेशी संस्थागत निवेशकों ने निवेश जारी रखा

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 544.39 अंक चढ़कर 78,639.03 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 800.46 अंक यानी एक प्रतिशत चढ़कर 78,895.10 अंक तक पहुंच गया था। निफ्टी 390.70 अंक यानी 1.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,774.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इंटरग्लोब एविएशन, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, इटर्नल, आईटीसी और एक्सिस

बैंक प्रमुख रूप से बढ़त में रहीं। दूसरी तरफ, सन फार्मा, भारती एयरटेल, मारुति और टाटा स्टील के शेयर नुकसान में रहे। छोटी कंपनियों से जुड़ा बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.87 प्रतिशत और मिडकैप 0.73 प्रतिशत चढ़ा। एसटी वेल्थ के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तथा शोध विश्लेषक हरिसेल्वन राधाकृष्णन ने कहा, ''चौतरफा लिवाली से भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई।'' वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 4.62 प्रतिशत टूटकर 83.88 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

काशी में मंगला...

श्रद्धालु पहुंचे। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में भी सावन के पहले सोमवार पर विशेष भस्म आरती और अभिषेक किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान महाकाल के दर्शन किए. वहीं गुजरात के प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ मंदिर में भी सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जल चढ़ाकर परिवार की सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की।

बांकीपुर में 30 साल...

रुझानों में जीत के संकेत मिलते ही भोपाल स्थित कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय में जश्न की शुरुआत हो गई और पार्टी कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों पर नृत्य किया और एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाईं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इसे 'दतिया की जनता की जीत, 2028 के विधानसभा चुनाव का शंखनाद और कांग्रेस नेताओं के सामूहिक प्रयास' का नतीजा करार दिया तो भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने जनादेश को स्वीकार करते हुए कहा कि पार्टी इसकी समीक्षा करेगी और उसके निष्कर्षों के आधार पर कदम उठाएगी। पटवारी ने नयी दिल्ली में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि दतिया की जनता ने मध्यप्रदेश की भाजपा नीत सरकार के भ्रष्टाचार, आतंक और अहंकार के चेहरे को बेनकाब कर दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी दतिया की जनता का सदैव आभारी रहेगी, जिन्होंने मध्यप्रदेश में 2028 के विधानसभा चुनाव का शंखनाद करते हुए बदलाव और भाजपा की विदाई की नींव रख दी है। पटवारी ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, उनके पुत्र व विधायक जयवर्धन सिंह, विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा और कमलेश्वर पटेल सहित कई अन्य नेताओं का नाम लेते हुए इस जीत को पार्टी के सामूहिक प्रयास का नतीजा बताया। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने उपचुनाव में जीत को पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता की मेहनत का परिणाम बताया और कहा कि वह दतिया की जनता का हृदय से अभिनंदन करते हैं क्योंकि उन्होंने सत्ता के दबाव में झुकने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, यह जीत सिर्फ एक उपचुनाव की जीत भर नहीं है, बल्कि देश और प्रदेश की हवा में हो रहे बदलाव का संकेत है। हमारे नेता राहुल गांधी ने देश के छात्रों में जो जागृति पैदा की है, आज वह समाज के हर वर्ग को आंदोलित कर रही है। कमलनाथ ने दावा किया भाजपा के कुशासन से समाज का हर वर्ग परेशान है और जनता अब इस भ्रष्ट शासन से मुक्ति चाहती है। उन्होंने कहा, 'इसी बदलाव की शुरुआत आज मां पीतांबरा की नगरी दतिया से हुई है। दिग्विजय सिंह ने एक बयान में दतिया की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह कांग्रेस के उन सभी जांबाज कार्यकर्ताओं को सलाम करते हैं, जिन्होंने सब दुख-दर्द सह कर भी कांग्रेस का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि यह जीत अपने आप में उनकी बहादुरी और उनकी कर्मठता को प्रमाणित करती है।

कहा-वेश्या की कॉलम ...

तरह से बंद कर देंगे। इसके बाद भी उन्होंने हमारी मांगें पूरी नहीं की तो उनका समुदाय अपनी पहचान सार्वजनिक करते हुए धरना प्रदर्शन करेगा। हरिभूमि में सोमवार को एचआईवी संक्रमित समुदाय को लेकर खबर का प्रमुखता से प्रकाशन किया गया। बताया जा रहा है कि जिसे बाद प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। बैठक में यह मांग प्रमुखता से उठी कि विहान सीएचसी का कार्य एचआईवी समुदाय के व्यक्तियों को फिर से दिया जाए। जिससे उनकी पहचान और गोपनीयता बरकरार रह सके। वहीं चिकित्सा व्यवस्था में उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्हें वेंटिलेटर और डाइलिसिस की सुविधा भी नहीं मिलती है। जिसके कारण कई एचआईवी संक्रमितों की मौत हो चुकी है। **शिकायत की, पर सुनवाई नहीं -** बैठक में यह बात भी सामने आई कि एचआईवी की दवा लेने के लिए अपने-अपने क्षेत्र में खोले गए एआरटी सेंटर से दवा दी जाती है, यहां से उनकी जानकारी गैर समुदाय या जिन्हें यह संक्रमण नहीं है, उन तक पहुचाई जा रही है। इसी के कारण वे लोग उनके मोहल्ले में पहुंचकर एचआईवी संक्रमित की तलाश कर रहे हैं। इसकी शिकायत एड्स कंट्रोल सोसायटी से भी की गई, लेकिन कोई अपेक्षित कदम नहीं उठाया गया है।

हेमंचद यादव विवि...

कुल सचिव भूपेन्द्र कुमार कुलदीप अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अमानत में खयानत की। रिपोर्ट पर पुलिस ने कुलदीप को गिरफ्तार किया है। 3 अगस्त को विश्वविद्यालय दुर्ग की दैनिक वेतनभोगी कर्मी शुभांगी मराठे ने कुलपति से शिकायत की थी। जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने वित्तीय अनियमितता और अमानत में खयानत का अपराध कुलसचिव के खिलाफ दर्ज किया था। जांच में मिला कि दैनिक वेतनभोगी महिला कर्मी शुभांगी तत्कालीन कुलसचिव भूपेन्द्र कुमार कुलदीप के निवास पर भोजन बनाने का कार्य भी करती थी। उसे प्रतिमाह शासकीय नियमानुसार 11 हजार 515 रुपए वेतन मिलता था। उसे प्रतिमाह 2200 रुपए देकर कुलसचिव द्वारा दबावपूर्वक फोनपे,पेटीएम के माध्यम से बेटे उदय कुलदीप के खाते में बाकी रकम ट्रांसफर कराते थे। कुलसचिव ने 6 फरवरी 2025 से 4 जुलाई के बीच कुल 1.49 लाख 384 रुपए का गबन किया। जांच टीम ने कुलसचिव के बैंक खाते, यूपीआई ट्रांजेक्शन को खंगालने पर कई साक्ष्य मिले। पद का दुरुपयोग कर अमानत में खयानत किये जाने की पुष्टि की। पुलिस ने भूपेन्द्र कुमार कुलदीप से पूछताछ करने पर घटना कारित करना स्वीकार किया।

शिकायत के बाद...

मातहत कर्मचारी पर दबाव बनाया। कर्मचारी के खाते में आने वाली सैलरी का अधिकांश हिस्सा डिजिटल पेमेंट के जरिए अपने पुत्र के खाते में ट्रांसफर कराकर आर्थिक लाभ लिया। इसे अमानत में खयानत और पद के दुरुपयोग का मामला माना गया है।

लूट और हत्या...

प्रकाश ने विरोध किया तो बदमाशों ने उन्हें चाकू से गोद दिया। किसी तरह उपसरंपच का दोस्त अपनी जान बचाकर भाग निकला। बदमाश मोबाइल फोन और 4000 रुपए नकद लूटकर फरार हो गए। बाइक पर सवार होकर चार बदमाश लूट की वारदात को अंजाम देने के लिए पहुंचे थे। प्रकाश सिंह का मोबाइल और उसके दोस्त की जेब से बदमाशों ने रकम निकाली थी। प्रकाश सिंह को गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर जेवरा सिरसा पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पीएम के लिए मरचूरी भेज दिया। मृतक की पत्नी देवती बाई कश्यप वर्तमान में उसी गांव की सरपंच हैं।

लो, अब मिठास भी...

स्टॉक सीमा तय कर दी है। कारोबारियों का कहना है कि गन्ने का समर्थन मूल्य बढ़ने और गन्ने का उपयोग एथेनाल बनाने में होने के कारण शक्कर की कमी हो रही है, जिसके कारण दाम बढ़ रहे हैं। उत्पादक कारोबारी हमेशा से ही त्योहारी सीजन से पहले एक-एक करके कई चीजों के दाम बढ़ा देते हैं। इसी कड़ी में अब शक्कर के दाम में आग लगी है। एक माह पहले तक शक्कर के दाम थोक में 38 से 40 रुपए और चिल्हर में 42 से 44 रुपए थे, लेकिन अब इसके दाम अचानक से करीब दस रुपए बढ़ गए हैं।

दाम बढ़ने का कारण ...

पूरा स्टॉक नहीं पहुंच रहा है। ऐसे में केंद्र सरकार ने अब 1 अगस्त से लेकर 30 नवंबर तक शक्कर के स्टॉक को लेकर नया नियम जारी किया है। इसमें कोई भी डीलर शक्कर का स्टॉक 400 टन यानी चार हजार क्विंटल से ज्यादा नहीं रख सकेगा। ज्यादा स्टॉक मिलने पर उसके खिलाफ एक्शन होगा।

दिव्यांगजनों को मिला...

सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक अपना योगदान दे सकें। राजधानी रायपुर में सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित प्रोजेक्ट 'सहारा' के अंतर्गत दिव्यांगजन सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिव्यांगजनों के प्रति देश की सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने केवल कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार ही नहीं किया, बल्कि उन्हें 'दिव्यांग' कहकर सम्मान और आत्मगौरव का नया भाव भी दिया। प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को आत्मसात करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार भी दिव्यांगजनों के जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर इंडोर स्टेडियम के जीर्णोद्धार, मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के लिए 7 करोड़ रुपये की राशि प्रदान किए जाने की घोषणा की।

1739 दिव्यांग प्रोजेक्ट सहारा से लाभांवित-

उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत पहले ही 500 से 600 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए जा चुके हैं, जबकि आज 1000 से अधिक हितग्राहियों को विभिन्न उपकरण प्रदान किए जा रहे हैं। इस प्रकार कुल 1739 दिव्यांगजन प्रोजेक्ट 'सहारा' के माध्यम से लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, यह पहल केवल उपकरण वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि दिव्यांगजनों को अधिक सम्मानजनक, स्वतंत्र और आत्मनिर्भर जीवन उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आधुनिक सहायक उपकरण बांटे गए-

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बड़ी संख्या में दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल, ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, हियरिंग एड, कृत्रिम हाथ-पैर, वैशाखी, वॉकिंग स्टिक तथा अन्य आधुनिक सहायक उपकरण वितरित किए। उन्होंने हितग्राहियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और कहा, ये उपकरण केवल सहायता सामग्री नहीं हैं, बल्कि आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और स्वावलंबन की नई शुरुआत हैं।

उनके जीवन को अधिक सुगम बनाएंगे : टंकराम-

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा, प्रोजेक्ट 'सहारा' के तहत वितरित किए जा रहे सहायक उपकरण दिव्यांगजनों के जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाएंगे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने देश में दिव्यांगजनों के प्रति सम्मान और

संवेदनशीलता का वातावरण तैयार किया है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार भी उनके सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

1600 दिव्यांगों की पहचान -

मुख्यमंत्री ने कहा, रायपुर जिले में विशेष अभियान चलाकर दिव्यांगजनों की व्यापक स्क्रीनिंग की गई, जिसमें 1600 से अधिक दिव्यांगजनों की पहचान की गई। इस महत्वाकांक्षी पहल के लिए भारत सरकार से 3 करोड़ 58 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री तथा भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

दिव्यांगजनों को...

समय-समय पर कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध करा रही है, जिससे वे दक्ष होकर आत्मनिर्भर बनें और सम्मानजनक रोजगार से जुड़ सकें।

कॉमनवेल्थ की पदक...

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ज्ञानेश्वरी को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए उन्हें 30 लाख रुपए प्रोत्साहन राशि तथा आउट ऑफ टर्न डीएसपी पद पर पदोन्नति देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा, यह सम्मान प्रदेश की प्रतिभा, परिश्रम और संकल्प का सम्मान है। मुख्यमंत्री ने कहा, ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने पहले ही राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर यह सिद्ध कर दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति, कठोर परिश्रम और अनुशासन के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

छात्रों के खिलाफ...

रहा हो। मेहता ने कहा कि गंभीर और जघन्य अपराधों से जुड़े आपराधिक रिकॉर्ड वाले 2,700 से अधिक लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस नहीं ली जाएंगी। सुनवाई के दौरान, वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने बताया कि प्रदर्शनों के दौरान वकीलों के बच्चों को भी पीटा गया। उन्होंने कहा, वीडियो बेहद चौंकाने वाले हैं। हमने अदालत को 300 वीडियो सौंपे हैं। चूंकि ऊपर से निर्देश आए हैं, इसलिए पुलिस आयुक्त को इन सब पर ध्यान देना चाहिए।' शंकरनारायणन ने कहा, हमने बिना वर्दी वाले उन लोगों की पहचान की है, जो कथित पुलिस ज्यादती में शामिल थे। पुलिस आयुक्त और आरएएफ (त्वरित कार्य बल) निदेशक को यह बताने का निर्देश दिया जाना चाहिए कि पुलिस ने पैलेट गन आदि का इस्तेमाल क्यों किया। मामले की अगली सुनवाई अब 18 अगस्त को होगी।

हरिभूमि-आईएनएच...

शासन की योजनाओं की प्रगति, चल रहे विकास कार्यों तथा स्थानीय समस्याओं पर विस्तार से चर्चा और मंथन होगा। **जिले के विकास, चुनौती पर मंथन-** कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, उद्योग-व्यापार जगत, प्रबुद्ध नागरिक एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ अपनी भागीदारी निभाएंगे। संवाद के माध्यम से जिले के विकास की दिशा, उपलब्धियों, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR

e-Procurement Tender Notice
Main Portal : http://eproc. cgstate.gov.in
(1st Call)

NIT NO: 19/ZONE 08/2026 — RAIPUR DATED : 03/08/2026

Online bids are invited for the following works up to 25/08/2026 at 17:30 hours.

Sr. No	System Tender No.	Name of Work/ Description of work	Probable amount of contract (In Lacs)
1	196659	महादेव घाट में मूर्ति विसर्जन कार्य एवं कुण्ड की सफाई कराये जाने हेतु क्रेन व्यवस्था कार्य।	41.87

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of chhattisgarh. e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 03/08/2026, 17:30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal NIT Details and other documents.

Note:- (1) All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal (2) Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. *Help Desk at Toll Free No. 18004199140* or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

ZONE COMMISSIONER
ZONE 08
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-Bengal Sweets फैक्ट्री में एक कुक, एक बर्तन साफ करने वाले, एक चाट वाले की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। रहने, खाने की सुविधा है। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 9343335328 (41556)

आवश्यकता है-यश सुपर बाजार में बीजी साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर एवं सेल्समैन की आवश्यकता है। वेतन-10000 से प्रारम्भ सम्पर्क करें- हरिभूमि के पास गौरव पथ, रिंग रोड नं.-2, बिलासपुर (41557)

आवश्यकता है-बिजी सॉफ्टवेयर के अनुभवी कम्प्यूटर जानकार एकाउंटेंट की आवश्यकता है। अनुभव न्यूनतम 2वर्ष बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- गजानन ग्लास मामा भांजा तालाब पुराना हाईकोर्ट रोड शिव टॉकीज बिलासपुर 91110 67200 (41548)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल थ्रीव्हीलर शोरूम में सेल्स मैनेजर, सेल्स एग्जीक्यूटिव युवक, युवतियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-मालवा टीवीएस ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा 88279 48333, 8103515508 (41543)

आवश्यकता है-सुरक्षा एजेन्सी के अन्तर्गत कार शोरुम में गार्ड (आयु 30वर्ष से 45वर्ष, ऊंचाई 5'-5", योग्यता 12वीं पास हो। वेतन 11000 से शुरु, तिफरा, सिरगिट्टी, चकरभाठा, बोदरी निवासी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से शाम 6बजे तक उमा सिक्युरिटी सर्विसेज बहतराई स्टेडियम चौक 99816 30084, 9981630042 (41536)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल्स दुकान में काम करने हेतु मेहनती युवतियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- प्रकाश इन्टरप्राइजेस सरजू बगीचा रोड तेलीपारा बिलासपुर 9329955344 (41559)

आवश्यकता हैं
एसबीटी महाविद्यालय, बिलासपुर, जिला बिलासपुर में विश्वविद्यालय परिनियम 28 के प्रावधानानुसार प्राचार्य सहित शैक्षणिक पदों के लिये आवेदन आमंत्रित किया जाता है।
पद- सहायक प्राध्यापक
संस्कृत- 1 पद, गणित- 1 पद
राजनीति विज्ञान- 1 पद
हिन्दी- 1 पद, अंग्रेजी- 1 पद
संगणक विज्ञान- 1 पद
रसायन शास्त्र- 1 पद
वनस्पति शास्त्र- 1 पद
जन्तु विज्ञान- 1 पद
भौतिक विज्ञान- 1 पद
माइक्रोबायोलॉजी- 1 पद
भूगोल- 1 पद, योगा- 1 पद
अर्थशास्त्र- 1 पद
मनोविज्ञान- 1 पद
दर्शन शास्त्र- 1 पद,
लाईब्रेरियन- 1 पद
क्रीड़ा अधिकारी- 1 पद
टीप.:- वेतन एवं योग्यता यूजीसी एवं राज्य शासन के नियम अनुसार। दिनांक- 20/08/2026 तक आवेदन निम्न पते पर जमा कर सकते हैं।
पत्र व्यवहार का पता
प्राचार्य
एसबीटी महाविद्यालय
कुदुदण्ड, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

आवश्यकता है-प्रतिष्ठित साड़ी शॉप में अनुभवी सेल्समैन- 6 (लड़के), हेल्पर -6 (लड़के/ लड़की) और 2 फ्लोर मैनेजर (लड़के/ लड़की) की। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 9755498703, 79870 65573 वसंत साड़ी सेन्टर, सदर बाजार, बिलासपुर (41540)

आवश्यकता है-मार्केटिंग मैनेजर-5पद, फिल्ड ऑफिसर- 10पद, काउंसलर -1पद, टेलीकॉलर-2पद की आवश्यकता है वेतन- 6000 से 15000, योग्यता- ग्रेजुएट, सम्पर्क करें- सुपर मार्केट अग्रसेन चौक बिलासपुर 9039980553 (1499)

आवश्यकता है
(1) प्रशिक्षण अधिकारी- 10 पद (इले. ITI., डिप्लोमा इले. बीई. मैकेनिकल, डिप्लोमा मैकेनिकल)
(2) कम्प्यूटर आपरेटर- 5 पद (PGDCA, MCA, BCA)
(3) प्यून- 5 पद (10वीं पास)
साक्षात्कार- 08/08/2026
दिन शनिवार (10.30 से 4 तक)
सम्पर्क करें- न्यू महाराणा आई.टी.आई. लोधीपारा पुराना सरकंडा बिलासपुर
9203914561
9425225997

आवश्यकता है-CCTV कैमरा/ डीटीएच फिटिंग, ऑफिस में हेल्पर, सेल्स मार्केटिंग, कम्प्यूटर वर्क हेतु लड़के, लड़कियां और जनरल शॉप हेतु लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क- निशानियां मार्केटिंग जूनी लाईन बिलासपुर 91310 42929, 7000209331 (3188)

आवश्यकता है- बिलासपुर में प्राइवेट लिमिटेड फर्म में एकाउंटेंट चाहिए। योग्यता Tally Prime GST रिटर्न TDS, TCS, Audit का अनुभवी। वेतन 25000 से 40000, Full time अनुभवी उम्मीदवार Resume Whatsapp करें-9575042811 (41527)

आवश्यकता है-मेडिकल एजेन्सी में कार्य हेतु (युवक/ युवतियां) सेल्समैन, ऑफिस स्टाफ, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राईवर चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- एकता मेडिकल एजेन्सी गंगा नगर फेस-2, मंगला चौक, बिलासपुर 8319675178, 9407600099 (1193)

आवश्यकता है-जिला स्तरीय कंपनी भर्ती पद- फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वन पाल, चपरासी, हेतु 10वी, 12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र- 18-42 सैलरी- 26500 -42500 आवेदन हेतु मार्क सीट, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो व्हाट्सएप/ कॉल करे- 9005465772 (118)

आवश्यकता है-सीएमडी चौक, बिलासपुर स्थित फर्नीचर शोरूम में कार्य करने हेतु एक लड़के की आवश्यकता है। अनुभवी उम्मीदवार को प्राथमिकता। मिलने का समय दोपहर 12बजे से शाम 4बजे सम्पर्क करें- 9300611049 (41555)

आवश्यकता है-कपड़ा दुकान हेतु अनुभवी सेल्समैन/ सेल्सगर्ल की। वेतन- योग्यतानुसार आधार सहित सम्पर्क- भारत किड्स वियर B-1 मेन रोड सुपर मार्केट, रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक बिलासपुर 98266 81000, 7049481000, (41546)

आवश्यकता है-विज्ञापन एजेन्सी में सुपरवाईजर, इलेक्ट्रीशियन, ई-आटो एवं ड्राईवर, की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सी-15 ग्राउंड फ्लोर, नारायण प्लाजा बिलासपुर 9685542250, 6264550163, 70490 98581 (41545)

आवश्यकता है-टायर दुकान में काम करने हेतु युवक की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सिन्ध ऑटो स्टोर्स गांधी चौक बिलासपुर (41554)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल टूव्हीलर शोरूम में फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव युवक, युवतियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जिंदल मालवा टीवीएस बिलासपुर 8827948333, 8103515508 (41544)

आवश्यकता है-नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए ट्रेण्ड नर्स एवं कम्पाउंडर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे होम रिंग रोड नम्बर-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 99819 70853 (41535)

आवश्यकता है- कुक की आवश्यकता है जो पिज्जा बर्गर एवं फास्ट फूड बना सके। सैलरी योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- Cafe Aura Loyla school road vasant vihar chowk rajkishor nagar bilaspur 8103087764 (41551)

आवश्यकता है-परसदा (सकरी) दीनदयाल हाउसिंग बोर्ड कंस्ट्रक्शन साईट में रहकर सिर्फ चौकीदारी काम करने हेतु चौकीदार की आवश्यकता है वेतन 7000 प्रतिमाह 40वर्ष से ऊपर वाले ही सम्पर्क करें- 98274 04638 (41550)

आवश्यकता है-फेब्रिकेशन कार्य हेतु 4 वेल्डर, 8 हेल्पर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से शाम 6बजे तक पता- उमेश इंजीनियरिंग धुरीपारा, मंगला बिलासपुर 9098220011, 80858 88288 (41514)

सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

आवश्यकता है-सर्जिकल ऑफिस में सामान छोड़ने, लाने हेतु लड़की/ लड़कों योग्यता 10वी, 12वी (स्वयं की बाइक अनिवार्य) एवं ड्राईवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्रीविनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 9893367787 (5419)

आवश्यकता है- बिलासपुर में वेटर के साथ झाड़ू पोछा करने वाले, अनुभवी बिजली मिस्त्री, वेल्डर वेल्डिंग शेड काम का जानकार मिस्त्री की तत्काल आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9406390898, 98279 40898 (41547)

आवश्यकता है-एक प्रतिष्ठित कलेक्शन एजेंसी को जशपुर/ लैलूंगा/ पत्थल गांव में निम्न लिखित पदों की आवश्यकता है फील्ड एग्जीक्यूटिव पद-15 सम्पर्क करें-7000324697 पता- ई-जेनेसिस फाइनेंसियल सोलूशन्स (0068)

आवश्यकता है-UTN Shop में सर्वे हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए। सैलरी 10000 से 15000 एवं रिसेप्शनिस्ट- 1पद सैलरी 6000, सम्पर्क करें- शॉप नं.-16 प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7999594790 7806007192 (41529)

बेचना है

बेचना है-2BHK फ्लैट चतुर्थ फ्लोर पर फालसिलिंग सहित 26लाख में उसलापुर ओवरब्रिज से पहले शुभम विहार डामर मेन रोड से 200मी. बटरफ़्लाई अपार्टमेंट में सम्पर्क-JBS infra-homes construction हेमूनगर मुर्राभट्टा तोरवा 9300000195 (41539)

बेचना है-बिलासपुर नया हाईकोर्ट के पास काली ढाबा के सामने 5168 वर्गफुट प्लॉट एवं मोपका में कमर्शियल डायवर्सन किया हुआ 2500 वर्गफुट प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें 78988 55268 (ब्रोकर क्षमा करें) (41541)

बेचना है-शहर के पॉश एरिया रिंग रोड नं-2 में स्वर्ण जयंती नगर गणेश हेरिटेज में सर्वसुविधायुक्त 3BHK फर्निश्ड फ्लैट 4th floor में (पार्किंग सुविधा उपलब्ध) सम्पर्क करें- 8120751000, 9981163443 (1500)

बेचना है-2BHK फ्लैट तृतीय फ्लोर, 29लाख लिफ्ट पार्किंग हेमू नगर, साई मंदिर के पास पाम अपार्टमेंट में डामर मेन रोड से 300मी. सम्पर्क-JBS infr-homes construction हेमू नगर मुर्राभट्टा तोरवा 93000 00195 (41538)

बेचना है-(1) चिल्हाटी मोपका 36 एवं 50 डिसमिल 30फिट चौड़ी रोड प्रीकास्ट बाउंड्री सहित (2) भारतीय नगर माधौ तालाब पास 1100 वर्गफीट (3) भारतीय नगर अयप्पा मन्दिर के पास प्लांट 1400 वर्गफीट (4) कड़ार नेशनल हाईवे से लगा प्लाट 70 डिसमिल 300 फीट फ्रंट (5) पेंड्रीडीह बोड़सरा में 19 डिसमिल प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 9479169997 (41560)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

➡जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
➡जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

➡शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
➡एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
➡श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
➡रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
➡जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
➡रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
➡भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
➡श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
➡एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
➡श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
➡अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
➡विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
➡माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
➡बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586
➡हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:-	मो. 8109229025

MedicareSpecialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/ Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sqcm
Bhilai+Durg Edition	440	560	520	150/- Sqcm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sqcm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sqcm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sqcm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sqcm
All CG+MP	1280	1750	1600	330/- Sqcm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sqcm

SCHEME
WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25
1. Pick of the day 15% extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100 Rs. EXTRA.
ADVT. Booking Time 10.30 am to 4.00 pm.
COLOUR 20% Extra Charge For Disply
GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3 Scheme

EDITION	RATE	Scheme
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500/- 1 Sunday	800/- 1 Sunday
900/- 2 Sunday	1200/- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE — 10X1 FIX SIZE

	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

राष्ट्रमंडल खेल : भारत का उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन, जूडो में चमके, मुक्केबाजों ने दिखाया दम

एजेंसी ▶▶| ग्लास्गो

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में कई ऐसे खेल शामिल नहीं थे, जिनमें भारत का रिकॉर्ड अच्छा रहा है लेकिन इसके बावजूद देश ने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया तथा मुक्केबाजों, जूडो खिलाड़ियों और पैरा एथलीटों के दमदार प्रदर्शन के बलबूते पर 39 पदकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में केवल 10 खेल शामिल थे। कुश्ती, निशानेबाजी, बैडमिंटन और हॉकी जैसे खेल इसमें शामिल नहीं थे, जिनमें भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा है। खेलों के शुरू होने से पहले नहीं लग रहा था कि भारत शीर्ष पांच में जगह बना पाएगा। लेकिन भारत का 122 सदस्यीय दल 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदक लेकर लौटा, जिससे पता चलता है कि देश अन्य खेलों में भी अच्छी प्रगति कर रहा है। भारत को चौथा स्थान दिलाने में मुक्केबाजी की भूमिका अहम रही।

मुक्केबाजों ने किए रिकॉर्ड 10 पदक हासिल

भारतीय मुक्केबाजों ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड सात स्वर्ण पदक और कुल मिलाकर 10 परक हासिल किए। जहां महिला मुक्केबाजों ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए शानदार प्रदर्शन किया, वहीं पुरुषों ने भी अपना पूरा दम दिखाया। इस प्रदर्शन को हालांकि इस संदर्भ में देखना जरूरी है कि कई यूरोपीय और एशियाई देशों की अनुपस्थिति के कारण प्रतियोगिता ओलंपिक या विश्व चैंपियनशिप जितनी कठिन नहीं थी। फिर भी भारत ने इस अवसर का पूरा लाभ उठाया।

जूडो में पहली बार मिला गोल्ड

इसके अलावा जूडो भी भारत के लिए एक और बड़ा सकारात्मक पहलू था। लंबे समय से हाशिये पर रहने वाले इस खेल में राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अपने पिता के निधन के कुछ महीनों बाद अस्मिता डे का स्वर्ण पदक और हर्ष सिंह का खिताब पिछले कुछ वर्षों में इस खेल में देश की निरंतर प्रगति का पता चलता है।

पैरा खेलों में बढ़ी ताकत

भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने भी बड़े मंच पर अपनी प्रगति जारी रखी। पावरलिफ्टिंग से लेकर एथलेटिक्स तक, भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि पैरालंपिक खेलों में उनकी सफलता कोई संयोग नहीं थी। विभिन्न खेलों में मिले पदकों से देश की पैरा खेलों में बढ़ती ताकत का पता चलता है।

एथलेटिक्स में भारत का प्रदर्शन मिश्रित

एथलेटिक्स में भारत का प्रदर्शन मिश्रित रहा। चोट से उबरकर लौटे ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा को रजत पदक से संतोष करना पड़ा और पदक के कुछ अन्य दावेदार भी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। लेकिन एथलेटिक्स में कुछ यादगार प्रदर्शन भी देखने को मिले। तेजस्विन शंकर ने घुटने की चोट से उबरते हुए डेकाथलॉन में पदक जीता, गुलवीर सिंह ने लंबी दूरी की दौड़ में अपनी छाप छोड़ी और वह दो पदक जीतने वाले भारत के एकमात्र खिलाड़ी रहे।

खबर संक्षेप

वीनस की जीत का इंतजार बढ़ा, कामिला से हारी

टोरंटो। वीनस विलियम्स का वापसी के बाद पहली जीत के लिए इंतजार और बढ़ गया क्योंकि उन्हें नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। वीनस को कामिला रखिमोवा ने 6-4, 6-1 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। बारिश के कारण यह मैच देर से खेला गया। इस डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली 46 वर्षीय वीनस जुलाई 2025 से लगातार 12 मैच हार चुकी हैं। 24 वर्षीय रखिमोवा उज्बेकिस्तान की रहने वाली हैं। वह विश्व रैंकिंग में 82वें स्थान पर काबिज हैं।

पाकिस्तान के बल्लेबाजी कोच बने स्मिथ

लाहौर। बल्लेबाजों के लगातार खराब प्रदर्शन से परेशान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर माइक स्मिथ को राष्ट्रीय टीम का नया बल्लेबाजी कोच बनाया है। वह आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए टीम के साथ जुड़ेंगे। लेवल चार के बल्लेबाजी कोच स्मिथ को टी20 फ्रेंचाइजी क्रिकेट के साथ काफी अनुभव है, विशेषकर पाकिस्तान सुपर लीग की कई टीम के साथ काम करने का। पीसीबी के सूत्र ने कहा कि स्मिथ के साथ यह करार मौखिक रूप से किया गया था। पीसीबी की ओर से विज्ञापन दिए जाने के बाद बल्लेबाजी कोच के पद के लिए आवेदन करने पर उन्हें दावेदारों की सूची से छांटा गया। स्मिथ को इस महीने इंग्लैंड में पाकिस्तान टीम से जुड़ने के लिए हरी झंडी मिलने की उम्मीद है, जहां 19 अगस्त से तीन टेस्ट मैच होने हैं।

आम सूचना

मैं विजय कुमार पटेल अधिवक्ता चांपा अपने असामी गिरिजा चंद्रा पिता रामस्वरूप चंद्रा की ओर से अधिकृत होकर आम जनता को सूचना देता हूँ कि मेरे असामी गिरिजा चंद्रा पिता रामस्वरूप चंद्रा ने स्वअर्जित आय से चांपा निवासी नवीन कुमार थवाणी पिता परस राम थवाणी से ग्राम चांपा स्थित भूमि खसरा नं.251/3 (थ) रकबा 0.0220 हेक्टेयर भूमि को 15,0000 रूपये में क्रय कर दिनांक 21/06/2010 को पंजीकृत विक्रय पत्र निष्पादित करायी थी जो राजस्व अभिलेख में मेरे असामी के नाम पर दर्ज है, तथा विक्रय पत्र का मूल स्टॉम्प पेपर अपने घर में रखी थी तथा मेरे असामी के मकान से उक्त विक्रय पत्र का मूल स्टॉम्प पेपर गूम गया है जिसे पता करने पर (खोजबीन करने पर) नहीं मिल पाया तथा मेरे असामी के द्वारा चांपा स्थित भूमि खसरा नं.251/3 (थ) रकबा 0.0220 हेक्टेयर भूमि का मूल स्टॉम्प पेपर को किसी व्यक्ति अथवा संस्था के पास गिरवी नहीं रखी है नहीं ऋण राशि ली है और नहीं मेरे असामी के नाम पर आज दिनांक तक किसी व्यक्ति अथवा संस्था के नाम पर ऋण राशि (देय बकाया राशि) नहीं है।

अतः मैं आम जनता को सूचित करता हूँ कि मेरे असामी गिरिजा चंद्रा पिता रामस्वरूप चंद्रा के नाम पर चांपा स्थित भूमि खसरा नं.251/3 (थ) रकबा 0.0220 हेक्टेयर भूमि के संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था किसी प्रकार का स्वत्व संबंधी हितबद्ध रखते है तो आप अथवा अपने अधिकृत व्यक्ति के द्वारा 15 दिवस के अंदर दावा आपत्ति पेश कर सकते है अन्यथा बाद में पेश किये गये दावा आपत्ति मान्य नहीं होगा।

सो सूचना जाने

विजय कुमार पटेल
अधिवक्ता, चांपा
मो. नं. 9755854691
दिनांक 2/8/2026

चोटिल बुमराह की जगह श्रीलंका के खिलाफ खेलेंगे सीरीज

औकिब बने कश्मीर घाटी के पहले टेस्ट क्रिकेटर, श्रीलंका दौरे पर दिखाएंगे दम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी को चोटिल जसप्रीत बुमराह की जगह श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया।

इस तरह से वह भारत की टेस्ट टीम में जगह बनाने वाले कश्मीर घाटी के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। नबी को पहली बार सीनियर राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है।

चोट के कारण श्रीलंका दौरे से बाहर बुमराह

बुमराह को फिटनेस के आधार पर टेस्ट टीम में शामिल किया गया था लेकिन वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के दौरान बाएं घुटने में लगी चोट से अभी तक पूरी तरह नहीं उबर पाने के कारण श्रीलंका दौरे से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने कहा, 'पुरुष चयन समिति ने बुमराह के स्थान पर औकिब नबी को टीम में शामिल किया है। जम्मू और कश्मीर के इस तेज गेंदबाज को पहली बार सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है।'

श्रीलंका ए के खिलाफ चटका चुके हैं 6 विकेट

आकिब नबी ने हाल ही में श्रीलंका ए के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 6 विकेट चटकाए थे, जिसमें एक ही पारी में 4 विकेट हॉल लेना शामिल था। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में आकिब नबी ने कुल 43 मैच खेले हैं और इस दौरान उन्होंने 71 पारियों में 18.63 की बेहतरीन औसत और 2.90 की शानदार इकॉनमी रेट के साथ 162 विकेट हासिल किए हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उन्होंने 16 बार 5 विकेट हॉल और 4 बार 10 विकेट हॉल लेने का कीर्तिमान अपने नाम किया है।

रणजी ट्रॉफी के दो सत्रों में 104 विकेट

कश्मीर के बारामूला के गांव के रहने 29 वर्षीय नबी जम्मू कश्मीर के तीसरे खिलाड़ी हैं, जिन्हें भारत की सीनियर टीम में चुना गया है। उनसे पहले परवेज रसूल और उमरान मलिक को सीमित ओवरों के लिए सीनियर राष्ट्रीय टीम में चुना गया था। रसूल और मलिक सीमित ओवरों के प्रारुप में भारत के लिए खेल चुके हैं। नबी ने पिछले दो रणजी ट्रॉफी सत्र में कुल 104 विकेट लिए थे, जिनमें 2025-26 सत्र में लिए गए 60 विकेट भी शामिल हैं। उन्होंने जम्मू कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। वह बल्लेबाजी में भी उपयोगी योगदान देने में सक्षम हैं। वह हाल ही में श्रीलंका दौरे पर गई भारत ए टीम का भी हिस्सा थे, जहां उन्होंने दो प्रथम श्रेणी मैचों में 6 विकेट लिए थे। श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला 15 अगस्त को गॉल में शुरू होगी।

भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जड़ेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, औकिब नबी।

दलीप ट्रॉफी

नार्थ जोन के लिए खेलेंगे अर्शदीप वधावन संभालेंगे टीम की कमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को 23 अगस्त से शुरू होने वाली दलीप ट्रॉफी के लिए जम्मू कश्मीर के विकेटकीपर कन्हैया वधावन की अगुवाई वाली उत्तर क्षेत्र की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

■ उत्तर क्षेत्र के लिए टीम का ऐलान, बदोनी को बनाया गया उपकप्तान

हरियाणा के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को भी उत्तर क्षेत्र की टीम में शामिल किया गया है। जम्मू कश्मीर की ऐतिहासिक रणजी ट्रॉफी जीत के बाद चयनकर्ताओं ने वहां के छह खिलाड़ियों को टीम में जगह देकर उनके प्रदर्शन को सम्मान दिया है। वधावन के अलावा सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल, हरफनमौला अब्दुल समद, बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक, तेज गेंदबाज सुनील कुमार और युधवीर सिंह को भी टीम में शामिल किया गया है। दिल्ली के आयुष बदोनी को उपकप्तान बनाया गया है।

दिल्ली के 4 खिलाड़ियों को टीम में जगह

चयनकर्ताओं का मानना है कि दलीप ट्रॉफी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी दावेदारी मजबूत करने वाले खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण मंच है। जम्मू कश्मीर के बाद दिल्ली के सबसे अधिक चार खिलाड़ियों को टीम में जगह मिली है। इनमें सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान, पूर्व कप्तान यश ढुल, मध्यक्रम के बल्लेबाज आयुष दोसेजा और उपकप्तान बदोनी शामिल हैं। स्पिन और हरफनमौला विकल्प के रूप में निशांत सिंधू, आबिद मुश्ताक और अर्जुन शर्मा को टीम में शामिल किया गया है।

'टूर डी फ्रांस फेम्स'

रेस में शामिल होने वाली पहली भारतीय महिला बनीं हर्षिता

एजेंसी ▶▶| एगल

भारत की युवा साइकिलिस्ट हर्षिता जाखड़ ने प्रतिष्ठित 'टूर डी फ्रांस फेम्स' का हिस्सा बनने वाली पहली भारतीय महिला बन कर इतिहास रच दिया है।

राजस्थान की 19 साल की खिलाड़ी ने रविवार को इस कठिन बहु-चरणीय साइकिल रेस के दूसरे चरण के औपचारिक शुभारंभ (सेरेमोनियल स्टार्ट) में आठ प्रतिभाशाली साइकिलिस्ट के दल का नेतृत्व किया। इस दल में अफगानिस्तान, अल्जीरिया, चिली, इथियोपिया (दो साइकिलिस्ट), नामीबिया और युगांडा की खिलाड़ी शामिल थीं। प्रतियोगिता की शुरुआत एक अगस्त को लुसान से हुई और इसका समापन 9 अगस्त को नीस में होगा।

सपना हुआ पूरा : हर्षिता

हर्षिता ने कहा, 'बचपन में अपने पिता की प्रेरणा से मुझे साइकिलिंग से लगाव हुआ और तभी से टूर डी फ्रांस में भाग लेना मेरा सपना रहा है। मैं यूसीआई की आभारी हूं कि उसने मुझे महिला रेस के दूसरे चरण की शुरुआत में दुनिया की अन्य प्रतिभाशाली साइकिलिस्टों के साथ सवारी करने का अवसर दिया।' जूनियर स्तर पर विभिन्न टूर्नामेंटों में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने वाली हर्षिता का लक्ष्य 2026 एशियाई खेलों में शीर्ष 10 में जगह बनाना और 2030 में पदक जीतना है। 'टारगेट एशियाई खेलों' समूह की खिलाड़ी हर्षिता भारतीय खेल प्राधिकरण के पटियाला स्थित राष्ट्रीय उतकृष्टता केन्द्र में अपने पिता और कोच राकेश जाखड़ की देख-रेख में अभ्यास करती है।

अमेरिकी क्रिकेटर अखिलेश रेड्डी पर आठ साल का बैन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका (यूएसए) के क्रिकेटर बोडुगम अखिलेश रेड्डी पर सभी तरह के क्रिकेट से 8 साल का बैन लगाया है। उन्हें एंटी-करप्शन ट्रिब्यूनल ने एंटी-करप्शन कोड के तीन नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाया है।

26 वर्षीय रेड्डी पर ये कार्रवाई संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले अबू धाबी टी10 टूर्नामेंट के 2025 एडिशन से जुड़ी भ्रष्ट गतिविधियों के कारण की गई है। आईसीसी को एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इस लीग के लिए 'डेजिग्नेटेड एंटी-करप्शन ऑफिशियल' (डीएसीओ) के तौर पर नियुक्त किया था। आईसीसी के मुताबिक रेड्डी का 8 साल का सस्पेंशन 21 नवंबर 2025 से लागू माना जाएगा, जब उन्हें पहली बार अस्थायी रूप से सस्पेंड किया गया था। ट्रिब्यूनल की औपचारिक कार्रवाई के बाद, रेड्डी को एंटी-करप्शन कोड के तहत तीन मुख्य नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। आईसीसी ने कहा, आर्टिकल 2.1.1: एडीटी10 2025 में मुकाबलों के नतीजे, प्रगति, आचरण या किसी अन्य पहलू को फिक्स करने, उसकी साजिश रचने या गलत तरीके से प्रभावित करने की कोशिश करना, या किसी भी तरह से फिक्सिंग या साजिश या गलत तरीके से प्रभावित करने के समझौते या प्रयास में शामिल होना है।

तन्वी और श्रीकांत संभालेंगे भारतीय चुनौती की कमान

एजेंसी ▶▶| आसन

ताइपे ओपन की चैंपियन तन्वी शर्मा और किदांबी श्रीकांत मंगलवार से शुरू हो रहे कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। पंजाब की 17 वर्षीय तन्वी पर कोरिया ओपन में प्रदर्शन पर सभी की निगाह टिकी रहेगी। वह महिला एकल में क्वालीफायर के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। पुरुष एकल में तीसरे वरीय श्रीकांत पर नजर रहेगी, जो फिटनेस समस्या के कारण कनाडा ओपन में नहीं खेल पाए थे। वह अब पूरी तरह से फिट हैं और इजरायल के डैनियल डुबोवेंको के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगे।

टेस्ट : पाक के खिलाफ वेस्टइंडीज मजबूत

पोर्ट ऑफ स्पेन। जस्टिन ग्रीव्स के नाबाद अर्धशतक और रोस्टन चेज़ के साथ उनकी 66 रन की अटूट साझेदारी की मदद से वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन 5 विकेट पर 239 रन बनाए। खराब रोशनी के कारण 74 ओवरों के बाद दिन का खेल समाप्त होने के समय ग्रीव्स 64 और चेज़ 36 रन पर खेल रहे थे। इससे पहले ग्रीव्स ने शाई होप (29) के साथ पांचवें विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी की थी। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग ने उसे आक्रामक शुरुआत देते हुए 50 गेंदों में 46 रन बनाए। बारिश के कारण सुबह के सत्र में केवल 9.5 ओवर ही फेंके जा सके, जिसमें किंग ने तेगनारायण चंद्रपॉल (15) के साथ पहले विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी की।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
भिलाई इस्पात संयंत्र
भिलाई, जिला- दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत-490001
Great Place To Work Certified

ईओआई सं.: Mines/EOI/2026 दिनांक : 29.07.2026

ईओआई सूचना (EOI NOTICE)

Comprehensive Maintenance & Repair Contract of HEME Fleet
हेतु ठेका प्रदान करने के लिए रुचि अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है

ईओआई से संबंधित दस्तावेज़ सेल की वेबसाइट www.sailtenders.co.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

1. ईओआई प्रस्तुत करने की समय-सारिणी
(क) दस्तावेज़ डाउनलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय : 01.09.2026 (दोपहर 01:00 बजे)
(ख) पूर्ण रूप से भरे हुए दस्तावेज़ जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : 01.09.2026 (दोपहर 01:30 बजे)
(ग) प्री-बिड बैठक : 11.08.2026 (प्रातः 11:00 बजे)
(घ) प्री-बिड बैठक का स्थान : खदान कार्यालय, दल्ली राजहरा, जिला-बालोद, छत्तीसगढ़ - 491228. किसी भी प्रकार की जानकारी/स्पष्टीकरण हेतु निम्नलिखित अधिकारियों से संपर्क करें
(क) महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड एस) श्री मयराम ठाकुर संपर्क नं.: 9407983572, ई-मेल: mayaramthakur@sail.in
(ख) महाप्रबंधक (एम एंड एस) श्री एन.के. साहू संपर्क नं.: 9407981355, ई-मेल: nandkishoresahu@sail.in

विज्ञापन.क्र.-बीएसपी-07/26-27/दिनांक : 03/08/2026

पंजीकृत कार्यालय : इस्पात भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली, 110003
Corporate Identity Number : L27109DL1973GOI006454.Website: www.sail.co.in
हर किसी की ज़िन्दगी से जुड़ा हुआ है सेल

कार्यालय, नगर पालिका परिषद् खरसिया जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

क्रमांक /651/न.पा.प./ लो.नि.वि/2026-27 खरसिया, दिनांक 3/08/26

।। ई-प्रोक्योरमेन्ट द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना ।।

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षमत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. Bid Start Date :- 03-08-2026 Time 5.30 PM
2. Last Date of Online Submission for Technical & Financial Bid :- 19-08-2026 Time 5.30 PM
3. Last Date for Submission of physical bid :- 21-08-2026 Time 5.30 PM
4. Bid Open Date :- 24-08-2026 Time 11.00 AM

क्र.	सि.नि.क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	अमानत राशि एफ.डी. आर/टी.डी. आर के रुप में
1	196667	वार्ड क्र. 16 मेन रोड (डभरा रोड) न्यूगबेल टेलर्स से बंधवा तालाब तक बी.टी. रोड निर्माण कार्य।	11.06	8500.00

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट https://uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय आकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् खरसिया

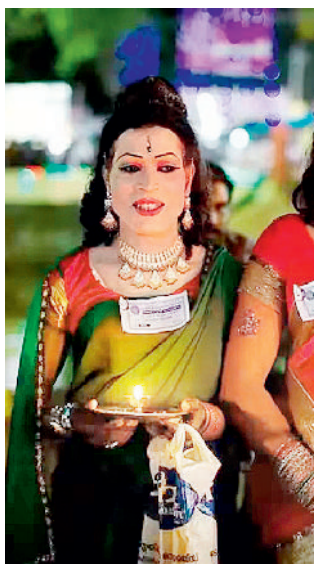

इस मंदिर में महिलाओं की तरह सज-धजकर पूजा करते हैं पुरुष

तिरुवनंतपुरम। दुनिया भर में ऐसे कई मंदिर हैं, जिनको लेकर तरह-तरह की मान्यताएं हैं। भारत में आस्था और परंपराओं के कई अनोखे रूप देखने को मिलते हैं, लेकिन केरल का कोट्टनकुलंगरा देवी मंदिर सबसे अलग हैं, जो अपनी अनोखी परंपरा के कारण देश-विदेश में चर्चा का केंद्र है। यहां मंदिर में प्रवेश करने और देवी के दर्शन के लिए पुरुषों को बाकायदा महिलाओं की तरह साड़ी पहनकर सोलह श्रृंगार करना होता है। इस अनोखी परंपरा के पीछे एक पौराणिक कथा और लोगों का विश्वास जुड़ा हुआ है। दरअसल, कोट्टनकुलंगरा देवी मंदिर में हर साल 'चामयाविलक्कु' उत्सव मनाया जाता है, जहां पुरुष साड़ी और 16 श्रृंगार करके देवी की पूजा करते हैं। इस दो दिन के उत्सव के दौरान मंदिर परिसर का नजारा देखने लायक होता है।

जब मंदिर में प्रवेश के लिए पुरुषों को बदलना पड़ता है रूप

क्या आपने अब तक किसी ऐसे धार्मिक स्थल के बारे में सुना है, जहां पुरुषों का पैंट-शर्ट या कुर्ता पहनकर जाना मना हो? केरल के कोल्लम जिले में स्थित कोट्टनकुलंगरा देवी मंदिर में कुछ ऐसा ही नियम है। यहां 'चामयाविलक्कु' उत्सव के दौरान हजारों की तादाद में पुरुष साड़ी पहनकर पहुंचते हैं। इस दौरान वो केवल साड़ी ही नहीं पहनते, बल्कि चेहरे पर मेकअप, बालों में गजरा और ज्वेलरी भी पहनते हैं। यही नहीं पुरुषों को तैयार करने के लिए मंदिर के आसपास बाकायदा मेकअप आर्टिस्ट और ब्यूटी पार्लर के स्टॉल लगाए जाते हैं।

चरवाहों की कथा से जुड़ी है अनूठी परंपरा

दरअसल, इस मंदिर से एक बेहद दिलचस्प मान्यता जुड़ी हुई है। कहा जाता है कि सदियों पहले कुछ चरवाहे लड़के लड़कियों के कपड़े पहनकर पूजा किया करते थे। उसी समय देवी वहां प्रकट हुईं और उन्हें आशीर्वाद दिया। बस तभी से यह परंपरा चली आ रही है कि, जब भी कोई पुरुष सच्चे मन से महिला के रूप में यहां आता है, देवी मां उसकी हर मनोकामना पूरी करती हैं।

रोचक खबरें

राजस्थान से लेकर अफ्रीका के सहारा तक गायब हो रहा रेगिस्तान का जहाज

अदीस अबाबा। ऊंट को रेगिस्तान का जहाज कहा जाता है, लेकिन दुनिया भर में बढ़ते तापमान की मार से यह मजबूत जानवर भी खुद को नहीं बचा पा रहा है। भारत के राजस्थान से लेकर अफ्रीका के सहारा तक गर्मी के चलते ऊंटों की मौत हो रही है। अफ्रीका के रेगिस्तान में सदियों से लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा रहे ऊंट धीरे-धीरे गायब हो रहे हैं। 2025 में छपी स्टडी में बताया गया है कि ज्यादा तापमान और मौसम में बदलाव का असर ऊंटो की सेहत पर बड़ा है। दुनिया में सबसे ज्यादा संख्या में एक कूबड़ वाले ऊंट उत्तरी अफ्रीका और हॉर्न ऑफ अफ्रीका में पाए जाते हैं। इथियोपिया का अफार इलाका यहीं है, जहां खानाबदोश लोग अक्सर रेगिस्तान से नमक ले जाने वाले ऊंटों के कारवां को ले जाते हैं। अफार के सोमेरा में लगभग 500 ऊंटों के मालिक अली उमर ने बताया कि उन्होंने एक महीने में भीषण गर्मी के चलते ऊंटों का बच्चों को खो दिया है। उन्होंने कहा कि गर्मी बहुत ज्यादा बर्दाश्त के बाहर हो गई है। वैज्ञानिक और जानवरों के कल्याण के लिए काम करने वाली स्टडीज भी यही बताती हैं। 2025 में छपी स्टडी के अनुसार, लोगों ने बताया कि जलवायु परिवर्तन और मौसम में बदलाव का ऊंटों की सेहत, उत्पादकता और प्रजनन क्षमता पर असर पड़ा है। इसी साल जून में छपी रिसर्च से पता चलता है कि पड़ोसी देश सोमालिया में हालात और भी गंभीर हैं। यहां सूखे के कारण ऊंटों की मौत एक बड़े संकट के रूप में सामने आई है। ऊंटों पर यह संकट केवल अफ्रीका तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर भारत के थार रेगिस्तान में भी साफ दिखाई दे रहा है।

धरती पर नए महाद्वीप अमेसिया का होगा जन्म, गायब होगा सबसे बड़ा समुद्र?

वॉशिंगटन। दुनिया के सबसे बड़े महासागर को लेकर वैज्ञानिकों ने सबसे चिंताजनक भविष्यवाणी की है। वैज्ञानिकों में इस महासागर के अस्तित्व को लेकर चिंता है। वैज्ञानिकों ने प्रशांत महासागर के सिकुड़ने के पीछे टेक्टोनिक प्लेट्स को जिम्मेदार ठहराया है। प्रशांत महासागर जो पृथ्वी की सतह पर मौजूद सबसे बड़ी संरचना है वो धीरे-धीरे छोटा होता जा रहा है और यह बात जितनी हैरान करने वाली है उतनी ही चौंकाने वाली भी है। एनओएए ओशन एक्सप्लोरेशन ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि प्रशांत महासागर 155 मिलियन वर्ग किलोमीटर (लगभग 60 मिलियन वर्ग मील) से ज्यादा इलाके में फैला हुआ है। धरती पर मौजूद सभी महाद्वीपों और द्वीपों का कुल जमीनी इलाका लगभग 149 मिलियन वर्ग किलोमीटर है। इस तरह प्रशांत महासागर अकेले ही इन सबसे बड़ा है और फिर भी काफी जगह बच जाती है। यह धरती की सतह के लगभग एक-तिहाई हिस्से को घेरे हुए है और दुनिया के महासागरों के कुल पानी का लगभग आधा हिस्सा इसमें है। अटलांटिक महासागर जिसे ज्यादातर लोग एक बहुत बड़े जल-क्षेत्र के तौर पर देखते हैं उसमें प्रशांत महासागर के मुकाबले आधा ही पानी है। लगभग 200 से 250 मिलियन साल पहले जब सुपरकॉन्टिनेंट पैंजिया टूटा और प्राचीन सुपर-ओशन पैंथालासा में दरार आई तब प्रशांत महासागर बना। जैसे-जैसे टेक्टोनिक प्लेट्स ने ज़मीन को अलग किया अटलांटिक महासागर बना और विशाल पैंथालासा सिकुड़कर उस रूप में आ गया जिसे हम आज प्रशांत महासागर कहते हैं।

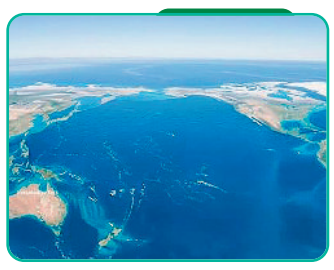

रोबोट करते हैं हर यात्री का स्वागत!

दुनिया का इकलौता एयरपोर्ट, जिसके अंदर है झरना और तितली पार्क

दुनिया में ऐसे कई एयरपोर्ट हैं, जो अपनी आधुनिक सुविधाओं, शानदार डिजाइन और बेहतरीन सेवाओं के लिए मशहूर हैं। कहीं आलीशान लाउंज हैं, तो कहीं यात्रियों के लिए लग्जरी शॉपिंग और मनोरंजन की सुविधाएं मौजूद हैं। लेकिन सिंगापुर का चांगी एयरपोर्ट इन सबसे बिल्कुल अलग है। यह सिर्फ एक एयरपोर्ट नहीं, बल्कि अपने आप में एक बड़ा पर्यटन स्थल बन चुका है।

सिंगापुर। यहां लोग सिर्फ फ्लाइट पकड़ने नहीं आते, बल्कि घूमने, समय बिताने, फोटो खिंचवाने, खरीदारी करने और यहां तक कि शादी और दूसरे खास समारोह आयोजित करने भी पहुंचते हैं। इसकी खूबसूरती और अनोखी सुविधाएं इसे दुनिया के सबसे सुंदर एयरपोर्ट्स में शामिल करती हैं। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर भी चांगी एयरपोर्ट की तस्वीरें और वीडियो अक्सर वायरल होते रहते हैं।

चांगी एयरपोर्ट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके अंदर कदम रखते ही ऐसा महसूस होता है, जैसे आप किसी घने जंगल में आ गए हों। यहां हजारों पेड़-पौधे और रंग-बिरंगे फूल लगाए गए हैं, जो पूरे माहौल को प्राकृतिक बना देते हैं। हरियाली से भरे इस एयरपोर्ट में चलते हुए यात्रियों को शहर की भीड़भाड़ का एहसास ही नहीं होता। यही कारण है कि कई लोग अपनी कनेक्टिंग फ्लाइट के दौरान भी यहां समय बिताना पसंद करते हैं। यहां बटरफ्लाई पार्क भी है जहां हजारों तितलियां रहती है और लोग वहां जाकर उन्हें देख सकते हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा इनडोर झरना है सबसे बड़ा आकर्षण

चांगी एयरपोर्ट का सबसे मशहूर आकर्षण 'रेन वोर्टेक्स है। लगभग 130 फीट ऊंचा यह इनडोर झरना दुनिया का सबसे बड़ा इनडोर वॉटरफॉल माना जाता है। कांच से बने विशाल गुंबद के बीचों-बीच गिरता यह झरना दिन में जितना खूबसूरत दिखता है, रात में रंग-बिरंगी रोशनी और म्यूजिक शो के साथ उसका नजारा और भी ज्यादा शानदार हो जाता है। यही जगह सबसे ज्यादा पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

स्विमिंग पूल, गार्डन और मनोरंजन की ढेरों सुविधाएं

चांगी एयरपोर्ट सिर्फ यात्रा करने की जगह नहीं है, बल्कि यहां मनोरंजन के भी कई विकल्प मौजूद हैं। एयरपोर्ट की छत पर बना स्विमिंग पूल यात्रियों को आराम करने का मौका देता है। इसके अलावा यहां चार मंजिला गार्डन बनाया गया है, जहां कई तरह के पौधे लगाए गए हैं। यहीं नहीं, एयरपोर्ट में फिल्म थिएटर, बच्चों के खेलने की जगह, शॉपिंग मॉल, रेस्टोरेंट और कैफे जैसी कई सुविधाएं भी हैं।

दुनियाभर के पर्यटकों की पसंदीदा जगह

चांगी एयरपोर्ट का डिजाइन मशहूर आर्किटेक्ट मोशे सफदी ने तैयार किया है। अप्रैल 2019 में शुरू हुए ज्वेल चांगी कॉम्प्लेक्स ने इसकी लोकप्रियता को और बढ़ा दिया। यहां बना विशाल कांच का ढांचा, वर्षावन जैसा वातावरण और शानदार वास्तुकला दुनिया भर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। इसी वजह से कई लोग अपनी यात्रा के दौरान जानबूझकर ऐसी फ्लाइट चुनते हैं, जिसमें चांगी एयरपोर्ट पर कुछ घंटों का स्टॉपओवर मिले, ताकि वे इसकी खूबसूरती का आनंद ले सकें। चांगी एयरपोर्ट अपनी बेहतरीन साफ-सफाई, शानदार सेवाओं और आधुनिक सुविधाओं के कारण कई बार स्काईट्रैक्स वर्ल्ड एयरपोर्ट अवॉर्ड्स में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ एयरपोर्ट का खिताब जीत चुका है। इसका विशाल परिसर करीब 10.46 लाख वर्गफुट में फैला हुआ है और इसे बनाने में लगभग 1.25 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत आई थी।

आवाज से 7 गुना तेज रफ्तार: चांद से टकराएगा मस्क का बेकाबू रॉकेट

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष में एक ऐसा हादसा होने जा रहा है, जिसे दुनिया भर के वैज्ञानिक सांसें थामकर देख रहे हैं। अमेरिकी बिजनेसमैन एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का एक बेकाबू रॉकेट ध्वनि की रफ्तार से भी 7 गुना तेजी से चांद से 5 अगस्त को टकराने जा रहा है। इस भीषण टक्कर में न सिर्फ चांद की सतह पर एक नया गहरा क्रेटर यानी गड्ढा, बल्कि अंतरिक्ष में धूल का एक विशाल बवंडर भी उठेगा। आखिर कैसे अंतरिक्ष का यह 'कचरा' एक बड़े हादसे में बदल गया और इससे भविष्य के मून मिशनों पर क्या असर पड़ेगा?

यह रॉकेट स्टेज जनवरी 2025 में दो प्राइवेट लूनर लैंडर्स को लॉन्च करने के लिए इस्तेमाल किया गया था। मिशन पूरा होने के बाद से ही यह अंतरिक्ष में भटक रहा था। स्पेस ट्रैकिंग एक्सपर्ट बिल ग्रे के मुताबिक, यह रॉकेट लगभग 5,400 मील प्रति घंटे यानी करीब 8,700 किमी प्रित घंटे की रफ्तार से बुधवार तड़के चांद के सूर्य-प्रकाश वाले पश्चिमी किनारे आइंस्टीन क्रेटर के पास टकराएगा। यह पूरी तरह से एक अनजाने में हुआ हादसा है, जो स्पेसएक्स के ही मिशन प्लान का हिस्सा नहीं था। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर रॉकेट को काम पूरा होने के बाद सूर्य की कक्षा की ओर मोड़ दिया जाता, तो इस हादसा से बचा जा सकता था।

सैटेलाइट्स की पैनी नजर

नासा का लूनर टोही ऑर्बिटर और दक्षिण कोरिया का दानुरी लूनर ऑर्बिटर इस घटना की तस्वीरें लेंगे। हैरान करने वाली बात यह है कि दानुरी ऑर्बिटर टक्कर से ठीक 2 मिनट पहले इस भटकते रॉकेट के बहुत ही करीब से गुजरेगा।

अंतरिक्ष में बढ़ता कचरा चिंता का विषय

यह चांद पर किसी इंसानी रॉकेट के टकराने की दूसरी जानी-पहचानी घटना है। इससे पहले 2022 में चीन का एक बेकार रॉकेट स्टेज चांद के पिछले हिस्से से टकराया था। रिटायर्ड खगोल वैज्ञानिक जोनाथन मैकडॉवेल का कहना है कि अभी के लिए इस टक्कर से कोई बड़ा खतरा नहीं है, लेकिन भविष्य में जब चांद पर इंसानी बेस होंगे, तब ऐसे बेकाबू रॉकेट गंभीर समस्या बन सकते हैं। इसलिए, रॉकेट स्टेजों को इस तरह लावारिस छोड़ना बंद करना होगा।

सबसे बड़ी भूलभुलैया, कई-कई किलोमीटर तक दिखती है सिर्फ रेत

मोरक्को। दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं जो अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर हैं, जबकि कुछ स्थान अपनी कठिन परिस्थितियों और रहस्यमयी प्रकृति के कारण लोगों को आकर्षित करते हैं। इन्हीं में से एक है सहारा रेगिस्तान, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा गर्म रेगिस्तान माना जाता है। इसकी विशालता, बदलते रेत के टीले और बेहद कठिन जलवायु इसे पृथ्वी के सबसे चुनौतीपूर्ण इलाकों में शामिल करते हैं। सोशल मीडिया पर इन दिनों सहारा रेगिस्तान से जुड़ी एक पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है। इसमें इसे दुनिया की सबसे बड़ी प्राकृतिक भूलभुलैया बताया गया है।

करीब 92 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला है सहारा

सहारा रेगिस्तान का क्षेत्रफल लगभग 92 लाख वर्ग किलोमीटर (करीब 9.2 मिलियन वर्ग किलोमीटर) है। यह इतना विशाल है कि इसका आकार लगभग पूरे संयुक्त राज्य अमेरिका के बराबर माना जाता है। यह रेगिस्तान उत्तरी अफ्रीका के कई देशों में फैला हुआ है, जिनमें अल्जीरिया, लीबिया, मिस्र, चाड, नाइजर, माली, मॉरिटानिया, सूडान, ट्यूनीशिया और मोरक्को जैसे देश शामिल हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com